NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

विजडम इंडिया

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 214 लखनऊ, रविवार 17 मार्च 2024 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

उत्तर प्रदेश में भाजपा के जिन 20 सांसदों की टिकट पर पेंच फंसा हुआ है उनकी नींद उड़ी हुई है

एजेंसी। नई दिल्ली बहरहाल, जिन 20 सांसदों को टिकट नहीं मिला है, उसके अलावा चार और सीटों को शामिल करके बीजेपी को अभी 24 सीटों पर अपने प्रत्याशी तय करने हैं। जिन मौजूदा सांसदों के टिकट घोषित नहीं हुए हैं, वह अपने समर्थकों के साथ लखनऊ से दिल्ली तक प्रयास कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से बीजेपी ने 51 सीटों पर अपने प्रत्याशी तय कर दिये हैं। इस घोषणा में सबसे बड़ी बात यह रही कि कहीं भी विरोध या बगावत के स्वर नहीं सुनाये दिये, एक मात्र बाराबंकी लोकसभा सीट के उम्मीदवार उपेंद्र सिंह रावत ने जरूर चुनाव नहीं लड़ने की इच्छा जताई है। इसके पीछे उनकी पार्टी से किसी तरह की नाराजगी नहीं,

बल्कि उनका सोशल मीडिया पर कथित रूप से एक विवादित वीडियो का सामने आना है, जिसे रावत ने पूरी तरह से खारिज करके एफआईआर दर्ज करा दी है। लेकिन इसके साथ ही वीडियो की सच्चाई आने से पूर्व भविष्य में कोई भी चुनाव नहीं लड़ने की भी घोषणा की है। बाराबंकी से यदि उपेद्र चुनाव नहीं लड़े तो बीजेपी को वहां भी नया प्रत्याशी तलाशना होगा, इस तरह से 24 सीटों पर उसे और प्रत्याशी तय करना है, बाकी कि छह सीटें बीजेपी ने सहयोगी दलों के लिये छोड़ रखी हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने यूपी में 80 में से 64 सीटें जीती थीं। पहली लिस्ट में बीजेपी ने अपने 44 सांसदों को पुनः टिकट दे दिया है। इस तरह से अभी बीजेपी के 20 और सांसदों के भाग्य का फैसला होना बाकी है। यह वह 20 सांसद हैं जिनको लेकर बीजेपी आलाकमान के मन में कई किन्तु–परंतु हैं। किसी की उम्र 75 वर्ष से अधिक है तो कोई विवादों में घिरा है। इसी तरह से कुछ सांसदों का कामकाज सही नहीं होने के कारण उनके जीत की संभावनाएं काफी कम हो गई हैं तो कुछ मौजूदा सामाजिक समीकरण के ढांचे में फिट नहीं बैठ रहे हैं। एक सांसद ऐसे भी हैं जो पांच सालों तक अपनी ही सरकार की आलोचना करते रहे। इसके अलावा कुछ वीआईपी सीटों पर भी प्रत्याशी नहीं तय हो पाये हैं जिसमें रायबरेली, मैनपुरी, सुलतानपुर, पीलीभीत जैसी सीटें शामिल हैं। उक्त में से दो सीटें क्रमशः सुलतानपुर और पीलीभीत से मेनका और वरूण गांधी सांसद हैं। बहरहाल, जिन 20 सांसदों को टिकट नहीं मिला है, उसके अलावा चार और सीटों को शामिल करके बीजेपी को अभी 24 सीटों पर अपने प्रत्याशी तय करने हैं। जिन मौजूदा सांसदों के टिकट घोषित नहीं हुए हैं, वह अपने समर्थकों के साथ लखनऊ से दिल्ली तक प्रयास कर रहे हैं। जानकार बताते हैं कि कुश्ती संघ से विवादों में आए कैसरगंज से भाजपा सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह की जगह पार्टी उनकी पत्नी केतकी सिंह या विधायक बेटे प्रतीक भूषण सिंह को चुनाव लड़ाना चाहती है, लेकिन ब्रजभूषण ने टिकट पाने के लिए लखनऊ से दिल्ली तक पूरी ताकत लगा दी है। बरेली से लगातार सांसद रहे संतोष गंगवार को 2019 में मंत्री पद से हटाने के बाद अब चुनावी राजनीति से बाहर रखने की चर्चाएं चल रही हैं। उनके समर्थकों का तर्क है कि 75 वर्ष से अधिक आयु होने पर हेमा मालिनी को टिकट दिया गया है, ऐसे में संतोष गंगवार की दावेदारी भी बनती है। उधर, देवरिया से संसद और पूर्व प्रदेश अध्य रमापति राम त्रिपाठी ने भी दिल्ली में भाजपा के बड़े पदाधिकारियों से संपर्क बनाकर एक और मौका मांगा है तो सुल्तानपुर से सांसद मेनका गांधी और पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी के टिकट पर भी पेंच फंसा है। मोदी की हरी झंडी के बाद पार्टी दोनों में से किसी एक को टिकट दे सकती है। वैसे वरूण गांधी के प्रियंका गांधी के करीब होने की भी बात कही जा रही है। रिश्तों में जमी बर्फ हटाने के लिये वरूण को रायबरेली या अमेठी से मैदान में उतारा जा सकता है। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के प्रत्याशियों की पहली सूची में वंचित रहने के बाद पार्टी के दिग्गज सांसदों ने अपने टिकट के लिए पूरा दम लगा दिया है। राम लहर और मोदी की गारंटी के माहौल में भी दिग्गज चेहरों को चुनाव मैदान से बाहर करने में पार्टी को मशक्कत करनी पड़ेगी। भाजपा ने पहले चरण में यूपी की 80 में से 51 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं। शेष 29 सीटों में से बागपत और बिजनौर पर एनडीए के सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल ने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। आगामी दिनों में 27 सीटों पर प्रत्याशी घोषित होने हैं इनमें से दो सीटें अपना दल (एस) और सुभासपा को एक सीट मिलेगी। माना जा रहा है कि अपना दल को उसकी दो मौजूदा सीटों राबर्ट्सगंज औ मिर्जापुर से ही लड़ाया जायेगा पूर्वांचल की एक–एक सीट सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और निषाद पार्टी के हिस्से मे जायेगी। गाजीपुर और घोसी की सीट इन दलों को दी ज सकती है। कुछ सीटों प सपा–बसपा छोड़कर बीजेपी मे आने वाले नेताओं को भी उतार जा सकता है। बहरहाल, अभ तक जिन बीजेपी सांसदों के भाग्य का फैसला नहीं हो पाय है उसमें गाजियाबाद से विजय कुमार सिंह, मेरठ से राजेन्द्र अग्रवाल, बागपत से सत्यपाल सिहं, हाथरस से राजबीर दिलेर, कानपुर से सत्यदेव पचौरी, पीलीभीत से वरूण गांधी, बदायू से संघमित्रा मौर्या, फिरोजाबाद से डॉ. चन्द्र जादौन सेन, प्रयागराज से रीता बहुगुणा

सुप्रीम फैसलों ने बढ़ाया देश का मान, देशवासियों को है न्यायपालिका पर विश्वास

ऐंसी।

नई दिल्ली 1998 में 5 जजों की संवैधानिक पीठ ने 3–2 के बहुमत से तय किया था कि ऐसे मामलों में जनप्रतिनिधियों पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि अगर कोई घूस लेता है तो केस बन जाता है। यह मायने नहीं रखता है कि उसने बाद में वोट दिया या फिर स्पीच दी। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में कई ऐसे फैसले दिए हैं जिससे देश का मान तो बढ़ा ही है। उसके साथ ही वो फैसले न्यायपालिका के क्षेत्र में भी मील के पत्थर साबित होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसलों से जहां हर देशवासी को गौरवान्वित किया हैं। वहीं देशवासियों का न्यायपालिका के प्रति विश्वास को भी सुदृढ़ किया है। सुप्रीम कोर्ट के इन फैसलों की पूरे देश में सराहना हो रही है। देश के आम आदमी को भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से यह महसूस होने लगा कि हमारे देश में न्याय कभी कमजोर नहीं हो सकता है। हालांकि पिछले कई वर्षों से देश में न्यायपालिका को कमजोर करने के आरोप लग रहे थे। जिनको सुप्रीम कोर्ट के फैसलों ने झूठला दिया है। 04 मार्च 2024 को वोट के बदले नोट के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अब रिश्वत लेकर सदन में वोट दिया या सवाल पूछा तो सांसदों या विधायकों को विशेषाधिकार के तहत मुकदमे से छूट नहीं मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की संवैधानिक पीठ ने सोमवार को अपना 25 साल पुराना फैसला पलट दिया। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एएस बोपन्ना, एमएम सुंदरेश, पीएस नरसिम्हा, जेबी पारदीवाला, संजय कुमार और मनोज मिश्रा की संवैधानिक पीठ ने कहा कि हम 1998 में दिए गए जस्टिस पीवी नरसिम्हा के उस फैसले से सहमत नहीं हैं। जिसमें सांसदों और विधायकों को सदन में भाषण देने या वोट के लिए रिश्वत लेने पर मुकदमे से छूट दी गई थी।

मनोज पांडेय की बगावत से यूपी में सपा के साथ ही कांग्रेस के भी समीकरण बिगड़ गये हैं

संवाददाता। लखनऊ सपा विधायक डॉ. मनोज कुमार पांडेय के विधानमंडल के मुख्य सचेतक पद से त्यागपत्र देने के बाद रायबरेली की राजनीतिक सरगर्मी एक बारगी बढ़ गई है। मनोज के इस फैसले के बाद गांधी परिवार के गढ़ की न सिर्फ सियासत बदलेगी, बल्कि आने वाले समय में नए समीकरण भी बनेंगे। समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित अल्पसंख्यक) प्रेम में जब बनिया, ब्राह्मणों, क्षत्रियों, कायस्थों और यहां तक की राम भक्तों का कोई महत्व या स्थान ही नहीं है तो वह समाजवादी पार्टी के लिए क्यों वोट करेंगे? उक्त बिरादरी के नेता भी क्यों समाजवादी पार्टी में रहना पसंद करेंगे? राज्यसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के जिन विधायकों ने बगावत की उसमें से 5–6 नेता ऐसे हैं जिनकी समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से बस यही नाराजगी थी कि वह उनकी बिरादरियों की अनदेखी कर रहे हैं और उनके इष्ट प्रभु श्रीराम का सम्मान नहीं करते हैं। समाजवादी पार्टी ने अपने स्वभाव में बदलाव नहीं किया तो इसका खामियाजा उन्हें लोकसभा चुनाव में भुगतना पड़ सकता है। विधानसभा चुनाव की तरह लोकसभा चुनाव के समय भी पार्टी में बगावत के सुर फुट सकते हैं। फिर इसकी आंच से ना सपा बचेगी ना कांग्रेस। सपा कांग्रेस की इसी सियासत के चलते रायबरेली में गांधी परिवार का गढ़ संकट में नजर आ रहा है।रायबरेली के ऊंचाहार विधानसभा क्षेत्र से सपा विधायक डॉ. मनोज कुमार पांडेय के विधानमंडल के मुख्य सचेतक पद से त्यागपत्र देने के बाद रायबरेली की राजनीतिक सरगर्मी एक बारगी बढ़ गई है। मनोज के इस फैसले के बाद गांधी परिवार के गढ़ की न सिर्फ सियासत बदलेगी, बल्कि आने वाले समय में नए समीकरण भी बनेंगे। राहुल गांधी के लिए ये सियासी बदलाव इसलिए मायने रखता है क्योंकि उनके अमेठी से चुनाव लड़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है। केरल के वायनॉड संसदीय क्षेत्र में राहुल गांधी के खिलाफ जिस तरह से वहां सत्तारुढ़ वामपंथी पार्टी ने मजबूत घेराबंदी की है, उसके चलते राहुल के वहां से जीतने की संभावनाएं बहुत अच्छी नहीं दिख रही हैं।

6600 किमी यात्रा और 63 दिन का सफर...प्रियंका ने कहा– देश की सारी हकीकत बताने के लिए आयोजित की भारत जोड़ो यात्रा

एसेंसी।

नई दिल्ली भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा आज राहुल गांधी की 6,700 किलोमीटर की भारत जोड़ो न्याय यात्रा समाप्त हो जाएगी। यह यात्रा उन्होंने आपको इस देश की सारी हकीकत बताने के लिए आयोजित की थी। आज, इस देश की वास्तविकता को समझना बहुत महत्वपूर्ण है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा शनिवार को अपने भाई राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल हुईं, जो मुंबई के धारावी तक पहुंची। यात्रा बाद में शाम को दादर की चौत्यभूमि पर समाप्त हो गई, जो प्रसिद्ध सामाजिक प्रतीक बाबासाहेब अम्बेडकर का स्मारक है। 14 जनवरी को संघर्षग्रस्त मणिपुर से शुरू हुई यात्रा शनिवार को 63वें दिन पड़ोसी ठाणे से मुंबई में प्रवेश कर गई। एआईसीसी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल और राज्य के एआईसीसी प्रभारी रमेश चेन्निथला एक खुली जीप

में गांधी भाई–बहन के साथ थे। भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा आज राहुल गांधी की 6,700 किलोमीटर की भारत जोड़ो न्याय यात्रा समाप्त हो जाएगी। यह यात्रा उन्होंने आपको इस देश की सारी हकीकत बताने के लिए आयोजित की थी। आज, इस देश की वास्तविकता को समझना बहुत महत्वपूर्ण है। जनजागरण पर तीखा हमला हो रहा है और आप सभी को इससे अवगत कराने के लिए उन्होंने (राहुल गांधी) श्भारत जोड़ो न्याय यात्राश शुरू की है। राहुल गांधी ने कहा कि धारावी आपका है और आपका रहना चाहिए। धारावी के हुनर को मदद मिलनी चाहिए, बैंकों के दरवाजे धारावी के लिए खुलने चाहिए, क्योंकि आप जैसे लोग ही देश को बनाते हैं। हम जातिगत जनगणना और आर्थिक सर्वे जैसा क्रांतिकारी कदम उठाएंगे। ताकि पता चल जाए– किसकी कितनी आबादी है। इसके साथ ही, हम देश की गरीब महिलाओं को सालाना 1 लाख रुपए की मदद देंगे। देश के अरबपतियों का लाखों–करोड़ों का कर्ज माफ किया जा रहा है और आपको लूटा जा रहा है। तभी हम कह रहे हैं– आप सभी जग जाइए।

जनता पूछ रही है– कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के रिश्ते को क्या नाम दें ?

एजेंसी। नई दिल्ली रोचक है कि चुनावों में प्रचार के दौरान पंजाब में कांग्रेस जहां भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार को कोसेगी और अरविंद केजरीवाल पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को उछालेगी वहीं दोनों दल दूसरे राज्यों में एक–दूसरे की पीठ खुजाएंगे।

देश में लोकसभा चुनावों की तैयारी को लेकर 'इंडी' गठजोड़ के तहत कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबन्धन हो चुका है। देश के अन्य हिस्सों जैसे दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और गोवा में दोनों दल मिल कर चुनाव लड़ेंगे जबकि पंजाब में एक–दूसरे के खिलाफ। इस अजीबो–गरीब गठजोड़ को देख कर हास्य अभिनेता कादर खान की उस फिल्म में कॉमेडी का स्मरण हो आया जिसमें प्रेमी की माँ और प्रेमिका का बाप भी एक दूसरे के चक्कर में पड़ कर शादी कर बैठते हैं। अब इस रिश्ते से प्रेमी अपनी प्रेमिका का भाई हो गया और उसका अपना पिता उसका ससुर भी बन गया। प्रेमिका भी अपनी माँ को सासू कहे या मम्मी, उसे समझ नहीं आ रहा था। परिवार में इन दोनों जोड़ियों के होने वाले बच्चों के सामने समस्या पैदा हो गई कि कौन किसको किस रिश्ते से पुकारे? इसी तर्ज पर उक्त राजनीतिक गठजोड़ को देख कर यह बात सत्य साबित हो गई है कि देश में नई तरह की राजनीति का एक–दूसरे की पीठ खुजाएंगे। केंद्र में अगर सत्ता परिवर्तन होता है तो यहां के सांसद चाहे वह कांग्रेस के हों या

वायदा करके आए अरविंद केजरीवाल ने वास्तव में नया कर दिखाया है। हालांकि इस तरह के बेमेल गठजोड़ अतीत में भी कुछ स्थानों पर होते रहे हैं परन्तु राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार यह बेर और केर का साथ चर्चा का विषय बना हुआ है। कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ चले अन्ना हजारे आन्दोलन से उपजी आम आदमी पार्टी अब उसी के पक्ष में दिखाई दे रही है। रोचक है कि चुनावों में प्रचार के दौरान पंजाब में कांग्रेस जहां भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार को कोसेगी और अरविंद केजरीवाल पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को उछालेगी वहीं दोनों दल दूसरे राज्यों में आप के एक साथ सरकार में बैठेंगे और भाजपा सरकार बनी रहती है तो विपक्ष में गलबहियां डाले दिखेंगे, यानि हमीं से मुहब्बत हमीं से लड़ाई– अरे मार डाला दुहाई दुहाई। पंजाब में इस रिश्ते को फिक्स मैच या नूरा कुश्ती का नाम दिया जाने लगा है। कल 1 मार्च को पंजाब विधानसभा में शुरू हुए बजट सत्र के दौरान कांग्रेस ने पंजाब में शंभू सीमा पर चल रहे किसान आंदोलन में मारे गए युवक को लेकर आप की सरकार को घेरा तो सत्तापक्ष ने कांग्रेस पर पलटवार किया। भाजपा ने इसे फिक्स मैच बता कर उपहास किया है और कहा है कि किसानों के खिलाफ दोनों अंदर से मिले हुए हैं।

बदायूं नहीं, संभल से चुनाव लड़ना चाहते हैं शिवपाल सिंह यादव, अखिलेश यादव की मुश्किल बढ़ी

संवाददाता।

लखनऊ शिवपाल की पहली पसंद संभल बताई जा रही है। सपा ने संभल से शफीकुर्रहमान बर्क को टिकट दिया था, लेकिन उनका देहांत हो चुका है, जिसकी वजह से यहां नये उम्मीदवार की तलाश की जा रही है। इसलिए पहले उनका बदायूं आगमन टला, फिर लगातार दूसरी बार उनके बेटे आदित्य यादव का भी दौरा टल गया। समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश की बदायूं लोकसभा सीट को लेकर गफलत में नजर आ रही है। चर्चा है कि एक बार फिर सपा आलाकमान ने वहां से शिवपाल यादव की उम्मीदवारी खारिज कर दी है। शिवपाल स्वयं चुनाव नहीं लड़ना चाह रहे थे या फिर यह पार्टी आलाकमान का फैसला है इस पर अभी स्थिति साफ नहीं हो पाई है। लोकसभा चुनाव को लेकर बदायूं में सपा की सियासी करवट पर सपा के दिग्गजों में हर स्तर पर दो तरह की राय सामने आईं हैं। एक बड़ा वर्ग बदायूं से सांसद रहे धर्मेंद्र यादव को फिर से उम्मीदवार बनाना चाहता है, जबकि सपा के ही कुछ नेता धर्मेंद्र यादव से नाराज बताये जाते हैं। वह उनको न लड़ाए जाने का आग्रह पिछले दिनों सपा मुखिया अखिलेश यादव से भी कर चुके हैं। इसके बाद ही धर्मेंद्र यादव के स्थान पर शिवपाल सिंह यादव का नाम आया था। अब सपा के सूत्रों का कहना है कि खुद शिवपाल सिंह यादव बदायूं से

चुनाव लड़ने के लिए उत्साहित नहीं हैं।

सूत्र बताते हैं कि शिवपाल की पहली पसंद संभल बताई जा रही है। सपा ने संभल से शफीकुर्रहमान बर्क को टिकट दिया था, लेकिन उनका देहांत हो चुका है, जिसकी वजह से यहां नये उम्मीदवार की तलाश की जा रही है। इसलिए पहले उनका बदायूं आगमन टला, फिर लगातार दूसरी बार उनके बेटे आदित्य यादव का भी दौरा टल गया। आदित्य यादव को अपने पिता शिवपाल यादव की चुनावी कमान संभालने के लिए यहां आना था। उनका दो बार दौरा लगा पर एक बार भी नहीं आए। संभल एक मुस्लिम बाहुल्य सीट है और यहां से सपा कई चुनाव जीत चुकी है। सपाइयों ने बताया था कि आदित्य यादव का आज यानी 11 मार्च को बदायूं में आने का कार्यक्रम था, सपाइयों ने उनके स्वागत और चुनावी अभियान की शुरुआत को लेकर तैयारी बैठक कर ली, लेकिन एक दिन पहले 10 मार्च को उनका कार्यक्रम निरस्त होने की जानकारी सामने आई। इसकी पुष्टि सपा के स्थानीय पदाधिकारियों ने भी की। बताया गय कि आदित्य यादव का कार्यक्रम टल गया है। इससे अब उम्मीदवार बदले जाने की संभावना जताई जाने लगी है इसकी पुष्टि इससे भी होती है कि अब तक कोई चुनावी बैठक भी नहीं हुई है। फिलहाल, स्थानीय पदाधिकारियों की निगाहे नेतृत्व के फैसले पर टिकी हैं गौरतलब है कि बदायूं मुस्लिम और यादव बहुल सीट है। इसी समीकरण से किसी समय यह सपा की मजबूत सीट मानी जाती थी, लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के चचेरे भाई और सांसद रहे धर्मेंद्र यादव को शिकस्त देने के लिए संघमित्रा मौर्य को मैदान में उतारा था भाजपा प्रत्याशी से धर्मेंद्र यादव हार गए थे। चुनाव के बाद सियासी घटनाक्रम बदलता रहा संघ मित्रा के पिता स्वामी प्रसाद मौर्य सपा में रहे। सपा में रहते केंद्र व प्रदेश सरकार पर जमकर सियासी हमले किए तब से भाजपा के अंदर उनकी बेटी के टिकट लेकर संशय हो गया है। पहली लिस्ट में नाम न आने पर संशय और बढ़ा है।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों के दौरान सबसे ज्यादा संकट में बसपा नजर आ रही है

संवाददाता

लखनऊ त्रिकोणीय संघर्ष में मायावती के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती अपना पिछला प्रदर्शन बचाकर रखना है। विगत 2019 के लोकसभा चुनावों में बसपा को सपा रालोद गठबंधन के साथ लड़ने के कारण 10 लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त हुई थी किंतु अब समीकरण और गठबंधन दोनों ही काफी बदल गए हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों का शंखनाद बस होने ही वाला है। सीटों की संख्या की दृष्टि से सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में सभी दल अधिकतम सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। इस लक्ष्य को साधने के लिए प्रदेश में विपक्ष का इंडी गठबंधन बनकर तैयार हो गया है जिसमें समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का काफी ना–नुकुर के बाद तालमेल हो गया है। भारतीय जनता पार्टी राम लहर व विकास की लहर पर सवार होकर सभी 80 सीटों पर विजय प्राप्त करने की बात कह रही है और हर सीट पर केवल जिताऊ उम्मीदवार को ही टिकट देने का निर्णय कर चुकी है। वहीं बसपा अभी तक अकेले ही चुनावी मैदान में उतरने की बात कह रही है किंतु उसके सामने सबसे बड़ी समस्या टिकाऊ व जिताऊ उम्मीदवारों का न होना है। बसपा नेत्री मायावती को अब अपने ही सांसदों पर भरोसा नहीं रह गया है और कहा जा रहा है कि वह अपने सभी 10 सांसदो के टिकट काटने जा रही है ऐसे में टिकट कटने के भय व अपनी राजनीति को सुधारने की दृष्टि से कई सांसद पाला बदलने की तैयारी में लग गये हैं और कुछ ने पाला बदल भी लिया है। त्रिकोणीय संघर्ष मे मायावती के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती अपना पिछला प्रदर्शन बचाकर रखना है। विगत 2019 के लोकसभा चुनावों में बसपा को सपा रालोद गठबंधन के साथ लड़ने के कारण 10 लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त हुई थी किंतु अब समीकरण और गठबंधन दोनों ही काफी बदल गए हैं बसपा सांसद एक के बाद एक मायावती का साथ छोड़कर जा रहे हैं। यह भी सुनने में आ रहा है कि बसपा के कई वर्तमान व पूर्व सांसद भाजपा व कांग्रेस के साथ संपर्क बनाकर चल रहे हैं। अभी तक बसपा के जो सांसद पाला बदल चुके हैं ।

रूल ऑफ लॉ की स्थापना से देश–विदेश में प्रदेश के बारे में धारणा बदली – योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने डॉ0 भीमराव आम्बेडकर उ0प्र0 पुलिस अकादमी, मुरादाबाद में मुख्य अतिथि के तौर पर परेड का मान प्रणाम ग्रहण किया

संवाददाता।
मुख्यमंत्री ने डॉ0 भीमराव आम्बेडकर उ0प्र0 पुलिस अकादमी, मुरादाबाद में मुख्य अतिथि के तौर पर परेड का मान प्रणाम ग्रहण किया
लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज जनपद मुरादाबाद स्थित डॉ0 भीमराव आम्बेडकर उत्तर प्रदेश पुलिस अकादमी में उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस आधारभूत कोर्स वर्ष 2023–24 के दीक्षांत परेड समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर परेड का मान प्रणाम ग्रहण किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के अलग–अलग पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों में 8,362 पुलिस उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस और प्लाटून कमाण्डर की पासिंग आउट परेड सम्पन्न हो रही है। प्रदेश की इस उत्कृष्टतम अकादमी में उन्हें दीक्षांत परेड का साक्षी बनने का अवसर प्राप्त हुआ है। वर्ष 2023–24 की पासिंग आउट परेड में 1,618 महिला पुलिस उपनिरीक्षक सम्मिलित हैं। मुख्यमंत्री ने सभी प्रशिक्षुओं और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि सभी प्रशिक्षुओं ने अपने संस्थान में 01 वर्ष का कठोर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इसके माध्यम से उत्तर प्रदेश पुलिस बल को व्यावसायिक दक्षता प्राप्त 08 हजार से अधिक पुलिस उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस और प्लाटून कमाण्डर प्राप्त होंगे, जो प्रदेश की कानून–व्यवस्था एवं सुरक्षा को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे। प्रषिक्षणकाल वह समय है, जिसमें एक प्रषिक्षु सक्रिय सेवा के समस्त मानदण्डों और व्यावहारिक जीवन के उच्च आदर्शों के साथ–साथ सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है। यहीं से एक जिम्मेदार लोकसेवक के दायित्वों का भली–भांति निर्वहन करने के लिए स्वयं को योग्य बनाता है। वर्दीधारी फोर्स के बारे में कहा जाता है कि प्रशिक्षण के दौरान जितना वह पसीना बहाएंगे, चुनौती के समय उतना ही खून बहाने की नौबत नहीं आएगी।
मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रशिक्षुओं ने अपने परिश्रम और लगन से स्वयं को साबित किया है। यह आगामी 30–35 वर्षों तक उनके काम आएगा। विगत 07 वर्षों में राज्य सरकार द्वारा पुलिस प्रशिक्षण केन्द्रों की क्षमता को लगभग 03 गुना बढ़ाया गया है। प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रशिक्षुओं को कानून–व्यवस्था, विधि, मानवाधिकारों, साइबर क्राइम, पुलिस रेगुलेशन, फॉरेंसिक साइंस इत्यादि से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों का अध्ययन कराया गया, ताकि पुलिस बल की कार्यप्रणाली तथा वर्तमान की चुनौतियों को सफलतापूर्वक सुलझाने के लिए पुलिस को योग्य उपनिरीक्षक प्राप्त हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि 01 जुलाई, 2024 से तीन नये कानून लागू होने हैं। राज्य सरकार के स्तर पर इन कानून का अध्ययन करने, इन्हें चरणबद्ध तरीके से प्रदेश में लागू करने तथा इसके लिए शासन एवं प्रशासन के स्तर पर किये जाने वाले कार्यों के लिए समिति गठित की गयी है। समस्त प्रशिक्षुओं को इन तीनों कानूनों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इन तीन नये कानूनों की मूल भावना दण्ड आधारित न होकर न्याय प्रधान है। ऐसे में फॉरेंसिक साइन्स तथा साइबर क्राइम के ज्ञान का महत्व बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'स्मार्ट पुलिसिंग' के सूत्र बताएं हैं। यह सूत्र हैं–स्ट्रिक्ट एवं सेंसिटिव, मॉडर्न एवं मोबाइल, अलर्ट एवं अकाउण्टेबल, रिलाएबल एवं रेस्पॉन्सिव, टेक्नो–सेवी एवं ट्रेण्ड। यह सूत्र हमें कानून प्रवर्तन के भविष्य के लिए निरन्तर और स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। जाँच एवं दण्ड के पुराने तरीकों से आगे निकलकर आधुनिक फॉरेंसिक तकनीक एवं साक्ष्यों का उपयोग करना न केवल न्याय की दृष्टि से बेहतर है, अपितु इस प्रक्रिया से जाँच में होने वाले अनावश्यक व्यय व श्रम को भी कम किया जा सकता है। इसे ध्यान में रखकर राज्य सरकार द्वारा लखनऊ में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन्सिक साइंसेज की स्थापना की गयी है। संस्थान का प्रथम शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ हो चुका है। विगत दिनों इसका लोकार्पण भी सम्पन्न हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समय के साथ हो रहे निरन्तर परिवर्तन के दृष्टिगत पुलिस अधिकारियों,कर्मचारियों के लिए नवीन कानूनों तथा आधुनिक तकनीकों के प्रयोग की जानकारी होना आवश्यक है। दक्ष, न्यायप्रिय, पारदर्शी, जवाबदेह व निष्ठा के साथ जनसेवा के प्रति संवेदनशील पुलिस बल की स्थापना में यह प्रशिक्षण बेहद कारगर सिद्ध होगा, ऐसा उनका अटूट विश्वास है। आप पुलिस बल में एक जिम्मेदार पद पर नियुक्त हो रहे हैं। यह पद कानून का राज स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है। अपराध नियंत्रण के साथ–साथ पीड़ित व्यक्ति को न्याय प्राप्त कराने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका है। आपसे अपेक्षा है कि जनमानस की सुरक्षा, समाज में अमन–चौन कायम रखते हुए मित्र पुलिस की छवि को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अपना बेहतरीन योगदान देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी अपने कर्तव्यपालन के दौरान कठोरता के साथ विनम्रता का अद्भुत सामंजस्य बनाते हुए कर्तव्यपरायणता, अनुषासन और सत्यनिष्ठा का सफल उदाहरण स्थापित करेंगे। पुलिस सेवा में चुनौतियाँ कभी खत्म नहीं होती हैं। पुलिस बल को हमेशा मुकाबले में डटकर खड़े रहना तथा अपने को कर्तव्य की बेदी पर अर्पित कर देना है। समाज तथा जनमानस में पुलिस की वर्दी को देखकर एक सुरक्षा तथा विश्वास का भाव जागृत होता है। आपको उनके विश्वास को सही साबित करना है, उन्हें सुरक्षा प्रदान करनी है। आपकी दक्षता और कर्तव्यपरायणता ही किसी पीड़ित की पीड़ा कम कर सकती है एवं उसके चेहरे पर नयी मुस्कान ला सकती है। एक संवेदनशील पुलिस कर्मी के लिए शीर्ष आयामों की कोई कमी नहीं है, यदि वह चाहे तो अपने आचरण से जनमानस की कसौटियों पर खरा उतरते हुए, अपनी कर्तव्यनिष्ठा तथा ईमानदारी का उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने विकास की नई ऊंचाइयां प्राप्त की – योगी आदित्यनाथ

सीएम ने उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय मुरादाबाद और मीरजापुर के मा विन्ध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज जनपद मुरादाबाद में उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय, मुरादाबाद का शिलान्यास किया। उन्होंने जनपद मीरजापुर के मां विन्ध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय, मीरजापुर का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री जी ने जनपद मुरादाबाद के विकास की 513.35 करोड़ रुपये लागत की 112 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को आवास की प्रतीकात्मक चाभी, प्रमाण पत्र, डेमो चेक, आयुष्मान कार्ड तथा स्मार्ट फोन प्रदान किये। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज जनपद मुरादाबाद में विश्वविद्यालय के साथ ही 513 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम सम्पन्न हो रहा है। होली के पहले मुरादाबादवासियों के लिए यह उपहार लेकर वह यहां आए हैं। इसके साथ ही मां विन्ध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय का शिलान्यास भी सम्पन्न हो रहा है। मुरादाबाद में बनने वाला राज्य विश्वविद्यालय यहां की दशकों पुरानी मांग थी। प्रदेश सरकार ने इसके लिए 50 एकड़ भू–भाग प्रदान किया है। दोनों विश्वविद्यालयों के लिए पहले चरण में 180–180 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए हैं। द्वितीय चरण में इसे और विस्तार देकर वर्ल्ड क्लास यूनिवर्सिटी के रूप में स्थापित करने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद मुरादाबाद अपने हस्तशिल्प तथा कारीगरी के लिए विख्यात है। हमारी सरकार ने लोक कल्याण संकल्प पत्र में घोषणा की थी कि हर कमिश्नरी में एक राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। मुरादाबाद तथा मीरजापुर में राज्य विश्वविद्यालय के शिलान्यास से यह कार्य पूर्ण होने जा रहा है। कल ही उन्होंने देवीपाटन मंडल में एक विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी है। मुख्यमंत्री ने मुरादाबाद के राज्य विश्वविद्यालय का नाम गुरु जम्भेश्वर के नाम पर करने की घोषणा करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय मुरादाबाद के हस्तशिल्प को नई पहचान देगा। मुरादाबाद में ब्रास का विश्व स्तरीय काम हो रहा है। यह जनपद एक्सपोर्ट का नया सेन्टर बना है। अकेले मुरादाबाद से 06 हजार करोड़ रुपये का निर्यात हो रहा है। यह जनपद ओ0डी0ओ0पी0 के माध्यम से उत्तर प्रदेश को नई पहचान दे रहा है। प्रधानमंत्री जी ने कहा है कि आत्म निर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए हमें अपने हस्तशिल्पियों, कारीगरों और उद्यमियों को प्रोत्साहित करना होगा, उन्हें आत्मनिर्भरता के मार्ग पर आगे बढ़ाना होगा। हमें अपने युवाओं को स्टार्टअप के लिए प्रेरित करना होगा। उन्हें इस प्रकार का मंच देना होगा। यह विश्वविद्यालय इनके लिए आधारशिला का कार्य करेगा। हर मण्डल में एक–एक विश्वविद्यालय बनाने का हमारा संकल्प था। इसके साथ ही, प्रदेश में निजी विश्वविद्यालयों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 22 निजी क्षेत्र के विश्वविद्यालय बनाए गए हैं। इसके लिए एक नीति भी बनाई गई है। गुणवत्ता के साथ कोई भी समझौता नहीं किया जा रहा है। विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ–साथ पठन–पाठन के बेहतरीन मॉडल के लिए कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'एक जनपद एक मेडिकल कॉलेज' की दिशा में प्रदेश सरकार आगे बढ़ी है। बिजनौर में महात्मा विदुर के नाम पर मेडिकल कॉलेज बन चुका है। सम्भल तथा अमरोहा में मेडिकल कॉलेज बन रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार केवल सपने ही नहीं दिखाती है, बल्कि हकीकत भी बुनती है। आज डॉ0 भीमराव आम्बेडकर उत्तर प्रदेश पुलिस अकादमी, मुरादाबाद में 08 हजार से अधिक पुलिस उपनिरीक्षकों को पासिंग आउट परेड के माध्यम से उत्तर प्रदेश पुलिस बल का हिस्सा बनाया गया है। जब सरकार की नीयत साफ होती है, तो वह लोक कल्याण, विकास, रोजगार तथा सुरक्षा की बात करती है। डबल इंजन की सरकार यही कार्य कर रही है।
मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने विकास की नई ऊंचाइयां प्राप्त की हैं। देश का दुनिया में सम्मान बढ़ा है। देश में सुरक्षा का बेहतर माहौल है। भारत सभी क्षेत्रों में निवेश के नए डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है। देश में इंफ्रास्ट्रक्चर के बड़े–बड़े कार्य हो रहे हैं। आई0आई0टी0, एम्स, हाईवे, रेलवे, मेट्रो, वॉटरवे आदि के निर्माण हो रहे हैं। 06 लेन, 04 लेन की सड़कें तथा एक्सप्रेस–वे के कार्य द्रुत गति से आगे बढ़ रहे हैं। देश में बिना भेदभाव गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी तबकों तक पहुंचाने का कार्य भी किया जा रहा है। गरीबों को निःशुल्क राशन, मकान तथा पी0एम0 विश्वकर्मा योजना के माध्यम से हस्तशिल्पियों को एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया है। डबल इंजन सरकार बिना भेदभाव सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रही है। यह सरकार जो बोलती है, वह करके भी दिखाती है। प्रदेश में हर गरीब को सिर ढकने के लिए छत तथा निराश्रित महिलाओं, वृद्धजन एवं दिव्यांगजन को पेंशन का लाभ दिया जा रहा है। बेटी के जन्म से लेकर उसके विवाह तक की व्यवस्था में सरकार सहभागी है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पिछली सरकारों ने प्रदेश की शिक्षा तथा स्वास्थ्य व्यवस्था को बर्बाद कर दिया था। प्रदेश में व्यापारी और बेटियां असुरक्षित थीं। प्रदेश में दंगे होते थे। राज्य के नौजवानों के सामने पहचान का संकट आ गया था। विकास कार्यों में भाई–भतीजा बाद हावी हो गया था। उत्तर प्रदेश अनलिमिटेड पोटेंशियल का राज्य था, यह अपनी पहचान का मोहताज हो गया था।
मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़े हैं। विकसित भारत के लिए विकसित उत्तर प्रदेश चाहिए विकसित उत्तर प्रदेश के लिए विकसित मुरादाबाद तथा विकसित मीरजापुर चाहिए इसके लिए अच्छी शिक्षा व्यवस्था होनी चाहिए। हमारे नए विश्वविद्यालय अच्छी शिक्षा का केन्द्र बनेंगे। हमारे मेडिकल कॉलेज अच्छे स्वास्थ्य के केन्द्र बनेंगे। प्रदेश सरकार की नीतियों से सभी जनपदों में निवेश आ रहा है। प्रधानमंत्री जी ने इस वर्ष 19 फरवरी को जनपद सम्भल में कल्कि धाम का शिलान्यास किया, वहीं लखनऊ में साढ़े 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों का शिलान्यास भी किया। इन प्रस्तावों से 35 लाख नौजवानों को नौकरी की गारन्टी मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार रोजगार भी दे रही है और विकास भी कर रही है। मुरादाबाद में एयरपोर्ट तैयार हो चुका है। अब मुरादाबाद भी हवाई सेवा से जुड़ चुका है। मुरादाबाद के पास अपना हाईवे है। यहां से कुछ ही दूरी पर गंगा एक्सप्रेस–वे जा रहा है। इससे प्रयागराज की दूरी कम होगी। प्रदेश में युवाओं के लिए आजीविका है, तो आस्था का सम्मान भी है। अयोध्या में 05 सदी का इन्तजार समाप्त हुआ है। डबल इंजन सरकार ने अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला को विराजमान करने का कार्य भी किया है।

भाजपा सरकार के कार्यकाल में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर – अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव की घोषणा कर दी है। इस चुनाव से भारत का भविष्य तय होना है। लोकतंत्र की अग्नि परीक्षा का भी यह चुनाव है। इसलिए आज से ही सभी को चुनाव प्रचार में जुट जाना है। सन् 2024 के चुनावों के बाद जनता को भाजपा वोट का अधिकार भी नहीं मिलने देगी लिए आज से ही सभी को प्रचार में जुट जाना है। जनता भाजपा को हराकर लोकतंत्र को बचाने के लिए तैयार है। हमें, पीडीए के माध्यम से भाजपा को परास्त करना है।
कहा कि कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा सरकार में सबसे ज्यादा घोटाले और घपले हुए हैं। लोगों को फर्जी केसों में फंसाने और विपक्षी नेताओं को बदनाम करने के लिए ईडी, सीबीआई, इन्कमटैक्स का दुरूपयोग किया जा रहा है। भाजपा सरकार में कालाधन और बढ़ा है। अखिलेश यादव ने कहा कि महिला अपराध में उत्तर प्रदेश देश में नम्बर एक है। हिरासत में मौतों के मामले में भी उत्तर प्रदेश अव्वल है। महिलाएं एवं बच्चियां उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक असुरक्षित हैं। भाजपा सरकार में बहन–बेटियां रोज ही हैवानियत की शिकार हो रही है। घटनाओं से मुख्यमंत्री जी का जीरों टॉलरेंस का दावा जीरो हो गया है जबकि अपराधी को अगले चौराहे पर पकड़ कर सबक सिखाएंगे का दावा था जो हवा हवाई रह गया है।
कहा कि कानून व्यवस्था चौपट है। भाजपा सरकार में किसी की भी जान जा सकती है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। नौजवानों को नौकरी और रोजगार देने का वादा जुमला निकला। न प्रदेश में निवेश हुआ और नहीं कोई फैक्ट्री उद्योग लगा। नौकरी देने वाली भर्ती परीक्षा का भाजपा सरकार ने जानबूझकर पेपर लीक कराके नौजवानों को बर्बाद कर दिया है। भाजपा सरकार किसी को नौकरी नहीं देना चाहती है। विकासकार्य ठप्प है। समाजवादी सरकार में जो विकासकार्य हुआ था उसी को अपना बताकर या नाम बदल कर सरकार अपनी वाहवाही कर रही है। फूट डालो और राज करो अंग्रेजों वाली नीति के तहत भाजपा समाज में नफरत फैलाने और बांटने का काम कर रही है। भाजपा का एजेण्डा साम्प्रदायिकता फैलाना है। अब जनता सब जानने लगी है। भाजपा अपने एजेण्डा में कभी सफल नहीं होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में लोगों को न्याय मिलने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। फर्जी केसों में बेकसूरों को जेल में डाला जा रहा है। पुलिस थानों में भी कोई सुरक्षित नहीं है। जनता की अभिव्यक्ति की आजादी पर भी किसी न किसी बहाने नए–नए प्रतिबंध लगाए जा रहे है। किसानों का दमन किया जा रहा है। हजारों शिक्षक न्याय की गुहार सालों से कर रहे है, उनकी नियुक्तियां नहीं की जा रही है। धरना–प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों पर लाठियां बरसाई जा रही है।। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज जनपद मुरादाबाद स्थित डॉ0 भीमराव आम्बेडकर उत्तर प्रदेश पुलिस अकादमी में उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस आधारभूत कोर्स वर्ष 2023–24 के दीक्षांत परेड समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर परेड का मान प्रणाम ग्रहण किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के अलग–अलग पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों में 8,362 पुलिस उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस और प्लाटून कमाण्डर की पासिंग आउट परेड सम्पन्न हो रही है। प्रदेश की इस उत्कृष्टतम अकादमी में उन्हें दीक्षांत परेड का साक्षी बनने का अवसर प्राप्त हुआ है। वर्ष 2023–24 की पासिंग आउट परेड में 1,618 महिला पुलिस उपनिरीक्षक सम्मिलित हैं।
मुख्यमंत्री ने सभी प्रशिक्षुओं और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि सभी प्रशिक्षुओं ने अपने संस्थान में 01 वर्ष का कठोर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इसके माध्यम से उत्तर प्रदेश पुलिस बल को व्यावसायिक दक्षता प्राप्त 08 हजार से अधिक पुलिस उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस और प्लाटून कमाण्डर प्राप्त होंगे, जो प्रदेश की कानून–व्यवस्था एवं सुरक्षा को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे। प्रषिक्षणकाल वह समय है, जिसमें एक प्रषिक्षु सक्रिय सेवा के समस्त मानदण्डों और व्यावहारिक जीवन के उच्च आदर्शों के साथ–साथ सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है। यहीं से एक जिम्मेदार लोकसेवक के दायित्वों का भली–भांति निर्वहन करने के लिए स्वयं को योग्य बनाता है। वर्दीधारी फोर्स के बारे में कहा जाता है कि प्रशिक्षण के दौरान जितना वह पसीना बहाएंगे, चुनौती के समय उतना ही खून बहाने की नौबत नहीं आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रशिक्षुओं ने अपने परिश्रम और लगन से स्वयं को साबित किया है। यह आगामी 30–35 वर्षों तक उनके काम आएगा। विगत 07 वर्षों में राज्य सरकार द्वारा पुलिस प्रशिक्षण केन्द्रों की क्षमता को लगभग 03 गुना बढ़ाया गया है। प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रशिक्षुओं को कानून–व्यवस्था, विधि, मानवाधिकारों, साइबर क्राइम, पुलिस रेगुलेशन, फॉरेंसिक साइंस इत्यादि से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों का अध्ययन कराया गया, ताकि पुलिस बल की कार्यप्रणाली तथा वर्तमान की चुनौतियों को सफलतापूर्वक सुलझाने के लिए पुलिस को योग्य उपनिरीक्षक प्राप्त हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि 01 जुलाई, 2024 से तीन नये कानून लागू होने हैं। राज्य सरकार के स्तर पर इन कानून का अध्ययन करने, इन्हें चरणबद्ध तरीके से प्रदेश में लागू करने तथा इसके लिए शासन एवं प्रशासन के स्तर पर किये जाने वाले कार्यों के लिए समिति गठित की गयी है। समस्त प्रशिक्षुओं को इन तीनों कानूनों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इन तीन नये कानूनों की मूल भावना दण्ड आधारित न होकर न्याय प्रधान है। ऐसे में फॉरेंसिक साइन्स तथा साइबर क्राइम के ज्ञान का महत्व बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'स्मार्ट पुलिसिंग' के सूत्र बताएं हैं। यह सूत्र हैं–स्ट्रिक्ट एवं सेंसिटिव, मॉडर्न एवं मोबाइल, अलर्ट एवं अकाउण्टेबल, रिलाएबल एवं रेस्पॉन्सिव, टेक्नो–सेवी एवं ट्रेण्ड। यह सूत्र हमें कानून प्रवर्तन के भविष्य के लिए निरन्तर और स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। जाँच एवं दण्ड के पुराने तरीकों से आगे निकलकर आधुनिक फॉरेंसिक तकनीक एवं साक्ष्यों का उपयोग करना न केवल न्याय की दृष्टि से बेहतर है, अपितु इस प्रक्रिया से जाँच में होने वाले अनावश्यक व्यय व श्रम को भी कम किया जा सकता है। इसे ध्यान में रखकर राज्य सरकार द्वारा लखनऊ में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन्सिक साइंसेज की स्थापना की गयी है। संस्थान का प्रथम शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ हो चुका है। विगत दिनों इसका लोकार्पण भी सम्पन्न हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समय के साथ हो रहे निरन्तर परिवर्तन के दृष्टिगत पुलिस अधिकारियों,कर्मचारियों के लिए नवीन कानूनों तथा आधुनिक तकनीकों के प्रयोग की जानकारी होना आवश्यक है। दक्ष, न्यायप्रिय, पारदर्शी, जवाबदेह व निष्ठा के साथ जनसेवा के प्रति संवेदनशील पुलिस बल की स्थापना में यह प्रशिक्षण बेहद कारगर सिद्ध होगा, ऐसा उनका अटूट विश्वास है। आप पुलिस बल में एक जिम्मेदार पद पर नियुक्त हो रहे हैं। यह पद कानून का राज स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है। अपराध नियंत्रण के साथ–साथ पीड़ित व्यक्ति को न्याय प्राप्त कराने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका है। आपसे अपेक्षा है कि जनमानस की सुरक्षा, समाज में अमन–चौन कायम रखते हुए मित्र पुलिस की छवि को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अपना बेहतरीन योगदान देंगे।

गोदामों का उपयोग साधन सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों की उपज फसल एवं उर्वरकों का भण्डारण किया जायेगा – जे0पी0एस0 राठौर

संवाददाता।
लखनऊ। सहकारिता राज्यमंत्री ने सहकारिता भवन पीसीयू सभागार में राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत प्रदेश के विभिन्न अंचलों में निर्मित होने वाले गोदामों का किया वर्चुअल शिलान्यास प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे0पी0एस0 राठौर ने आज दोपहर 12 बजे सहकारिता भवन लखनऊ के पीसीयू सभागार में राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत भारत सरकार के सौजन्य से प्रदेश के विभिन्न अंचलों में उ0प्र0 राज्य निर्माण सहकारी संघ लि0 (यूपीआरएनएसएस) एवं यूपीसीएलडीएफ द्वारा निर्मित होने वाले 100 मै0 टन क्षमता के 43 गोदाम, 250 मै0 टन क्षमता के 11 गोदाम एवं 1000 मै0 टन क्षमता के 09 गोदाम का वर्चुअल शिलान्यास किया। इसके अतिरिक्त जिला सहकारी बैंक लि0 शाहजहांपुर शाखा सिधौली का वर्चुअल लोकार्पण भी किया।इसके अतिरिक्त सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे0पी0एस0 राठौर ने आज इंस्टीट्यूट ऑफ कॉपरेटिव एण्ड कॉर्पोरेट मैनेजमेन्ट रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग (आई0सी0सी0एम0आर0टी0) रिंग रोड, इंदिरानगर, लखनऊ के प्रांगण में कृषि विज्ञान अन्वेषण केन्द्र का भी शिलान्यास किया।उ0प्र0 राज्य निर्माण सहकारी संघ के प्रबंध निदेशक ए0के0 सिंह ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न अंचलों में प्राप्त 100 मै0 टन के 103 गोदामों के सापेक्ष प्रथम चरण में 43 गोदामों का वर्चुअल शिलान्यास मंत्री द्वारा किया गया, शेष गोदामों का शिलान्यास द्वितीय चरण में किया जायेगा। सरकार की मंशा के अनुरूप निर्माण कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ किया जायेगा।इस अवसर पर सहकारिता राज्यमंत्री ने कहा कि इन गोदामों के निर्माण होने से भण्डारण क्षमता में वृद्धि होगी गोदामों का उपयोग साधन सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों की उपज फसल एवं उर्वरकों का भण्डारण किया जायेगा। लंबी अवधि के भंडारण के लिए एवं उत्पादों की गुणवत्ता को बेहतर बनाए रखने के लिए किया जायेगा। इससे खाद्यान्न एवं उर्वरक पूर्ण सुरक्षित रहेगा कार्यक्रम में दीपिका सिंह व शहरीन सिद्दीकी को ड्रोन एवं इलेक्ट्रानिक वाहन दिया गया कार्यक्रम में सहकारिता के विकास की झलक पर आधारित एक फिल्म भी दिखाई गयी।

भाजपा सरकार के कार्यकाल में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर – अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव की घोषणा कर दी है। इस चुनाव से भारत का भविष्य तय होना है। लोकतंत्र की अग्नि परीक्षा का भी यह चुनाव है। इसलिए आज से ही सभी को चुनाव प्रचार में जुट जाना है। सन् 2024 के चुनावों के बाद जनता को भाजपा वोट का अधिकार भी नहीं मिलने देगी लिए आज से ही सभी को प्रचार में जुट जाना है। जनता भाजपा को हराकर लोकतंत्र को बचाने के लिए तैयार है। हमें, पीडीए के माध्यम से भाजपा को परास्त करना है।
कहा कि कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा सरकार में सबसे ज्यादा घोटाले और घपले हुए हैं। लोगों को फर्जी केसों में फंसाने और विपक्षी नेताओं को बदनाम करने के लिए ईडी, सीबीआई, इन्कमटैक्स का दुरूपयोग किया जा रहा है। भाजपा सरकार में कालाधन और बढ़ा है। अखिलेश यादव ने कहा कि महिला अपराध में उत्तर प्रदेश देश में नम्बर एक है। हिरासत में मौतों के मामले में भी उत्तर प्रदेश अव्वल है। महिलाएं एवं बच्चियां उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक असुरक्षित हैं। भाजपा सरकार में बहन–बेटियां रोज ही हैवानियत की शिकार हो रही है। घटनाओं से मुख्यमंत्री जी का जीरों टॉलरेंस का दावा जीरो हो गया है जबकि अपराधी को अगले चौराहे पर पकड़ कर सबक सिखाएंगे का दावा था जो हवा हवाई रह गया है।
कहा कि कानून व्यवस्था चौपट है। भाजपा सरकार में किसी की भी जान जा सकती है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। नौजवानों को नौकरी और रोजगार देने का वादा जुमला निकला। न प्रदेश में निवेश हुआ और नहीं कोई फैक्ट्री उद्योग लगा। नौकरी देने वाली भर्ती परीक्षा का भाजपा सरकार ने जानबूझकर पेपर लीक कराके नौजवानों को बर्बाद कर दिया है। भाजपा सरकार किसी को नौकरी नहीं देना चाहती है। विकासकार्य ठप्प है। समाजवादी सरकार में जो विकासकार्य हुआ था उसी को अपना बताकर या नाम बदल कर सरकार अपनी वाहवाही कर रही है। फूट डालो और राज करो अंग्रेजों वाली नीति के तहत भाजपा समाज में नफरत फैलाने और बांटने का काम कर रही है। भाजपा का एजेण्डा साम्प्रदायिकता फैलाना है। अब जनता सब जानने लगी है।

बच्चों में प्रारम्भ से ही जीवन मूल्यों का विकास करें- डा. भारती गाँधी, संस्थापिका-निदेशिका, सी.एम.एस.

लखनऊ, 16 मार्च। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड कैम्पस द्वारा 'डिवाइन एजुकेशन कान्फ्रेन्स' का भव्य आयोजन आज विद्यालय के ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। सी.एम.एस. संस्थापिका–निदेशिका डा. भारती गाँधी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर शिक्षकों व अभिभावकों का आहवान करते हुए डा. गाँधी ने कहा कि बच्चों में प्रारम्भ से ही जीवन मूल्यों का विकास करें। परमात्मा के दिव्य गुणों जैसे सदाचार, ईमानदारी, अहिंसा, न्याय, सहयोग आदि जीवन मूल्यों को बच्चों में प्रारम्भ से ही रोपित करें।इसके साथ ही, सी.एम.एस. अशर्फाबाद कैम्पस द्वारा विद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित 'डिवाइन एजुकेशन कान्फ्रेन्स' में भी मेधावी छात्रो को पुरष्कृत कर सम्मानित किया गया। समारोह में विद्यालय के छात्रों ने एक से बढ़कर एक शिक्षात्मक–साँस्कृतिक कार्यक्रमों की छटा बिखेरकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर सी.एम.एस. अशर्फाबाद कैम्पस की प्रधानाचार्या श्रीमती त्राप्ती द्विवेदी ने कहा कि बालक के चरित्र निर्माण के लिए एक स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना चाहिए। इसी प्रकार, सी.एम.एस. गोमती नगर प्रथम कैम्पस द्वारा विद्यालय प्रांगण में आयोजित 'डिवाइन एजुकेशन कान्फ्रेन्स' में बोलते हुए प्रधानाचार्या श्रीमती आभा अनन्त ने कहा कि बालकों को ज्ञान–विज्ञान, कला, शिल्प, खेलकूद आदि में उत्कृष्टता अर्जित करने के लिए प्रत्येक प्रयास पूरे मनोयोग तथा एकाग्रता के साथ करना चाहिए।'डिवाइन एजुकेशन कान्फ्रेन्स' में सी.एम.एस. कानपुर रोड कैम्पस के छात्रों ने शिक्षात्मक–साँस्कृतिक कार्यक्रमों की इन्द्रध नुषी छटा से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में सर्वोच्चता अर्जित करने वाले व वार्षिक परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरष्कृत कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए सी.एम.एस. कानपुर रोड कैम्पस की वरिष्ठ प्रधानाचार्या डा. विनीता कामरान ने कहा कि सी.एम.एस. अपने छात्रों का सर्वांगीण विकास कर 'टोटल क्वालिटी पर्सन बनाने को दृढ़–संकल्पित है।

सरदार पटेल इंस्टिट्यूट लखनऊ में खेली गयी फूलों की होली

श्री श्री राधा रमण बिहारी मंदिर (इस्कॉन) सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ के आदरणीय अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभु जी का स्वागत सरदार पटेल इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च सेंटर के चेयरमैन अनुराग सिंह, स्नेहलता सिंह, एडमिन पियूष सिंह एवं वॉइस चांसलर श्लोक सिंह जी द्वारा किया गया स श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी ने कथा मे श्रीमद भगवत गीता (भगवान की वाणी) और भगवान का हमारे आध्यात्मिक जीवन के साथ–साथ भौतिक जीवन मे भी अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है, इस विषय पर विस्तृत चर्चा की गयी स इस्कॉन मन्दिर अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी के मार्गदर्शन मे इस्कॉन भक्तवृंद द्वारा संस्थान के डॉक्टर एवं 600 छात्रों के साथ फूलों की होली का कार्यक्रम उल्लासपूर्वक संपन्न कराया सउक्त कार्यक्रम मे इस्कॉन के सुप्रसिद्ध नृत्य एवं संकीर्तन से डॉक्टर एवं छात्र भाव–विभोर होकर नृत्य करने लगे और वातावरण कृष्णमय हो गया ।

कौशल विकास जागरुकता विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया

झांसी! वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई राजकीय महिला महाविद्यालय झाँसी के राष्ट्रीय सेवा योजना के चतुर्थ एक दिवसीय समान्य शिविर में कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर अजय शंकर यादव एवं डॉक्टर रेनू सिंह के आमंत्रण पर ष्कौशल विकास जागरुकताष विषय पर आईसेक्ट प्रधानमन्त्री कौशल केन्द्र से विकास श्रीवास्तव संदीप साहू ने शिरकत की कार्यक्रम के प्रारम्भ मे विकास श्रीवास्तव ने कौशल विकास एवं जागरुकता विषय पर बोलते हुए आईसेक्ट के 38 वर्षो के कौशल विकास के कार्यो पर भी प्रकाश डाला साथ ही संस्था द्वारा स्कोप ग्लोबल स्किल विश्विद्यालय की भी जानकारी दी। वहीं संदीप साहू जी ने प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र में चलाए जा रहे जॉब रोल की जानकारी देते हुए महाविद्यालय में वर्तमान में चलाए जा रहे माइक्रोसॉफ्ट राइज ऑनलाइन कोर्स की भी जानकारी दी उपरोक्त कार्यक्रम महाविद्यालय के साथ किए गए एम् ओ यू के अंतर्गत हुआ, तनु शाक्य ने छात्राओं के प्रश्न के उत्तर देते हुए नयी छात्राओं को क्यूआर कोड स्कैन करवा कर पंजीकरण किया। डॉक्टर हीरालाल जी ने माइक्रोसॉफ्ट के प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर रेनु सिंह जी ने किया एवं डॉक्टर अजय शंकर यादव जी ने आभार व्यक्त किया

उद्योग व्यापार मंडल द्वारा नवनिर्वाचित एमएलसी का स्वागत किया

झांसी! उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल तथा फोटोग्राफर एसोसिएशन द्वारा नवनिर्वाचित एमएलसी राम तीर्थ सिंघल का इलाइट चौराहे पर शानदार स्वागत किया गया कार्यक्रम में उनके आगमन पर महानगर अध्यक्ष रजनी गुप्ता अभिलाषा वसुधा प्रमणि पल्लवी चतुर्वेदी रंजीत सीमा चौबे द्वारा टीका लगाकर आरती उतार कर तथा पटका पहनाकर उनका स्वागत किया गया।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश के युवा अध्यक्ष जीतू सोनी, जिला अध्यक्ष उमेश गुप्ता महामंत्री पुनीत अग्रवाल महानगर अध्यक्ष बृज बिहारी सोनी महामंत्री अनुज अग्रवाल युवा मोर्चा अध

यक्ष मनोज रेजा अध्यक्ष प्रदीप त्रिपाठी बुंदेलखंड फोटोग्राफर एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, अशोक सरवरिया लक्ष्मी नारायण लहरिया मनीष जैन शिवराम सिंह आलोक व्यास सुनील नेनवानी नीरज सिंह इत्यादि द्वारा बड़ी माला पहनकर उनका भव्य स्वागत किया

श्री परशुराम चौक का हुआ भव्य लोकार्पण..

झाँसी! राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ द्वारा निर्माण किए गए श्री परशुराम चौक का भव्य लोकार्पण एवं ब्रह्मविभूति सम्मान समारोह श्री परशुराम चौक लक्ष्मी गार्डन में विधिविधान के साथ स्वस्तिवाचन मंत्रोचारण के साथ सम्पन्न हुआ राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ द्वारा निर्मित चौक पर भगवान परशुराम के दिव्य अस्त्र शस्त्र पांच कुंटल पीतल के फरसे और धनुष बाण स्थापित किए गए हैं... लोकार्पण कार्यक्रम की अध्यक्षता झांसी ललितपुर लोकसभा सांसद अनुराग शर्मा ने की और मुख्य अतिथि दुर्गापुर पीठाधीश्वर आचार्य रामेश्वर दास शास्त्री, आचार्य हरिओम पाठक सिद्धेश्वर पीठ एवं विशिष्ठ अतिथि सदर विधायक रवि शर्मा रहे !अनुराग शर्मा ने श्री परशुराम चौक के लोकार्पण की सर्वसमाज को बधाई देते हुए ब्रह्मशिरोमणी भगवान परशुराम को नमन किया मंच पर आसीन रहे विशिष्ठ अतिथि महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद शर्मा, शिक्षक विधायक बाबूलाल तिवारी, नवनिर्वाचित एमएलसी रामतीर्थ सिंघल, ब्रजेंद्र व्यास डमडम महाराज, आशीष उपाध्याय, संजीव श्रृंगीऋषि, राहुल रिछारिया, अरविंद वशिष्ठ, चंद्रप्रकाश मिश्रा, रामनरेश तिवारी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वन्दना पाठक, मैथिली मुदगिल, डा. दिलीप शर्मा, डा. जितेंद्र तिवारी, अमर सिद्ध, पियूष रावत, अंचल अरजरिया, अमित चिरवारैया, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा, मुकेश मिश्रा आदि उपस्थित रहे

राजकीय सम्मान के साथ जवान का अंतिम संस्कार

सुलतानपुर (आरएनएस)। सड़क हादसे में घायल दूबेपुर विकासखंड के हसनपुर गांव निवासी सेना के हवलदार धीरेन्द्र कुमार गुप्ता का शनिवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में मौजूद लोगों की आंखे नम हो गई थी. सेना के जवान धीरेन्द्र कुमार शुक्रवार की दोपहर जिला मुख्यालय की तरफ से घर लौट रहे थे। लखनऊ–वाराणसी राजमार्ग स्थित सोनवर्षा हसनपुर गुमटी के पास वैगन आर कार ने टक्कर मार दी, हादसे में धीरेन्द्र मौत हों गई। इस मौके पर एमएलसी प्रतिनिधि शेखर सिंह, जिला पंचयत सदस्य ज्ञान यादव, हसनपुर पूर्व प्रधान इन्दर तिवारी, डीह ढग्गूपुर प्रधान प्रतिनिधि राजकुमार गुप्ता, हसनपुर प्रधान ओम प्रकाश यादव आदि मौजूद रहे।

आचार संहिता लगते ही बैनर–होर्डिंग हटाने में जुटीं प्रशासन की टीमें, सार्वजानिक स्थानों से 24 घंटे के अंदर हटवाना है, प्रचार सामग्री

मिल्कीपुर–अयोध्या। (आरएनएस) लोकसभा चुनाव 2024 की अधिसूचना जारी होते ही प्रशासन सक्रिय हो गया है। आचार संहिता के अनुपालन के लिए हर पहलू पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। इसी के तहत मिल्कीपुर के तीनों थाना क्षेत्रों एवं नगर पंचायत कुमारगंज में राजनीतिक दलों की ओर से लगाए गए होर्डिंग व बैनर को प्रशासन द्वारा उतरवाया जा रहा है । साथ ही लोगों को आचार संहिता के बारे में भी जानकारी दी जा रही है।

एसडीएम राजीव रत्न सिंह, क्षेत्राधिकारी सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में मिल्कीपुर सर्किल के सभी प्रभारी निरीक्षकध्थानाध्यक्ष क्षेत्र के प्रमुख बाजारों सार्वजनिक स्थान सरकारी भवनों समेत अन्य स्थानों से राजनीतिक दलों के होर्डिंग–बैनरों को उतरवाया जा रहा है। लोगों को चेताया भी कि किसी भी दशा में चुनावी प्रचार सामग्री बैनर, पोस्टर आदि न लगाएं। उप जिलाधिकारी राजीव रत्न सिंह ने बताया कि सभी सरकारी संपत्तियों से 24 घंटे के अंदर समस्त प्रचार सामग्री पोस्टर, बैनर, पंपलेट हटाए जाएंगे। सरकारी कार्यालयों, सभागारों, अधिकारियों के कक्षों में लगी सभी जीवित राजनैतिक महानुभावों की फोटो भी हटेगी। केवल राष्ट्रपति, राज्यपाल की फोटो लगी रह सकती है।लोक संपत्तियों टेक्सी स्टैंड, सड़क, सार्वजनिक चौराहों, बिजली के खम्बे, इत्यादि से 72 घंटे के अंदर समस्त प्रचार सामग्री पोस्टर, बैनर, पंपलेट हटाए जाएंगे। अपने निजी भवन पर बैनर, झंडा, कटआउट इत्यादि प्रतिबंधित नहीं है, बशर्ते भवन स्वामी ने ये काम अपनी इच्छा से किया हो।प्रत्याशी भवन स्वामी की लिखित अनुमति के बाद ही निजी भवन पर अपनी प्रचार सामग्री लगा सकता है, जिसकी रिटर्निंग अफसर को जानकारी देनी होगी। नहीं तो जुर्माना लगेगा। ऐसे काम, जिनका टेंडर निकलने के बाद वर्कऑर्डर हो चुका है लेकिन मौके पर भौतिक रूप से काम शुरू न हुआ हो, वह इस दौरान शुरू नहीं किए जा सकते।ऐसे काम जो मौके पर भौतिक रूप से शुरू हो चुके हैं, वह जारी रहेंगे।

सिटी लॉ कालेज की प्रथम पाली की निरस्त एलएलबी परीक्षा 28 मार्च को

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा 27 फरवरी को प्रथम पाली की सिटी लॉ कालेज, बाराबंकी परीक्षा केन्द्र पर सम्पन्न हुई एलएलबी की परीक्षा सामूहिक नकल के मामले में परीक्षा समिति द्वारा निरस्त कर दी गई थी। उक्त केन्द्र की यह परीक्षा 28 मार्च, 2024 को अवधा लॉ कालेज, बाराबंकी केन्द्र पर प्रातः 9:30 से दोपहर 12:30 बजे तक सम्पन्न होगी। विवि के परीक्षा नियंत्रक उमानाथ ने बताया कि सिटी लॉ कालेज, बाराबंकी में 27 फरवरी के प्रथम पाली में सामूहिक नकल के मामले में कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल द्वारा दो सदस्यीय जॉच समिति का गठन किया था। जॉच समिति की रिपोर्ट के आधार पर परीक्षा समिति ने उक्त तिथि की प्रथम पाली की एलएलबी त्रि–वर्षीय पंचम सेमेस्टर के एडमिनिस्ट्रेटिव लॉ प्रथम प्रश्न–पत्र व एलएलबी पंचवर्षीय पंचम सेमेस्टर के पोलिटिकल साइंस तथा नवम् सेमेस्टर के इन्वायरमेंटल लॉ प्रश्न–पत्र की परीक्षा निरस्त कर दी गई थी। उक्त केन्द्र के जस्टिस लॉ कालेज, सांई लॉ कालेज व टीआरसी लॉ कालेज, बाराबंकी की परीक्षा 28 मार्च को प्रथम पाली में अवध लॉ कालेज, बाराबंकी परीक्षा केन्द्र पर सम्पन्न होगी। मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा केन्द्राध्यक्ष एवं प्राचार्य को सूचित कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय की अधिकारिक वेबसाइट व महाविद्यालयों की लॉगिन आईडी पर अपलोड कर दी गयी है।

साकेत महाविद्यालय में शुरू हुआ त्रि–दिवसीय रोवर्स/रेंजर्स प्रवेश प्रशिक्षण शिविर

(आरएनएस) का.सु. साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अयोध्या की रोवरध्रेंजर इकाई का त्रि–दिवसीय प्रवेश प्रशिक्षण शिविर 16 मार्च 2024 से शुरू हुआ यह 19 मार्च 2024 को समाप्त होगा। उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अभय कुमार सिंह ने भारत स्काउट झंडा फहराकर व सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं उनके समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र कल्याण अधिकारी प्रो. बी.डी. द्विवेदी, प्रो. ओ.पी. यादव के साथ ही अन्य प्राध्यापक मौजूद रहे। इस प्रशिक्षण शिविर में भारत स्काउटध्गाइड संस्था की ओर से श्री मुकेश साहू, जिला संगठन आयुक्त, श्रीमती वंदना पांडेय, जिला संगठन आयुक्त, श्री बृजेंद्र कुमार, जिला प्रशिक्षण आयुक्त के द्वारा छात्र–छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह प्रवेश शिविर लगाया गया है। इसमें प्रवेश लेने वाले सभी छात्र–छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जाता है। प्राचार्य प्रो. अभय कुमार सिंह ने छात्रों को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि हम कैसे अभावग्रस्तता में भी जीवन को अच्छे से जिएं, मितव्यई होते हुए भी कैसे एक अच्छा जीवन जी सकते हैं साथ ही हम अपने देश के प्रति अपना योगदान कैसे दे सकते हैं सेवा करके, इसके विषय में बताया।

हर धर्म के कलाकारों ने प्रभु श्री राम को भाव पूर्ण भजनों से रिझाया

–भजन संध्या स्थल मंच पर 14 जनवरी से शुरू सुरमयी सफर हजारों कलाकारों की प्रस्तुतियों से समृद्धि का चरम छूता 15 मार्च को आकर समाप्त हुआ। देश के लगभग सभी प्रदेशों से क्या हिन्दू क्या मुसलमान क्या सिख ईसाई, जैन, बौद्ध मतावलंबी सभी धर्म वर्ग के कलाकारों ने मंच के माध्यम से प्रभु श्री राम को अपने भाव पूर्ण भजनों से खूब रिझाया तो दर्शकों के रूप में आये रामभक्तों को भी झूमने पर मजबूर कर दिया ध्।संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के साथ सहयोग में लगे संबंधित विभाग के अधिकारी जहां इसे सफल बनाने में जुटे तो वहीं मंचीय प्रस्तुति से इसे आकर्षक बनाया कलाकारों ,व्यवस्थापक व उद्घोषकों ने, नतीजतन शुक्रवार देर रात सम्पन्न हुए इस आयोजन की शानदार सफलता पर सभी ने मिल कर खुशियां मनाई ।

चौकिंग के दौरान आम जन का उत्पीड़न न हो, इसका सख्ती से अनुपालन किया जाए

झांसी! आज जिला निर्वाचन अधिकारीध् जिलाधिकारी श्री अविनाश कुमार द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 के सकुशल शांतिपूर्ण और निष्पक्ष सम्पादन हेतु थाना प्रभारी,एस0एस0टी.0एवं एफ0एस0टी0 टीम के साथ कलक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में बैठक की, प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जिज्ञासाओं का निस्तारण कर लें ताकि निर्वाचन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके बैठक में प्रशिक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिये कि ध 50 हजार से अधिक धनराशि, जिसका स्रोत सम्बन्धी दस्तावेज न हो अथवा ऐसी कोई भी अवैध वस्तु जो निर्वाचन को प्रभावित कर सकती है, प्राप्त होने पर यदि सम्बन्धित व्यक्ति के पास अभिलेख न हो तो उसे तत्काल जब्त कर उसे समिति के पास भेजा जाए। उन्होंने कहा कि यदि जांच के दौरान 10 लाख से अधिक की धनराशि पकड़ी जाती है तो तत्काल आयकर विभाग को सूचित किया जाए ताकि आयकर विभाग उक्त धनराशि को सीज कर सके। उन्होंने उपस्थित सदस्यों को स्पष्ट निर्देश दिए की चेकिंग के दौरान आमजन मानस का उत्पीड़न कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा जिला निर्वाचन अधिकारीध जिलाधिकारी द्वारा एफ0एस0टी0 टीम को निर्देश दिये गये कि निर्वाचन क्षेत्रों में राष्ट्रीयध्राज्जीय दलों द्वारा जनसभा की जायेगी। अतः किसी भी दल को जनसभा की अनुमति की सूचना प्राप्त होने पर वी0एस0टी0 टीम द्वारा जनसभा स्थल पर पहुंचकर उसकी भली प्रकार से वीडियोग्राफी की जाए। उन्होंने एस0एस0टी0 टीम को निर्देश दिये कि वाहनों की चेकिंग करते वक्त वाहन के रुकने से लेकर चेकिंग एवं वाहन के प्रस्थान तक उसकी वीडियोग्राफी की जाए।

मोदी के नेतृत्व में भाजपा यूपी में जीतेगी 80 में 80 सीटें–मनीष जायसवाल

संवाददाता।

सुल्तानपुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं समाजसेवी रहे स्व. लाला प्रागदीन जायसवाल की मूर्ति का अनावरण हुआ। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे पडरौना के सदर विधायक मनीष कुमार जायसवाल ने कहा भारतीय जनता पार्टी करोड़ों कार्यकर्ताओं के बल पर चल रही है। पार्टी में शीर्ष नेतृत्व द्वारा निर्णय लिया जाता है। भारतीय जनता पार्टी सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का सम्मान करती है। भाजपा मोदी के नेतृत्व में इस बार उत्तर प्रदेश से 80 में से 80 सीटें जीतेगी। दरअसल शनिवार को अपरान्ह सुल्तानपुर में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे पडरौना के सदर विधायक मनीष कुमार जायसवाल ने शहर के रामकली बालिका इंटर कॉलेज में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं समाजसेवी रहे स्व.लाला प्रागदीन जायसवाल की मूर्ति का फीता अनावरण किया। कार्यक्रम में पडरौना विधायक बोले कि 66 वर्ष पूर्व सन 1958 में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं समाजसेवी स्व. लाला प्रागदीन ने बालिका शिक्षा के लिए विद्यालय की नींव रखी थी। आज इस विद्यालय में उनकी मूर्ति का अनावरण कर अपने को सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि उस जमाने मे जहां लोग बालिकाओं को शिक्षा से वंचित रखते थे उस वक्ष्त बालिका शिक्षा के विषय में सोचने वाले एवं बालिका शिक्षा के लिए विद्यालय की नींव रखने वाले ऐसे महान विभूति स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं समाजसेवी स्व. लाल प्रागदीन को मैं नमन करता हूं वंदन करता हूं। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि भारतीय जनता पार्टी करोड़ों कार्यकर्ताओं के बल पर चल रही है। पार्टी में शीर्ष नेतृत्व द्वारा निर्णय लिया जाता है। भारतीय जनता पार्टी सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का सम्मान करती है।भाजपा मोदी के नेतृत्व में इस बार उत्तर प्रदेश से 80 में से 80 सीटें जीतेगी। कार्यक्रम के आयोजक एवं मुख्य ट्रस्टी राजकुमार जायसवाल ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। वहीं मुख्य अतिथि पडरौना विधायक मनीष जायसवाल ने विद्यालय की मेधावी छात्राओं, शिक्षिकाओं एवं जिले के वरिष्ठ गणमान्यजनों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष बबिता जायसवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष आलोक आर्या, विद्यालय की प्रबंधक राखी जायसवाल, प्रधानाचार्या रीना सिंह सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

चुनाव में विजय प्राप्त करने का मुख्य आधार बूथ प्रबंधन लल्लू सिंह

–बूथों के पदाधिकारी व पन्ना प्रमुख लगातार घर–घर सम्पर्क करते रहें

अयोध्या (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव को लेकर पार्टी मंडल, शक्ति केन्द्र, बूथ स्तर के पदाधिकारियों तथा पन्ना प्रमुख को एक्टिव कर रही है। मंडल स्तर पर बैठक में पदाधिकारियों में आपसी समन्वय स्थापित करने पर मंथन किया जा रहा है। शनिवार को बीकापुर विधानसभा के सोहावल पश्चिमी मंडल की बैठक जनसमाज इंटर कालेज मुबारकगंज में समपन्न हुई। बैठक में सांसद लल्लू सिंह ने कहा चुनाव में विजय प्राप्त करने का मुख्य आधार बूथ प्रबंधन है। बूथों के पदाधिकारी व पन्ना प्रमुख लगातार घर–घर सम्पर्क करते रहें। सार्वजनिक स्थलों पर पार्टी की विचार धारा, विकास तथा योजनाओं की चर्चा करें। पिछले चुनावों में हारे हुए बूथ पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। मंडल तथा शक्ति केन्द्र के पदाधिकारी ऐसे बूथों की सूची बनाकर विशेष अभियान चला कर घर–घर सम्पर्क करें। लोकसभा चुनाव संयोजक डा बांके बिहारी मणि त्रिपाठी ने कहा कि चुनाव में विजय प्राप्त करने आधार शक्ति केन्द्र तथा बूथ हैं। सभी मंडल के पदाधिकारी शक्ति केन्द्रों तथा बूथ के पदाधिकारियों से लगातार सम्पर्क में रहें। अपने दायित्व क्षेत्रों को ही पूरा चुनाव समझ कर पूर्ण उर्जा से कार्य करें। इस बार पिछले चुनाव से अधिक मतों से विजय प्राप्ति का लक्ष्य लेकर कार्य करें। बैठक में जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, ओम प्रकाश सिंह, चंद्रभान सिंह, कृष्ण कुमार पाण्डेय खुन्नू, विधानसभा प्रभारी सोमनाथ वर्मा, संयोजक रामकृष्ण तिवारी, सह संयोजक इं रणवीर सिंह, भूपेन्द्र सिंह बल्ले, विनोद गौड़, वेद प्रकाश गुप्ता, सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

14 जनवरी से 15 मार्च तक आयोजित रामोत्सव सम्पन्न

अयोध्या (आरएनएस)। सांस्कृतिक चेतना को जन जन के मन तक पहुंचाने के उद्देश्य से अयोध्या में आयोजित रामोत्सव का भजन संध्या स्थल मंच पर चला सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रस्तुतीकरण जहां चुनौती पूर्ण था तो वहीं प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद से प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं के अयोध्या आगमन पर उनके मन में राम जी के आदर्शों को सबके मन मस्तिष्क तक विस्तार देना भी आयोजकों का बड़ा उद्देश्य था। जिसमें एक अति महत्वपूर्ण भूमिका उद्घोषक की भी रहती है। जिसके महत्वपूर्ण भूमिका से सामान्य कार्यक्रम भी विशेष हो जाता है। और इस भूमिका का बहुत ही शानदार निर्वहन किया संस्कृति विभाग के लिए अयोध्या के विश्व प्रकाश रूपन ने। अपने अनूठे अंदाज में दर्शकों, कलाकारों के बीच सुंदर सम्पर्क बनाते स्वरचित रचनाओं, प्रेरक कविताओं व दोहों के साथ बेहद प्रभावी नियंत्रण में उनके किये गये संचालन की चर्चा दूर तक पहुंची। परिणामस्वरूप शानदार उद्घोषक के रूप में संस्कृति विभाग की ओर से कार्यक्रम अधिशासी कमलेश कुमार पाठक द्वारा श्रेष्ठ उद्घोषक का सम्मान राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य प्रतिनिधि विश्व प्रकाश रूपन को प्रदान किया गया। इस दौरान प्रस्तुति देने आये कलाकारों ने भी संचालन की कला में कुशल हो रहे विश्व प्रकाश रूपन की संस्कृति विभाग के अधिकारियों से मुक्त कंठ से जहां सराहना की तो वहीं उनके द्वारा रामोत्सव को सफल बनाने में जी जान से लगे एक एक व्यक्ति चाहे वो नामी रहा या गुमनाम सभी को यथायोग्य महत्व के साथ किया गया संचालन कार्यक्रम को बहुत खास बनाने हेतु उनके शानदार समर्पण की प्रशंसा भी की। श्री रूपन को उनके इस ईश्वर प्रदत्त गुंण के लिए सम्मानित किये जाने पर विभागीय अधिकारियों के साथ, सामाजिक संगठनों, राजनीतिज्ञों व धर्माचार्यों ने भी शुभकामनाएं व आशीर्वाद दिया है।

बसपा से लोकसभा चुनाव लड़ने की जताई इच्छा

सोहावल–अयोध्या (आरएनएस)। सोहावल तहसील क्षेत्र के कुंदुर्खा खुर्द निवासी पेशे से वकील सीताराम निषाद ने फैजाबाद 54 लोकसभा क्षेत्र से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। बताते चलें कुंदुर्खा खुर्द निवासी एडवोकेट सीताराम निषाद का कहना है कि सोहावल बार एसोसिएशन का पूर्ण समर्थन प्राप्त है। इस आशय का पत्र रुदौली विधानसभा क्षेत्र के अक्खतियार पुर में बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जिलाध्यक्ष व मण्डल अध्यक्ष तथा बसपा के रुदौली प्रत्याशी गयाशंकर निषाद एडवोकेट को दे दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव लड़ने के लिए प्रयास रत हूँ। अगर टिकट मिला तो पूरे दम खम के साथ चुनाव लड़ूंगा और जीत भी दर्ज करूंगा।

संपादकीय

किसानों की बात सुनें

फिलहाल उम्मीद करनी चाहिए किसान संगठनों के प्रति सरकार के रुख में बदलाव सिर्फ चुनावी कारणों से नहीं है। लेकिन अगर ऐसा हुआ, तो फिर यही कहा जाएगा कि वर्तमान के टकराव को कुछ समय के लिए महज टाला भर गया है।

यह स्वागतयोग्य है कि दिल्ली पुलिस ने संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) को रामलीला मैदान में महापंचायत लगाने की इजाजत दी। इसे प्रशासन के रुख में एक बड़े बदलाव के रूप में लिया जाएगा। इस सिलसिले में यह याद करना उचित होगा कि 2020 में भी किसान संगठन तीन कृषि कानूनों पर विरोध जताने के लिए दिल्ली आ रहे थे। मगर सरकार ने उन्हें राजधानी में प्रवेश नहीं करने दिया। नतीजा यह हुआ कि राष्ट्रीय राजधानी के तीन सीमा–स्थलों पर किसानों ने डेरा डाल दिया, जो 13 महीनों तक चला।पिछले महीने एसकेएम से निकले एक छोटे गुट ने फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और किसान कर्ज माफी की मांग पर जोर डालने के लिए दिल्ली की तरफ कूच किया, तब उन्हें पंजाब–हरियाणा की सरहद पर स्थित शंभू बॉर्डर पर रोक दिया गया। वहां पुलिस ने जो सख्त कार्रवाइयां कीं, उसकी रिपोर्टिंग अब दुनिया भर में हो चुकी है। इस पृष्ठभूमि में एसकेएम को रामलीला मैदान तक जाने की इजाजत मिलना एक सुखद घटना महसूस हुई है। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन करना नागरिकों का अधिकार है।प्रशासन ने इस बार इस मूलभूत सिद्धांत को स्वीकार किया है। इससे संभावित टकराव से बचा जा सका है। साथ ही इससे वह स्थिति बनी है, जिसमें किसानों की शिकायतों और उनकी मांगों पर सकारात्मक ढंग से राय–मशविरे की गुंजाइश बनती है। अब उचित यह होगा कि किसान मजदूर महापंचायत में जो चर्चा हुई, सरकार उस पर गंभीरता से ध्यान दे। उसे लोकतांत्रिक विचार–विमर्श की भावना का प्रदर्शन करते हुए किसान और मजदूर संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की पहल करनी चाहिए। किसानों की मांगों को मानने में उसके सामने क्या अड़चनें हैं, उसे वह किसान संगठनों से प्रत्यक्ष रूप से बता सकती है।दोनों पक्षों की अपनी विवशताओं के बीच मिलन बिंदु कहां हो सकता है, अगर नजरिया सकारात्मक हो, तो उसे ढूंढना असंभव नहीं है। फिलहाल उम्मीद करनी चाहिए सरकार के रुख में बदलाव सिर्फ चुनावी कारणों से नहीं है। लेकिन अगर ऐसा हुआ, तो फिर यही कहा जाएगा कि वर्तमान के टकराव को कुछ समय के लिए महज टाला भर गया है।

मुश्किल में एमएमसीजी क्षेत्र

हिंदुस्तान लीवर से लेकर आईटीसी, मेरिको, बजाज कंज्यूमर केयर और ज्योति लैब्स तक को अगले सितंबर तक बिक्री बढ़ने की संभावना नजर नहीं आ रही है। इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के नतीजों ने इन कंपनियों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।आम उपभोग के सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) लगभग सभी कंपनियां इस निष्कर्ष पर हैं कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बदहाली के कारण फिलहाल उनके कारोबार की संभावनाएं मद्धम हैं। हिंदुस्तान लीवर से लेकर आईटीसी, मेरिको, बजाज कंज्यूमर केयर और ज्योति लैब्स तक को अगले सितंबर तक बिक्री बढ़ने की संभावना नजर नहीं आ रही है। इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (सितंबर–दिसंबर) के नतीजों ने इन कंपनियों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। तेल, साबुन, सैंपू, टूथपेस्ट आदि जैसी रोजमर्रा की उपभोग वस्तुएं बनाने वाली इन कंपनियों का आधे से ज्यादा बाजार ग्रामीण इलाकों में है।इसलिए जब ग्रामीण अर्थव्यवस्था चमकती है, तो इन कंपनियों का कारोबार भी चमकता है। वैसे शहरों में भी औसत आबादी की आमदनी का स्तर वैसा नहीं है, जो ग्रामीण बिक्री में गिरावट की भरपाई कर सके। तो इन कंपनियों की मुसीबत में जिस बात पर बार–बार रोशनी पड़ती है, वह ग्रामीण उपभोग का स्तर है। एमएमसीजी कंपनियों का आकलन है कि महंगाई, फसल बिक्री संबंधी समस्याओं और असामान्य मौसम ने वास्तविक ग्रामीण आमदनी में सेंध लगा रखी है। हालात गंभीर बनाने में काफी हाथ सरकारी नीतियों का है।

स्वर्गिक हेती, नरक में धंसता

हेती दृ ये नाम जादू की दुनिया के किसी देश का लगता है। हेती को खोजने के लिए हमें क्रिस्टोफर कोलंबस का शुक्रगुजार होना चाहिए। हेती में वह सब कुछ है जिसके लिए दुनिया का कैरीबियन क्षेत्र जाना जाता है दृ खुशनुमा ट्रॉपिकल मौसम, हरियाली, झरने, साफ नीला पानी और वह सब जो आपको प्रसन्नता और शांति दे सकता है। मगर परियों की कहानियां हमें बताती हैं कि जादू की दुनिया पर हमेशा किसी दुष्ट राक्षस की बुरी नजर लगी रहती है। हेती पर भी है। यह देश लगातार राजनैतिक अस्थिरता और प्राकृतिक आपदाओं का शिकार बनता रहा है। फ्रांस के इस पूर्व उपनिवेश के निवासी सुख–चैन से जीना जान ही नहीं पाए हैं।डूवालिए की तानाशाही के अवसान के बाद के पिछले 38 सालों में हेती के लोगों ने 19 शासक देख लिए हैं। देश में कानून–व्यवस्था का नामोनिशान नहीं है और लोगों की जिन्दगी और रोजी–रोटी हमेशा खतरे में रहती है। बलात्कार, हत्याएं और चोरियां आम हैं। करीब 1.15 करोड़ की आबादी वाले इस देश का सालाना बजट 2.2 अरब अमरीकी डॉलर है। जुलाई 2021 में तत्कालीन राष्ट्रपति जोवेनल मोईस की उनके आधिकारिक निवास में हत्या कर दी गई थी। तब से देश में राजनैतिक अराजकता का माहौल और गहरा गया है।देश की आधी आबादी दृ करीब 55 लाख दृ को मानवीय सहायता की जरुरत है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार, हेती में करीब 10 लाख बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं। इनमें से जो बच्चे आपराधिक गिरोहों के बोलबाले वाले इलाकों में रहते हैं, वे इन गिरोहों में शामिल हो रहे हैं। कोढ़ में खाज यह कि 2022 में हेती में हैजा एक महामारी के रूप में फैला जिससे देश की कमर टूट गयी। और अब हेती एक नयी मुसीबत में है। यह गृहयुद्ध की कगार पर है। गत 7 मार्च से अपराधियों के गिरोह देश की राजधानी पोर्ट ओ प्रिंस की सड़कों पर उत्पात कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि राजधानी का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा उनके कब्जे में है। प्रधानमंत्री एरियल हेनरी देश में नहीं हैं। वे केन्या में हैं, जहाँ वे उस देश द्वारा 1,000 पुलिसकर्मी हेती भेजे जाने के लिए समझौते पर दस्तखत करने गए थे। हेनरी ने केन्या से यह सहायता 2022 में मांगी थी और 2023 में संयुक्त राष्ट्रसंघ ने उनकी मांग का अनुमोदन किया।हेनरी की अनुपस्थिति गैंगों के लिए राजधानी पर कब्जा करने का सुनहरा मौका बन गयी है। वे सरकारी इमारतों पर हमले कर रहे हैं। उन्होंने देश के सभी 4,000 जेलों के दरवाजे खोल दिए हैं और सारे के सारे कैदी भाग निकले हैं। उन्होंने हवाईअड्डों और पुलिस थानों को घेर रखा है। कुल मिलाकर, वहां भारी अफरातफरी और अराजकता का माहौल है।एरियल हेनरी वापस अपने देश नहीं आ पा रहे हैं। हेती की पुलिस और सेना लाचार है। गैंगों के गुर्गों की संख्या उनसे कहीं ज्यादा है और कई मामलों में सैनिक और पुलिसकर्मी गोलाबारी में भी गैंगों के आगे टिक नहीं पा रहे हैं। गैंगों की एक ही मांग है दृ प्रधानमंत्री एरियल हेनरी इस्तीफा दें। जिमी चेरिज़िर, जिन्हें श्बारबेक्यूश् के नाम से जाना जाता है, गुंडों की इस विशाल फौज के मुखिया हैं। उन्होंने पोर्ट ओ प्रिंस में संवाददाताओं को बताया कि अगर एरियल हेनरी इस्तीफा नहीं देते तो देश में गृहयुद्ध और कत्लेआम होगा। लाचार एरियल हेनरी ने इस्तीफा दे दिया है।

राजस्थान में कांग्रेस ने उम्मीदवार तो दमदार उतारे हैं, देखना होगा कि परिणाम क्या रहता है ?

कांग्रेस की सूची में बीकानेर सुरक्षित सीट से गोविंदराम मेघवाल को प्रत्याशी बनाया गया है। गोविंदराम मेघवाल पिछला विधानसभा चुनाव खाजूवाला क्षेत्र से हार गए थे। वह पिछली गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री व पूर्व में भाजपा से भी विधायक रह चुके हैं। राजस्थान में कांग्रेस पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 10 सीटों पर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। पिछले दो बार के लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 25 सीटों पर चुनाव हारने वाली कांग्रेस पार्टी इस बार चुनाव में फूंक फूंक कर कदम रख रही है। इसीलिए अब तक घोषित 10 प्रत्याशियों में से किसी भी पुराने प्रत्याशी को रिपीट नहीं किया गया है। हालांकि कांग्रेस के बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह चुनाव मैदान में नहीं उतरे हैं। यदि यह सभी नेता भी चुनाव मैदान में उतरते तो कांग्रेस बीजेपी में कड़ा मुकाबला देखने को मिलता। हालांकि अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को इस बार भी लोकसभा चुनाव में उतारा गया है। मगर उनका क्षेत्र बदलकर जोधपुर के स्थान पर जालौर–सिरोही कर दिया गया है। भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए चूरू के सांसद राहुल कस्वां को भी चूरू से प्रत्याशी बना दिया है। इसके साथ ही उदयपुर सीट पर आईएएस से इस्तीफा देने वाले ताराचंद मीणा को पार्टी ने प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस की सूची में बीकानेर सुरक्षित सीट से गोविंदराम मेघवाल को प्रत्याशी बनाया गया है। गोविंदराम मेघवाल पिछला विधानसभा चुनाव खाजूवाला क्षेत्र से हार गए थे। वह पिछली गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री व पूर्व में भाजपा से भी विधायक रह चुके हैं। पिछली बार बीकानेर से मदन गोपाल मेघवाल को प्रत्याशी बनाया गया था। वहीं 2014 में पूर्व सांसद शंकर पन्नू को प्रत्याशी बनाया गया था। चूरू संसदीय सीट पर दो बार भाजपा से सांसद बने राहुल कस्वां को प्रत्याशी बनाया गया है। राहुल कस्वां के पिता रामसिंह कस्वां चूरू से चार बार सांसद रह चुके हैं। जिले में इन्होंने ही सबसे पहले भाजपा का खाता खोला था। मगर राहुल कस्वां का टिकट काट देने से वह कांग्रेस की तरफ से चुनाव लड़ेंगे। चूरू से पिछली बार रफीक मंडेलिया व 2014 में प्रताप पूनिया को प्रत्याशी बनाया गया था। झुंझुनू सीट से विधायक बृजेंद्र ओला को प्रत्याशी बनाया गया है। चार बार के विधायक बृजेंद्र वाला गहलोत सरकार में परिवहन राज्य मंत्री थे। उनके पिता शीशराम ओला झुंझुनू से पांच बार सांसद, नौ बार विधायक, केंद्र व राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके थे। झुंझुनू से पिछली बार सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार को व 2014 में बृजेंद्र ओला की पत्नी राजबाला ओला को प्रत्याशी बनाया गया था। यादव मतदाताओं की बहुलता वाली अलवर सीट पर मुंडावर विधायक ललित यादव को प्रत्याशी बनाया गया है। ललित यादव ने पिछला विधानसभा चुनाव 34526 मतों से जीता था। अलवर से पिछले दो बार कांग्रेस से भंवर जितेंद्र सिंह चुनाव लड़कर बड़े अंतर से पराजित हुए थे। भरतपुर सुरक्षित सीट से संजना जाटव को प्रत्याशी बनाया गया है। जबकि पिछली बार अभिजीत कुमार जाटव व 2014 में डॉक्टर सुरेश जाटव प्रत्याशी थे। इस बार की प्रत्याशी संजना जाटव पिछला विधानसभा चुनाव कठूमर सीट से मात्र 409 मतों से हार गई थी। संजना जाटव अभी अलवर जिला परिषद की सदस्य हैं तथा मात्र 26 साल की उम्र से ही उसे लगातार कांग्रेस पार्टी से टिकट मिल रही है। संजना जाटव कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के अभियानों से जुड़ी हुई हैं। इसी के चलते उन्हें टिकट मिला है। टोंक–सवाई माधोपुर सीट से कांग्रेस ने देवली विधायक हरीश मीणा को मैदान में उतारा है। जबकि पिछली बार उनके भाई नमोनारायण मीणा व उससे पहले क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन चुनाव लड़ चुके हैं। यहां से सचिन पायलट के चुनाव लड़ने की चर्चा थी। मगर उन्होंने अपने विश्वासपात्र हरीश मीणा को मैदान में उतार दिया है। हरीश मीणा 2014 में भाजपा से सांसद व 2018 तथा

2023 में कांग्रेस से विधायक का चुनाव जीत चुके हैं। वह पूर्व में राजस्थान पुलिस के डीजीपी रह चुके हैं। जोधपुर में करण सिंह उचियारड़ा को प्रत्याशी बनाया गया है। पिछली बार वहां अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत उम्मीदवार थे। मगर 3 लाख वोटों से हार गए थे। 2014 में वहां से केंद्रीय मंत्री चंद्रेश कुमारी प्रत्याशी रही थीं। जोधपुर लोकसभा सीट को कभी पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का गढ़ माना जाता था। वह जोधपुर से पांच बार सांसद व छह बार विधायक का चुनाव जीत चुके हैं। मगर पिछले लोकसभा चुनाव में उनके पुत्र की करारी हार के चलते उन्होंने अपने पुत्र वैभव गहलोत को जोधपुर के स्थान पर जालौर–सिरोही सीट से प्रत्याशी बनवाया है। जोधपुर से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को लगातार तीसरी बार प्रत्याशी घोषित किया है। जालौर–सिरोही सीट से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत चुनाव लड़ेंगे। पिछली बार यहां से रतन देवासी प्रत्याशी थे। जबकि 2014 में चित्तौड़गढ़ के रहने वाले उदयलाल आंजना को प्रत्याशी बनाया गया था। उदयपुर सीट से उदयपुर में कलेक्टर रह चुके ताराचंद मीणा को प्रत्याशी बनाया गया है। 2019 व 2014 में यहां से रघुवीर मीणा कांग्रेस प्रत्याशी रहे थे। चित्तौड़गढ़ सीट पर उदयलाल आंजना को प्रत्याशी बनाया गया है। आंजना गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री थे तथा पिछला विधानसभा चुनाव हार चुके हैं। चित्तौड़गढ़ में पिछली बार गोपाल सिंह शेखावत व 2014 में गिरिजा व्यास चुनाव लड़ चुकी हैं। उदयलाल आंजना 2014 में जालौर–सिरोही सीट से चुनाव लड़कर हार चुके हैं। चित्तौड़गढ़ में भाजपा से प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी तीसरी बार चुनाव लड़ने जा रहे हैं। कांग्रेस ने इस बार तीन मौजूदा विधायक झुंझुनू से बृजेंद्र ओला, अलवर से ललित यादव, टोंक– सवाई माधोपुर से हरीश मीणा को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा सांसद राहुल कस्वां को चूरू से तथा पूर्व प्रशासनिक अधिकारी हरीश मीणा व ताराचंद मीना को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने तीन विधायकों को मैदान में उतार दिया है। वहीं पांच अन्य सीटों पर विधायकों कोटा से अशोक चांदना, दौसा से मुरारीलाल मीणा, राजसमंद से सुदर्शन सिंह रावत, बाड़मेर से हरीश चौधरी व करौली–धौलपुर से अनीता जाटव के नाम चल रहे हैं। कांग्रेस में चर्चा है कि बांसवाड़ा–डूंगरपुर सीट भारतीय आदिवासी पार्टी को, सीकर सीट मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को तथा नागौर व बाड़मेर सीट राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को गठबंधन में दी जा सकती है। इसी के चलते इन सीटों पर अभी प्रत्याशियों के नाम तय नहीं किए गए हैं। हालांकि बाड़मेर से विधायक हरीश चौधरी गठबंधन का विरोध कर रहे हैं।

क्या सैनी से भाजपा के हित सधेंगें ?

अजीत द्विवेदी

नायब सिंह सैनी को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाने को भाजपा का नायाब दांव माना जा रहा है। माना जा रहा है कि एक दांव से भाजपा ने कई लक्ष्य साध लिए हैं। अब भाजपा सरकार के खिलाफ एंटी इन्कम्बैंसी खत्म हो जाएगी। किसानों की नाराजगी दूर हो जाएगी। पिछड़ी जातियों का पूरी तरह से ध्रुवीकरण भाजपा के पक्ष में हो जाएगा और दूसरी ओर त्रिकोणात्मक लड़ाई में दुष्यंत चौटाला जाट वोटों का बंटवारा करके कांग्रेस को नुकसान पहुंचा देंगे।

लेकिन क्या सचमुच ऐसा हो जाएगा? क्या राजनीति सचमुच इस तरह एकरेखीय और इतनी ही सरल होती है कि चुनाव से पहले एक चेहरा बदल देने से पूरी राजनीति बदल जाएगी? कुछ राज्यों जैसे गुजरात और उत्तराखंड में ऐसा जरूर हुई है लेकिन उन राज्यों की राजनीति और सामाजिक संरचना दोनों भिन्न थे। हरियाणा की राजनीति उनसे अलग है। उसी तरह जैसे कर्नाटक की राजनीति अलग थी और वहां चेहरा बदलने का दांव नहीं चला। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि हरियाणा में यह नायाब दांव अनिवार्य रूप से विफल ही हो जाएगा। बहरहाल, मनोहर लाल खट्टर लगातार नौ साल से अधिक समय से मुख्यमंत्री थे तो क्या चुनाव से पहले उनको बदल देने से उनकी सरकार के खिलाफ अगर कोई एंटी इन्कम्बैंसी थी तो वह खत्म हो जाएगी? ध्यान रहे पिछले 10 साल में जितने राज्यों में भाजपा की सरकार बनी और जो भी मुख्यमंत्री बना उनमें से किसी का कार्यकाल इतना लंबा नहीं रहा, जितना खट्टर का था। सो, उनके खिलाफ बाकी राज्यों से ज्यादा एंटी इन्कम्बैंसी स्वाभाविक रूप से बनी होगी। दूसरे, उनके कार्यकाल में दोनों किसान आंदोलन हुए, जिनके केंद्र में हरियाणा रहा।पहले आंदोलन के समय किसानों को दिल्ली आने से रोकने के लिए खट्टर सरकार ने जो कार्रवाई की थी उससे किसानों को बुरी तरह से नाराज किया था। दूसरे आंदोलन में भी पंजाब और हरियाणा के खनौरी और शंभू बॉर्डर पर जिस तरह से किसानों पर आंसू गैस के गोले छोड़े गए या नकली गोलियों से फायरिंग हुई उससे किसान नाराज हैं। उनकी नाराजगी निश्चित रूप से सिर्फ मनोहर लाल से नहीं होगी। भाजपा पिछले करीब 10 साल से हरियाणा में जाट बनाम गैर जाट की राजनीति करती रही है। उसने 10 साल पहले हरियाणा सहित कई राज्यों में शक्तिशाली और सत्ता की स्वाभाविक दावेदार मानी जाने वाली जातियों को छोड़ कर दूसरी जातियों को सत्ता सौंपी। महाराष्ट्र में गैर मराठा देवेंद्र फडनवीस, हरियाणा में गैर जाट मनोहर लाल खट्टर और झारखंड में गैर आदिवासी रघुबर दास मुख्यमंत्री बनाए गए थे। मोटे तौर पर यह राजनीति कामयाब रही है। हालांकि महाराष्ट्र और झारखंड में लगातार दूसरी बार सरकार नहीं बनी फिर भी भाजपा अपना वोट बढ़ाने और उसे बनाए रखने में कामयाब रही। इसी राजनीति के तहत पंजाबी समुदाय के मनोहर लाल को हटा कर पिछड़ी जाति के नायब सिंह सैनी सीएम बनाए गए हैं। गैर जाट चेहरा बता कर उनको नायाब दांव की तरह पेश किया जा रहा है। यह सही है कि राज्य में एक तिहाई से ज्यादा आबादी पिछड़ी जातियों की है लेकिन क्या सैनी के नाम से सब भाजपा से जुड़ जाएंगे? दूसरा सवाल यह है कि गैर पिछड़ी जातियों का क्या होगा? क्या वे भी सैनी को नेता मान कर भाजपा के इस प्रयोग को सफल बना देंगे?यह ध्यान रखने की जरुरत है कि सैनी अगर गैर जाट चेहरा हैं तो वे गैर ब्राह्मण भी हैं, गैर दलित भी हैं, गैर गुर्जर भी हैं तो फिर ये जातियां कैसे उनके साथ जुड़ेंगी? क्या गैर जाट की भावना इतनी प्रबल है कि उसके विरोध में सारी जातियां किसी को भी नेता स्वीकार कर लेंगी? अगर बहुत सरल तरीके से यह मानें कि जिस जाति या समुदाय का व्यक्ति मुख्यमंत्री होता है उसकी जाति उसके साथ ज्यादा मजबूती से गोलबंद होती है तो फिर इसी तर्क से यह मानना होगा कि दूसरी जातियां उससे दूरी बनाएंगी। इसलिए जाति का हिसाब कभी भी इतने सरल तरीके से काम नहीं करता है। उसके साथ कुछ और फैक्टर जोडने होते हैं। सैनी के प्रयोग के साथ भाजपा के पक्ष में यह बात जाती है कि पहले लोकसभा का चुनाव होना है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर होना है। इसलिए लोकसभा चुनाव में बिल्कुल निचले स्तर पर जातियों का विभाजन होने की संभावना कम है। लेकिन विधानसभा चुनाव में तस्वीर पूरी तरह से बदल भी सकती है। यह बात समझने की जरुरत है कि अगर सत्ता के शीर्ष पर बैठा नेता अपनी जाति के वोट आकर्षित करता है तो उसकी वजह से दूसरी जातियों के वोटों में विकर्षण भी होता है। भाजपा का ट्रैक रिकॉर्ड रहा है कि चुनाव से पहले जिसको मुख्यमंत्री बनाया जाता है चुनाव जीतने के बाद भी वही सीएम बनता है। गुजरात से उत्तराखंड तक यह बात दिखाई देती है। उत्तराखंड में तो मुख्यमंत्री रहते विधानसभा का चुनाव हारने वाले पुष्कर सिंह धामी को ही सीएम बनाया गया था। इस हिसाब से हरियाणा के मतदाताओं में यह मैसेज अपने आप जाएगा कि भाजपा जीतेगी तो फिर सैनी ही मुख्यमंत्री बनेंगे। यह मैसेज विधानसभा चुनाव में कई जातियों को भाजपा से दूर भी कर सकता है। ध्यान रहे जमीनी स्तर पर जातियों की गोलबंदी हमेशा एक जैसे अंदाज में काम नहीं करती है।यह मानना भी पूरी तरह से ठीक नहीं होगा कि दुष्यंत चौटाला को अब भाजपा ने अपने से दूर कर दिया तो वे अलग लड़ कर जाट वोटों का बंटवारा कर देंगे, जो अभी लगभग पूरी तरह से कांग्रेस के पक्ष में दिखाई दे रहा है। कांग्रेस ने प्रदेश की कमान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा को सौंपी है। वे 10 साल तक हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में जाट उनके साथ एकजुट हुए थे, जिससे कांग्रेस को 30 सीटें मिलीं। उस चुनाव में दुष्यंत चौटाला की नई बनी जननायक जनता पार्टी को 10 सीटें मिली थीं। चुनाव के बाद एक समय ऐसा लग रहा था कि कांग्रेस और चौटाला की पार्टी मिल कर सरकार बना सकते हैं। लेकिन भाजपा को केंद्र और राज्य की सत्ता में होने का लाभ मिला और उसने चौटाला के साथ मिल कर सरकार बना ली। चौटाला चार साल से ज्यादा समय तक कई महत्वपूर्ण मंत्रालय लेकर उप मुख्यमंत्री बने रहे। इसलिए अचानक अलग होकर वे भाजपा विरोधी राजनीति करते हैं तब भी भाजपा विरोधी नेता की उनकी साख नहीं बनेगी। सो, उनके जरिए जाट वोटों का बंटवारा हो ऐसा भाजपा की सदिच्छा हो सकती है लेकिन ये इच्छा पूरी होगी, ऐसा नहीं कहा जा सकता है। सो, कह सकते हैं कि भाजपा ने एक प्रयोग किया है और कुछ नहीं करने से तो अच्छा ही होता है कुछ करना। 10 साल तक श्डबल इंजनश् की सरकार के बाद मनोहर लाल के चेहरे पर ही चुनाव लडना अच्छी रणनीति नहीं होती। फिर भी उनको हटा देने से भाजपा राज के खिलाफ अगर एंटी इन्कम्बैंसी है तो वह पूरी तरह से खत्म नहीं होगी। मतदाताओं की याद्दाश्त कमजोर होती है लेकिन इतनी भी कमजोर नहीं होती। दूसरे, चुनाव कोई बिजली के स्विचबोर्ड जैसी चीज नहीं है

आज का राशिफल

मेष राशि–आज आपका दिन शानदार रहेगा। छात्रों को आज कुछ नया सिखने को मिल सकता है। आज परिवार वालों के साथ समय बीतेगा। कुछ दिनों से परिवार में चल रही किसी समस्या का सोल्यूशन आज मिल सकता है।

वृष राशि–आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आज किसी कार्य की योजना बनाने में सफल होंगे और मेहनत का पूरा फायदा भी मिलेगा। सोचे हुए सारे काम पूरे होंगे। आज व्यापारियों को आय के नए स्रोत मिलेंगे। जीवनसाथी आपसे खुश होगा।

मिथुन राशि–आज मन स्थिर न होने की वजह से आप थोड़े परेशान हो सकते हैं, लेकिन अपनों की मदद से राहत महसूस करेंगे। ऑफिस में आज आपका काम काफी बढ़ सकता है। जरुरत से ज्यादा काम होने से थकान महसूस हो सकती है। किसी से अनबन भी हो सकती है।

कर्क राशि–आज आप सोच–विचार में डूबे रहेंगे। इस राशि के जो लोग कम्प्यूटर के क्षेत्र से जुड़े है, आज उन्हें कार्यक्षेत्र को बढ़ाने में रुकावट महसूस हो सकती है। बेहतर होगा कि अपनी सफलता की राह में दूसरों को बीच में न आने दें।

सिंह राशि–आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज कोई बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ हो सकता है। आपके लिए कोई व्यक्ति मददगार हो सकता है। इस राशि के साहित्य के क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। आप जिससे मदद की उम्मीद करेंगे, उससे आपको समय पर मदद मिल जायेगी।

कन्या राशि–आज किस्मत आपका साथ देगी। कोई रुका हुआ काम आज आसानी से पूरा हो जायेगा। ऑफिस में आज सीनियर से बातचीत करने से सहयोग प्राप्त होगा, साथ ही आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

तुला राशि–आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज उन परिस्थितियों में पडने से बचें, जिनमें आप असुविधा महसूस करते हैं। आज अपनी सोच को सकारात्मक बनाये रखें और फीजूल की बातों में पडने से बचें। अगर आप किसी नये काम की शुरुआत कर रहे हैं, तो आज पूरा दिन व्यस्त रह सकते हैं। आज कोई कदम उठाने में जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक राशि–आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आज जीवनसाथी से कुछ अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। घर में खुशी का माहौल बना रहेगा।

धनु राशि–आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। इस राशि के जो लोग सूचना प्रसारण क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, आज उन्हें किसी बड़ी संस्था में काम करने का अवसर मिलेगा। आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज आचानक धन लाभ भी हो सकता हैं।

मकर राशि–आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। जिस अवसर के लिए पिछले कई दिनों से आपको तलाश थी, वो आज किसी करीबी की मदद से मिल सकता है। बॉस आज आपके काम से खुश हो सकते हैं।

कुंभ राशि–आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आगर आज आप कुछ खघस काम करना चाहते है, तो जरूर करें वह जरुर सफल होगा। आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे आप बखूबी निभाएंगे। आज अचानक धन लाभ हो सकता है। आज हर काम को ध्यान से करेंगे, तो अच्छा रहेगा। इस राशि के कलाकारों के लिए आज का दिन विशेष रूप से अच्छा है।

मीन राशि–आज आपका दिन मिला–जुला रहेगा। आज आपका खर्च बढ़ सकता है। आज कामकाज के मामले में थोड़े सुस्त रहेंगे। आज पुराने लेन देन को अनदेखा न करें। आज घर में किसी मेहमान के आने की संभावना है, जिससे आपका मन खुश रहेगा। आज जीवनसाथी के बीच सामंजस्य बना रहेगा।

रूस में राष्ट्रपति चुनाव के लिए दूसरे दिन मतदान जारी

देश के 11 'टाइम जोन' के साथ ही यूक्रेन के अवैध रूप से कब्जाए क्षेत्रों में स्थित मतदान केंद्रों में मतदान जारी है। यह चुनाव स्वतंत्र मीडिया और प्रतिष्ठित अधिकार समूहों के दमन, पुतिन को राजनीतिक व्यवस्था पर पूर्ण नियंत्रण देने और यूक्रेन के खिलाफ मॉस्को के युद्ध के दो साल पूरे होने के बाद हो रहा है।मॉस्को। रूस में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान के दूसरे दिन शनिवार को मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं। चुनाव में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को छह और साल का कार्यकाल मिलना तय माना जा रहा है। देश के 11 'टाइम जोन' के साथ ही यूक्रेन के अवैध रूप से कब्जाए क्षेत्रों में स्थित मतदान केंद्रों में मतदान जारी है। यह चुनाव स्वतंत्र मीडिया और प्रतिष्ठित अधिकार समूहों के दमन, पुतिन को राजनीतिक व्यवस्था पर पूर्ण नियंत्रण देने और यूक्रेन के खिलाफ मॉस्को के युद्ध के दो साल पूरे होने के बाद हो रहा है।चुनाव ऐसे समय में हो रहा है जब पुतिन के राजनीतिक विरोधी या तो जेल में हैं या विदेश में निर्वासित हैं। पुतिन के धुर विरोधी व सबसे मुखर विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की फरवरी में आर्कटिक जेल में 47 वर्ष की आयु में मौत हो गई थी। अधिकारियों ने कहा कि मतदान व्यवस्थित रूप से जारी है। लेकिन कड़े नियंत्रण के बावजूद, मतदान केंद्रों पर तोड़फोड़ के कम से कम आधा दर्जन मामले सामने आए हैं। पश्चिमी देशों के नेताओं ने इस चुनाव को लोकतंत्र का उपहास बताया है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स माइकल ने कटाक्ष करते हुए शुक्रवार को पुतिन को चुनाव में "जबरदस्त जीत" की बधाई दी, जिसके लिए तकनीकी रूप से मतदान अभी जारी है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "न विपक्ष, न स्वतंत्रता, न विकल्प"। इस बीच दिवंगत विपक्षी नेता नवलनी की अनुपस्थिति में उनकी टीम के सामने पुतिन के खिलाफ विपक्षी आंदोलन को बरकरार रखने की मुश्किल चुनौती है। टीम के आंदोलन "नून अगेंस्ट पुतिन" को नवलनी की पत्नी यूलिया नवलनया का साथ मिला है। वे मतदाताओं से पुतिन के शासन और यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के प्रति अपना असंतोष प्रदर्शित करने के लिए मतदान करने का आग्रह कर रहे हैं। नवलनया ने वीडियो संबोधन में कहा, "यह (आंदोलन) बहुत ही सरल एवं सुरक्षित क्रिया है, इस पर रोक नहीं लगाई जा सकती। इससे लाखों लोगों को अपने समान विचारधारा वाले सहयोगियों से रूबरू होने का मौका मिलेगा और यह एहसास करने में मदद मिलेगी कि हम अकेले नहीं हैं, ऐसे लोग हमारे साथ हैं जो युद्ध के खिलाफ हैं, भ्रष्टाचार के खिलाफ हैं और अराजकता के खिलाफ हैं।"

रूस के राष्ट्रपति पुतिन द्वारा तोहफे में दी कार लिमोजिन में सवारी करते नजर आये किम जोंग उन

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने हाल में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा भेंट में दी लग्जरी कार लिमोजिन में सफर किया। किम की बहन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कार की "विशेषताओं" और दोनों देशों के बीच गहरे हो रहे द्विपक्षीय संबंधों की प्रशंसा की। सियोल। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने हाल में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा भेंट में दी लग्जरी कार लिमोजिन में सफर किया। किम की बहन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कार की "विशेषताओं" और दोनों देशों के बीच गहरे हो रहे द्विपक्षीय संबंधों की प्रशंसा की। पुतिन ने फरवरी में किम के लिए महंगी ऑरस सीनट लिमोजिन भेजी थी। उन्होंने सितंबर में रूस में एक शिखर सम्मेलन के लिए हुई मुलाकात के दौरान यह कार उत्तर कोरियाई नेता को दिखाई थी। पर्यवेक्षकों का कहना है कि इस कार को भेजने से संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का उल्लंघन हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के इस प्रस्ताव का उद्देश्य उत्तर कोरिया को लग्जरी सामान की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाकर उस पर अपने परमाणु हथियारों के कार्यक्रम को छोड़ने के लिए दबाव बनाना है। सरकारी मीडिया में शनिवार को आए बयान में किम की बहन और वरिष्ठ अधिकारी किम यो जोंग ने कहा कि उनके भाई ने एक

कार्यक्रम के दौरान पहली बार लिमोजिन में सफर किया। उन्होंने कहा, "किम जोंग उन का रूसी फेडरेशन के राष्ट्रपति द्वारा उपहार स्वरूप भेजी निजी कार का इस्तेमाल करना उत्तर कोरिया-रूस के बीच मित्रता का स्पष्ट प्रमाण है जो एक नए उच्च स्तर पर व्यापक रूप से विकसित हो रहे है।" रूस की सरकारी मीडिया के अनुसार, ऑरस रूस का पहला लग्जरी कार ब्रांड है और पुतिन के 2018 में पहली बार इसका इस्तेमाल करने के बाद से इसका शीर्ष अधिकारियों के वाहनों के काफिले में इस्तेमाल किया जाता रहा है। ऐसा माना जाता है कि किम (40) के पास विदेश में निर्मित महंगी कारों का संग्रह है जिन्हें तस्करी कर उनके देश में लाया गया है।

पसंद आया दोस्त पुतिन का गिफ्ट, रूस की लग्जरी कार लिमोजिन लेकर नार्थ कोरिया की सड़कों पर घूमते आए नजर

सितंबर में किम की रूस में पुतिन से मुलाकात और सैन्य संबंधों को गहरा करने की कसम खाने के बाद से प्योंगयांग और मॉस्को के बीच घनिष्ठ संबंध बन गए हैं। वे पश्चिमी आरोपों से इनकार करते हैं कि उत्तर कोरिया रूस को पुतिन के यूक्रेन पर हमले में इस्तेमाल किए गए तोपखाने के गोले और मिसाइलों की आपूर्ति कर रहा है।उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने सार्वजनिक रूप से दोनों देशों के बीच मजबूत होती दोस्ती के स्पष्ट प्रमाण के रूप में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा उन्हें दी गई कार में सवारी की। राज्य मीडिया ने शनिवार को बताया। सितंबर में किम की रूस में पुतिन से मुलाकात और सैन्य संबंधों को गहरा करने की कसम खाने के बाद से प्योंगयांग और मॉस्को के बीच घनिष्ठ संबंध बन गए हैं। वे पश्चिमी आरोपों से इनकार करते हैं कि उत्तर कोरिया रूस को पुतिन के यूक्रेन पर हमले में इस्तेमाल किए गए तोपखाने के गोले और मिसाइलों की आपूर्ति कर रहा है।उत्तर का उपयोग करते हुए राज्य मीडिया केसीएनए के अनुसार, नेता की बहन किम यो जोंग ने कहा कि शुक्रवार को रूसी ऑरस लिमोसिन में किम की सवारी डीपीआरके-रूस दोस्ती का स्पष्ट प्रमाण है, जो एक नए उच्च स्तर पर व्यापक तरीके से विकसित हो रही है। बता दें कि कोरिया का आधिकारिक नाम, डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया है। केसीएनए ने कहा कि किम

जोंग उन ने शुक्रवार को हवाई युद्ध अभ्यास का निरीक्षण किया और युद्ध के लिए यथार्थवादी तैयारी का आग्रह किया। केसीएनए के अनुसार, किम ने कहा कि केवल युद्ध से सीधे संबंधित यथार्थवादी प्रशिक्षण ही सैनिकों को वास्तविक लड़ाकू सेनानियों के रूप में तैयार कर सकता है। नवंबर में प्योंगयांग द्वारा तनाव कम करने के उद्देश्य से 2018 अंतर-कोरियाई सैन्य समझौते को रद्द करने के बाद दक्षिण कोरिया-अमेरिका संयुक्त अभ्यास पहला था। केसीएनए ने कहा कि किम ने शुक्रवार को एक ग्रीनहाउस फार्म के उद्घाटन समारोह में भी भाग लिया। तस्वीरों में किम की बेटी जू ऐ को अभ्यास और उद्घाटन समारोह में भाग लेते दिखाया गया है।

पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र में उठाया राम मंदिर और सीएए का मुद्दा, भारत ने बोरोकन रिकार्ड बताया

पाक राजदूत मुनीर अकरम ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह और नागरिकता संशोधन अधिनियम के कार्यान्वयन का भी जिक्र किया। इस पर आपत्ति जताते हुए कंबोज ने कहा कि मेरे देश से संबंधित मामलों पर इस प्रतिनिधिमंडल के सीमित व गुमराह दृष्टिकोण से रूबरू होना वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है।संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस्लामाबाद के दूत द्वारा अयोध्या में राम मंदिर और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का मुद्दा उठाने के बाद भारत ने पाकिस्तान की इंटरनेशनल बेइज्जती करते हुए उसे ब्रोकन रिकॉर्ड बताया। यूएनजीए की पूर्ण बैठक के दौरान पाकिस्तान के राजदूत मुनीर अकरम द्वारा की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने

कहा कि पड़ोसी देश सीमित और गुमराह दृष्टिकोण के साथ दुखद रूप से स्थिर बने हुए हैं। बता दें कि पाक राजदूत मुनीर अकरम ने भी अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह और नागरिकता संशोधन अधिनियम के कार्यान्वयन का भी जिक्र किया। इस पर आपत्ति जताते हुए कंबोज ने कहा कि मेरे देश से संबंधित मामलों पर इस प्रतिनिधिमंडल के सीमित व गुमराह दृष्टिकोण से रूबरू होना वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है। अकरम ने अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक के साथ-साथ सीएए के हालिया कार्यान्वयन का संदर्भ दिया, जो पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों- हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई - को भारतीय राष्ट्रीयता प्रदान करेगा। कंबोज ने आगे कहा कि मेरे देश से संबंधित मामलों पर इस प्रतिनिधिमंडल के सीमित और गुमराह दृष्टिकोण को देखना वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है, खासकर तब जब महासभा एक ऐसे मामले पर विचार करती है जो संपूर्ण सदस्यता से ज्ञान, गहराई और वैश्विक दृष्टिकोण की मांग करता है। शायद यह इस प्रतिनिधिमंडल की विशेषता नहीं है। भारतीय दूत की टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस्लामोफोबिया से निपटने के उपायों पर एक प्रस्ताव पर भारत की स्थिति को स्पष्ट करते हुए एक बयान देते समय की गई थी। महासभा ने पाकिस्तान द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव को अपनाया, जिसके पक्ष में 115 देशों ने मतदान किया, विपक्ष में किसी ने भी मतदान नहीं किया और भारत, ब्राजील, फ्रांस, जर्मनी, इटली, यूक्रेन और ब्रिटेन सहित 44 देशों ने मतदान में भाग नहीं लिया।

'इस्लामोफोबिया' संबंधी प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहा भारत, कहा- फोबिया सिर्फ इस्लामिक नहीं, हिंदू, सिख और बौद्धों के खिलाफ भी अत्याचार

भारत ने 'इस्लामोफोबिया' को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान की ओर से पेश और चीन द्वारा सह-प्रायोजित मसौदा प्रस्ताव से दूरी बनाते हुए कहा कि केवल एक धर्म के बजाय हिंदू, बौद्ध, सिख और हिंसा व भेदभाव का सामना करने वाले अन्य धर्मों के खिलाफ धार्मिक भय की व्यापकता को भी स्वीकार किया जाना चाहिए।संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने 15 मार्च को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में यहूदी विरोधी भावना और इस्लामोफोबिया पर कड़ी बात की। भारत ने 'इस्लामोफोबिया' को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान की ओर से पेश और चीन द्वारा सह-प्रायोजित मसौदा प्रस्ताव से दूरी बनाते हुए कहा कि केवल एक धर्म के बजाय हिंदू, बौद्ध, सिख और हिंसा व भेदभाव का सामना करने वाले अन्य धर्मों के खिलाफ धार्मिक भय की व्यापकता को भी स्वीकार किया जाना चाहिए। इस दौरान जब पाकिस्तान के दूत ने अयोध्या में स्थित राम मंदिर का जिक्र किया तो भारत ने कड़ी आपत्ति जताई।यूएन में पेश किया गया इस्लामोफोबिया से निपटने का प्रस्ताव शुक्रवार को 193 सदस्यीय

महासभा ने पाकिस्तान द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव इस्लामोफोबिया से निपटने के उपाय को मंजूरी दी। 115 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, किसी ने भी विरोध नहीं किया और भारत, ब्राजील, फ्रांस, जर्मनी, इटली, यूक्रेन तथा ब्रिटेन समेत 44 देश मतदान से दूर रहे। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने यहूदी-विरोध, 'ईसाईफोबिया' और इस्लामोफोबिया (इस्लाम के प्रति पूर्वाग्रह) से प्रेरित सभी कृत्यों की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह स्वीकार करना जरूरी है कि इस तरह का 'फोबिया' (पूर्वाग्रह) अब्राहिमी धर्मों से परे भी फैला हुआ है।अन्य धर्म भी भेदभाव और हिंसा का सामना कर रहे हैं उन्होंने प्रस्ताव के बारे में भारत के रुख को लेकर स्पष्टीकरण में कहा,"स्पष्ट साक्ष्यों से पता चलता है कि दशकों से, गैर-अब्राहिमी धर्मों के अनुयायी भी धार्मिक पूर्वाग्रह से प्रभावित हुए हैं। इससे विशेष रूप से हिंदू विरोधी, बौद्ध विरोधी और सिख विरोधी धार्मिक पूर्वाग्रह के समकालीन रूपों का उदय हुआ है।" कंबोज ने कहा, "इस्लामोफोबिया का मुद्दा निस्संदेह महत्वपूर्ण है, लेकिन हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि अन्य धर्म भी भेदभाव और हिंसा का सामना कर रहे हैं। अन्य धर्मों के सामने आने वाली समान चुनौतियों की उपेक्षा करके केवल इस्लामोफोबिया से निपटने के लिए संसाधनों का आवंटन अनजाने में बहिष्कार व असमानता की भावना को कायम रख सकता है।" एक धर्म के बजाय सभी धर्मों के प्रति धार्मिक पूर्वाग्रह की व्यापकता को स्वीकार करें उन्होंने कहा, यह स्वीकार करना जरूरी है कि दुनियाभर में 1.2 अरब से अधिक अनुयायियों वाला हिंदू धर्म, 53.5 करोड़ से अधिक अनुयायियों वाला बौद्ध धर्म और तीन करोड़ से अधिक अनुयायियों वाला सिख धर्म, सभी धार्मिक पूर्वाग्रह की चुनौती का सामना कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि हम एक धर्म के बजाय सभी धर्मों के प्रति धार्मिक पूर्वाग्रह की व्यापकता को स्वीकार करें।"अयोध्या में राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का यूएन में जिक्र इस दौरान पाकिस्तान के दूत मुनीर अकरम ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह और नागरिकता संशोधन अधिनियम के कार्यान्वयन का भी जिक्र किया। इस पर आपत्ति जताते हुए कंबोज ने कहा, मेरे देश से संबंधित मामलों पर इस (पाकिस्तानी) प्रतिनिधिमंडल के सीमित व गुमराह दृष्टिकोण से रूबरू होना वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है। (प्रतिनिधिमंडल ने) खासकर ऐसे समय पर महासभा में यह जिक्र छेड़ा है जब यह ऐसे मामले पर विचार कर रही, जिसमें सभी सदस्यों से ज्ञानवर्धक, गहन और वैश्विक दृष्टिकोण पेश करने की उम्मीद की जा रही है। शायद प्रतिनिधिमंडल को इसमें महारत हासिल नहीं है।

फुल एण्ड फाइनल करने के मोड़ पर पहुँच गये हैं यूक्रेन का फुल एण्ड फाइनल के मूड मे है रूस

ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि यही नहीं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तो यह तक ऐलान कर दिया है कि अगर उनके देश की संप्रभुता या स्वतंत्रता को कोई खतरा होता है तो वह परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने के लिए तैयार है।प्रभासाक्षी न्यूज नेटवर्क के खास कार्यक्रम शौर्य पथ में इस सप्ताह हमने ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) से जानना चाहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के ताजा हालात क्या हैं? हमने यह भी जानना चाहा कि क्या रूसी राष्ट्रपति चुनाव में व्लादिमीर पुतिन की एक और शानदार जीत यूक्रेन पर अत्याचार बढ़ायेगी। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि यूक्रेन युद्ध में लगातार पिछड़ता जा रहा है। खासकर रूसी चुनाव के दौरान जिस तरह यूक्रेन के कब्जाये गये इलाकों में भी चुनाव कराये गये वह सरासर अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है। लेकिन अपने इस कदम से पुतिन ने दुनिया को संदेश दे दिया है कि वह रुकने या झुकने वाले नहीं हैं और अपने लक्ष्य को हासिल करके रहेंगे।ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि यही नहीं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तो यह तक ऐलान कर दिया है कि अगर उनके देश की संप्रभुता या स्वतंत्रता को कोई खतरा होता है तो वह परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पुतिन ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका किसी भी ऐसे तनाव से बचेगा जो परमाणु युद्ध को जन्म दे सकता है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रूस के परमाणु बल इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जब एक साक्षात्कार में पुतिन से पूछा गया कि क्या कभी उन्होंने यूक्रेन में युद्धक्षेत्र में परमाणु हथियारों का उपयोग करने पर विचार किया है, पुतिन ने जवाब दिया कि इसकी कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। उन्होंने कहा कि इस साक्षात्कार में पुतिन ने यह विश्वास

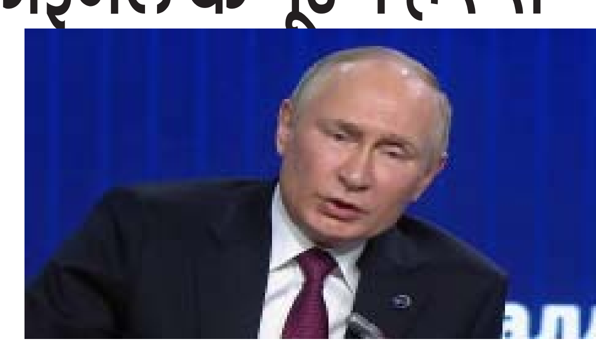

भी जताया कि मॉस्को यूक्रेन में अपने लक्ष्यों को हासिल करेगा और उन्होंने बातचीत के लिए दरवाजे खुले होने की बात कही, साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी समझौते के लिए पश्चिम से पक्की गारंटी की आवश्यकता होगी। ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि इसके अलावा जहां तक युद्धक्षेत्र की बात है तो ताजा अपडेट यह है कि रूसी रक्षा मंत्रालय ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर कहा कि उसने गुरुवार को बेलगोरोड में घुसपैठ के एक और प्रयास को विफल कर दिया, लेकिन फ्रीडम ऑफ रशिया लीजन ने कहा कि हमले तब तक जारी रहेंगे जब तक कि क्षेत्र पुतिन शासन के सैनिकों से पूरी तरह से मुक्त नहीं हो जाता।। उन्होंने कहा कि एक आवासीय क्षेत्र पर रूसी मिसाइल हमले के बाद ओडेसा के दक्षिणी यूक्रेन में मरने वालों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इस हमले में अब तक 20 से ज्यादा लोगों के मरने की खबर आ चुकी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, कीव की वायु सेना ने दावा किया है कि यूक्रेन ने भी शुक्रवार सुबह राजधानी सहित देश भर के सात क्षेत्रों में 27 ईरानी निर्मित ड्रोनों को मार गिराया।

सप्ताह भर पहले आग में झुलसने के कारण जान गंवाने वाले तीन लोग भारतीय मूल के थे

आग बुझने के बाद पुलिस ने जब घर की तलाशी ली तो वहां मानव अवशेष बरामद किए गये, लेकिन उस समय मरने वालों की पहचान और संख्या का पता नहीं चल सका था।कनाडा के ओंटारियो प्रांत में पिछले सप्ताह घर में 'संदिग्ध' तौर पर आग लगने के कारण जान गंवाने वालों की पहचान भारतीय मूल के दंपती और उनकी बेटी के रूप में हुई है।पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पील पुलिस ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सात मार्च को ब्रैम्पटन के बिग स्काई वे और वैन किर्क ड्राइव क्षेत्र में एक घर में संदिग्ध हालात में आग लग गई थी। आग बुझने के बाद पुलिस ने जब घर की तलाशी ली तो वहां मानव अवशेष बरामद किए गये, लेकिन उस समय मरने वालों की पहचान और संख्या का पता नहीं चल सका था। पुलिस ने बताया कि मरने वालों की पहचान शुक्रवार को भारतीय मूल के राजीव वारिकू (51), उनकी पत्नी शिल्पा कोठा (47) और बेटी महक (16) के रूप में हुई है।

भारत अपने नागरिकों को निकालने पर कर रहा विचार

हैती में आपराधिक गिरोहों ने पुलिस थानों, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और कुछ कारागारों सहित देश के विभिन्न प्रतिष्ठानों पर हमले किए। हैती में भारतीय समुदाय में डॉक्टर, इंजीनियर और तकनीशियन और कई मिशनरी शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि वह कैरेबियाई देश हैती में बिगड़ती कानून व्यवस्था के मद्देनजर अपने 90 नागरिकों को निकालने पर विचार कर रहा है। हैती के संकटग्रस्त प्रधानमंत्री एरियल हेनरी को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने के उद्देश्य से विभिन्न गिरोहों ने देश के प्रमुख प्रतिष्ठानों पर समन्वित हमले शुरू किए हैं।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने अपने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा कि हैती में 75 से 90 भारतीय मौजूद हैं जिनमें से लगभग 60 ने 'जरूरत पड़ने पर' भारत लौटने के लिए भारतीय अधिकारियों के साथ पंजीकरण कराया है। उन्होंने कहा, "हम सभी को वहां से निकालने के लिए तैयार हैं।"हैती में भारत का दूतावास नहीं है और देश की स्थिति पर डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सैंटो डोमिंगो स्थित भारतीय मिशन के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है। विदेश मंत्रालय ने पहले ही सैंटो डोमिंगो के साथ-साथ नयी दिल्ली में नियंत्रण कक्ष स्थापित कर दिया है और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं।सैंटो डोमिंगो स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि वह हैती की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस और देश के अन्य हिस्सों में मौजूद सभी भारतीयों के संपर्क में है। जयसवाल ने कहा, 'हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं। अगर जरूरत पड़ी तो हम (भारतीयों को) निकालने के लिए तैयार हैं।' हैती में आपराधिक गिरोहों ने पुलिस थानों, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और कुछ कारागारों सहित देश के विभिन्न प्रतिष्ठानों पर हमले किए।

संजू सैमसन की कप्तानी को लेकर ध्रुव जुरेल का बयान, जानें क्या कहा ?

ध्रुव जुरेल तीन साल से राजस्थान के साथ हैं और आईपीएल 2024 में फिनिशर की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। भारत के युवा बल्लेबाज ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के तीसरे टेस्ट में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। वह फ्रेंचाइजी के कप्तान संजू सैमसन को सालों से जानते हैं और उन्होंने जिस तरह से वर्षों तक टीम का नेतृत्व किया है उससे वह काफी प्रभावित हैं। जुरेल इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हैं। वह फ्रेंचाइजी के कप्तान संजू सैमसन को सालों से जानते हैं और उन्होंने जिस तरह से वर्षों तक टीम का नेतृत्व किया है उससे वह काफी प्रभावित हैं। ध्रुव जुरेल तीन साल से राजस्थान के साथ हैं और आईपीएल 2024 में फिनिशर की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। भारत के युवा बल्लेबाज ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के तीसरे टेस्ट में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। पूर्व खिलाड़ियों ने उनकी विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी की सराहना की। सुनील गावस्कर ने उन्हें अगला एमएस धोनी कहा है। हालांकि, जुरेल ने गावस्कर का शुक्रिया अदा किया लेकिन धोनी से अपनी तुलना से इनकार कर दिया। वहीं कप्तानी की बात आने पर जुरेल ने संजू सैमसन की तुलना रोहित शर्मा से भी की। संजू सैमसन टीम का नेतृत्व करने के मामले में रोहित शर्मा की तरह हैं। वह काफी शांतचित हैं और खिलाड़ियों को पूरी आजादी देते हैं। वह मैदान के अंदर और बाहर मेरा मार्गदर्शन करते रहे हैं। उन्होंने न्यूज 24 स्पोर्ट्स से बात करते हुए कहा कि, सैमसन मुझसे कहते हैं कि बिना कोई दबाव लिए खेल का लुत्फ उठाओ। उन्होंने मेरे साथ अपना अनुभव शेयर किए और मुझे सिखाया कि मीडिया को कैसे संभालना है।

श्रीलंका ने आकिब जावेद को टी20 विश्व कप तक तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

आकिब जावेद को जून में आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 तक शनिवार को टीम का तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त किया। इस समय 1992 विश्व कप विजेता जावेद पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में लाहौर कलंदर्स के क्रिकेट परिचालन निदेशक और मुख्य कोच के तौर पर काम कर रहे हैं। श्रीलंका ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज आकिब जावेद को जून में आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 तक शनिवार को टीम का तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त किया। इस समय 1992 विश्व कप विजेता जावेद पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में लाहौर कलंदर्स के क्रिकेट परिचालन निदेशक और मुख्य कोच के तौर पर काम कर रहे हैं। श्रीलंका क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एशले डी सिल्वा ने विज्ञप्ति में कहा, ''हम आकिब का स्वागत करते हैं और हमारा मानना है कि खेलने और कोचिंग दोनों में उनका अपार अंतरराष्ट्रीय अनुभव हमारे गेंदबाजों को आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से पहले अच्छी स्थिति में लाने में मदद करेगा जिनमें आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप शामिल है।'' जावेद (51 वर्ष) पहले पाकिस्तान की सीनियर

और जूनियर टीम के साथ अफगानिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात की टीम के साथ भी काम कर चुके हैं। उनके मार्गदर्शन में संयुक्त अरब अमीरात ने 2015 में 50 ओवर के विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के अलावा वनडे और टी20अंतरराष्ट्रीय का दर्जा भी हासिल किया था। जावेद ने पाकिस्तान के लिए 22 टेस्ट और 163 वनडे में 236 विकेट हासिल किये हैं।

कोलकाता नाइट राइडर्स कैंप से जुड़ेंगे श्रेयस अय्यर, मचाएंगे धमाल

आईपीएल 2024 सीजन से पहले केकेआर नाइट राइडर्स ने ईडन गार्डन में अपना पहला अभ्यास सत्र आयोजित किया। 14 मार्च, शुक्रवार को रिंकू सिंह और मनीष पांडे सहित सभी घरेलू क्रिकेटरों ने अभ्यास सत्र में भाग लिया। कप्तान श्रेयस अय्यर को लेकर थोड़ा भ्रम और अटकलें थीं कि वह आगामी सीजन के लिए उपलब्ध होंगे या नहीं।आगामी इंडियन प्रीमियर लीग 2024 सीजन से पहले केकेआर नाइट राइडर्स ने ईडन गार्डन में अपना पहला अभ्यास सत्र आयोजित किया। 14 मार्च, शुक्रवार को रिंकू सिंह और मनीष पांडे सहित सभी घरेलू क्रिकेटरों ने अभ्यास सत्र में भाग लिया। कप्तान श्रेयस अय्यर को लेकर थोड़ा भ्रम और अटकलें थीं कि वह आगामी सीजन के लिए उपलब्ध होंगे या नहीं। लेकिन केकेआर टीम प्रबंधन के सूत्रों के मुताबिक श्रेयस आज को कोलकाता आ रहे हैं और उसके बाद वह जल्द ही टीम की प्रैक्टिस में शामिल होंगे। केकेआर को उम्मीद है कि श्रेयस सीजन के पहले मैच से टीम में शामिल हो सकते हैं। श्रेयस ने हाल ही में वानखेड़े स्टेडियम में विदर्भ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल में मुंबई के लिए खेला था। केकेआर के

अभ्यास के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान मनीष पांडे ने कहा कि, हम उम्मीद कर रहे हैं कि एनसीए से मंजूरी मिलने के बाद, जो मुझे लगता है कि उसने कर दिया है। वह जल्द से जल्द वापस आएगा और टीम में शामिल होगा। हम उसे पाकर खुश हैं। श्रेयस के बारे में जानकारी देने के अलावा पांडे ने कहा कि, श्रेयस के नेतृत्व में खेलना एक शानदार अनुभव होगा। हम इसका इंतजार कर रहे हैं।

क्या सीएसके को मिलेगा नया कप्तान ? धोनी के करियर को लेकर अंबाती रायुडू ने दिया ये बयान

अंबाती रायुडू के अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज एमएस धोनी आगामी आईपीएल 2024 सीजन के दौरान अपनी कुछ कप्तानी जिम्मेदारियों को छोड़ सकते हैं। रायुडू जिन्होंने हाल ही में क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और आईपीएल 2024 के दौरान स्टार स्पोर्ट्स के लिए कमेंट्री करेंगे। सीएसके के पूर्व खिलाड़ी अंबाती रायुडू के अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज एमएस धोनी आगामी आईपीएल 2024 सीजन के दौरान अपनी कुछ कप्तानी जिम्मेदारियों को छोड़ सकते हैं। रायुडू जिन्होंने हाल ही में

क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और आईपीएल 2024 के दौरान स्टार स्पोर्ट्स के लिए कमेंट्री करेंगे। उनका मानना है कि ६ ोनी कप्तानी भार शेयर करने के लिए नए इम्पैक्ट प्लेयर नियम का इस्तेमाल कर सकते हैं। अंबाती रायुडू ने स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रुम से कहा कि, इंपैक्ट प्लेयर नियम के जरिए धोनी बीच के ओवरों में किसी और को कप्तानी सौंप सकते हैं। ये साल सीएसके के लिए बदलाव वाल हो सकता है। अगर ये उनका आखिरी साल है, अगर वह कुछ साल और खेलते हैं तो वह कप्तान होंगे। मैं चाहूंग कि वही कप्तान रहें। रायुडू के लिए घ्ल में बेहतरीन रहा 2018 का साल अंबाती रायुडू आईपीएल 2024 में कमेंट्री में डेब्यू करते हुए नजर आएंगे। रायुडू ने भारत के लिए 55 वनडे इंटरनेशनल मैच और 6 टी20 मुकाबले खेले। वह आईपीएल में कई सीजन सीएसके के लिए खेले। उनका आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन 2018 में आया जब उन्होंने कुल 602 रन बनाए थे।

आईपीएल के दौरान बीच के ओवरों में किसी और को कप्तानी सौंप सकते हैं धोनी -रायुडू

सीएसके ने 2022 में रविंद्र जडेजा को कप्तानी सौंपी थी लेकिन लगातार हार के बाद उन्होंने बीच में कप्तानी छोड़ दी और धोनी फिर कप्तान बने। उसके बाद से धोनी ही कप्तान हैं और उन्होंने 2023 में सीएसके को पांचवां खिताब दिलाया। भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने शुक्रवार को कहा कि महेंद्र सिंह धोनी इंपैक्ट प्लेयर नियम का इस्तेमाल करके आईपीएल के आगामी सत्र के दौरान बीच के ओवरों में कप्तानी किसी और को सौंप सकते हैं ताकि भावी

कप्तान तैयार किया जा सके। सीएसके ने 2022 में रविंद्र जडेजा को कप्तानी सौंपी थी लेकिन लगातार हार के बाद उन्होंने बीच में कप्तानी छोड़ दी और धोनी फिर कप्तान बने। उसके बाद से धोनी ही कप्तान हैं और उन्होंने 2023 में सीएसके को पांचवां खिताब दिलाया। पिछले साल क्रिकेट के तमाम प्रारूपों को अलविदा कह चुके स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम से कहा ,'' इंपैक्ट प्लेयर नियम के जरिये धोनी बीच के ओवरों में किसी और को कप्तानी सौंप सकते हैं। यह साल सीएसके के लिये बदलाव वाला हो सकता है। अगर यह उनका आखिरी साल है , अगर वह कुछ साल और खेलते हैं तो वह कप्तान होंगे। मैं चाहूंगा कि वही कप्तान रहें।'' धोनी ने हाल ही में फेसबुक पोस्ट में संकेत दिया था कि इस साल आईपीएल में वह नयी भूमिका में होंगे।

डब्लूपीएल 2024 फार्म में चल रही दिल्ली कैंपिटल्स की नजरें पहले ट्स खिताब पर

दिल्ली कैपिटल्स पिछले साल चूक गई थी लेकिन अब रविवार को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ दूसरे महिला प्रीमियर लीग फाइनल में उसकी नजरें खिताब अपने नाम करने पर लगी होंगी। पिछले साल पहले सत्र के फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को मुंबई इंडियंस ने सात विकेट से हराया था।फॉर्म में चल रही दिल्ली कैपिटल्स पिछले साल चूक गई थी लेकिन अब रविवार को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ दूसरे महिला प्रीमियर लीग फाइनल में उसकी नजरें खिताब अपने नाम करने पर लगी होंगी। पिछले साल पहले सत्र के फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को मुंबई इंडियंस ने सात विकेट से हराया था। इस बार दिल्ली की टीम शानदार फॉर्म में है और आठ मैचों में 12 अंक लेकर पांच टीमों की लीग में शीर्ष पर है।मेग लानिंग ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए आठ पारियों में 308 रन बनाये हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका की हरफनमौला मारियाने काप और आस्ट्रेलिया की बायें हाथ की स्पिनर जेस जोनासेन ने 11 . 11 विकेट लिये हैं। इस सत्र में दिल्ली को दो बार ही पराजय का सामना करना पड़ा जब उसे मुंबई इंडियंस और यूपी वारियर्स ने हराया। इसके अलावा उसका अभियान बेदाग रहा है। आरसीबी के खिलाफ अब तक खेले गए चारों मुकाबले उसने जीते हैं। लेकिन फाइनल में पिछला प्रदर्शन मायने नहीं रखेगा। यह नया दिन और नया मैच है जिसमें दबाव झेलने में कामयाब रहने वाली टीम को ही ट्रॉफी मिलेगी।दिल्ली को लानिंग और शेफाली वर्मा से अच्छी शुरुआत मिलने की उम्मीद होगी। जेमिमा रौड्रिग्स भी मध्यक्रम में फॉर्म में है लेकिन हरफनमौला एलिसे कैप्सी और काप से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में जोनासेन, काप और शिखा पांडे ने अच्छा प्रदर्शन किया है। बायें हाथ की स्पिनर राधा यादव ने भी दस विकेट चटकाये हैं और कोटला की धीमी पिच पर उनकी भूमिका अहम होगी। दूसरी ओर आरसीबी लीग चरण में तीसरे स्थान पर रही थी लेकिन

शुक्रवार को रोमांचक एलिमिनेटर में कम स्कोर बनाने के बावजूद मुंबई को पांच विकेट से हरा दिया।हरफनमौला एलिसे पैरी पर बल्लेबाजी का जिम्मा होगा जो अब तक 312 रन बना चुकी है। उन्होंने सात विकेट भी चटकाये हैं। मुंबई के खिलाफ पैरी का हरफनमौला प्रदर्शन नहीं होता तो आरसीबी नहीं जीत पाती। पहले उन्होंने 50 गेंद में 66 रन बनाये और फिर एक विकेट भी लिया। उन्हें हालांकि कप्तान स्मृति मंधाना, सोफी डेवाइन, रिचा घोष और सोफी मोलिनू से और सहयोगी की उम्मीद होगी।आरसीबी के गेंदबाजों खासकर रेणुका सिंह, श्रेयांका पाटिल और जॉर्जिया वेयरहेम को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली कैपिटल्स रू मेग लानिंग (कप्तान) , लौरा हैरिस, तान्या भाटिया, जेमिमा रौड्रिग्स, शेफाली वर्मा, एलिसे कैप्सी, मरियाने काप, शिखा पांडे, अनाबेल सदरलैंड, जेस जोनासेन, मिन्नु मनी, पूनम यादव, अरुंधति रेड्डी, टिटास साधु, राधा यादव, अश्विनी कुमारी, अपर्णा मंडल, वी स्नेहा दीप्ति। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलोर रू स्मृति मंधाना (कप्तान),रिचा घोष , दिशा कासाट, एस मेघना, इंद्राणी रॉय, सतीश शुभा, हीदर नाइट, सिमरन बहादुर, एन डि क्लर्क, सोफी डेवाइन, श्रेयांका पाटिल, एलिसे पैरी, आशा शोभना, एकता बिष्ट, केट क्रॉस

ऐसी क्रिकेट खेलेंगे कि कोई भूल नहीं सकेगा,मम्बई इण्डिया में वापसी पर बोले हार्दिक

मुंबई इंडियंस टीम में लौटे स्टार हरफनमौला हार्दिक पंड्या ने शुक्रवार को कहा कि उनकी टीम आईपीएल में ऐसा खेल दिखायेगी के कोई भूल नहीं सकेगा। इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र से पहले पंड्या गुजरात टाइटंस छोड़कर मुंबई इंडियंस के कप्तान बने।उन्होंने 2015 में मुंबई के लिये ही आईपीएल में पदार्पण किया था और चार खिताब जीते थे। वह 2022 में गुजरात टीम में गए और उसी सत्र में खिताब भी जीता। रोहित शर्मा की जगह कप्तान बने पंड्या ने टीम द्वारा सोशल मीडिया पर डाले गए वीडियो में कहा ,'' यह जर्सी पहनने का अनुभव ही अलग है। सफर की शुरुआत यहीं से हुई और अब घर वापसी हुई है।''उन्होंने कहा ,'' हम ऐसी क्रिकेट खेलेंगे कि सभी को गर्व होगा और कोई भूल नहीं सकेगा।'' मुंबई इंडियंस के कोच मार्क बाउचर ने कहा ,'' हार्दिक को चेंजिंग रूम के बारे में मुझसे ज्यादा पता है। वह आगामी सत्र के लिये रोमांचित है और हम उसका फिर स्वागत करके। कुछ नये चेहरे टीम में है और हम जल्दी ही लय पकड़ने की कोशिश करेंगे।

गुलदस्ते में लगे फूलों को लंबे समय तक रखना चाहते हैं तरोताजा तो अपनाएं ये टिप्स

रंग-बिरंगे और खुशबूदार फूलों के जरिए घर की सजावट करना एक बेहद कारगर और मशहूर तरीका है। फूल अपनी सुंदरता के कारण हर जगह की खूबसूरती में चार-चांद लगा देते हैं।बगीचों और गमलों में लगाने के अलावा लोग अपने कमरों में भी फूल लगाना पसंद करते हैं। इन्हें आकर्षक गुलदस्तों में रखकर सजवाट की जाती है।अगर आप भी गुलदस्ते के फूलों को लंबे समय तक ताजा बनाए रखना चाहते हैं तो ये टिप्स अपनाएं।सही प्रकार का गुलदस्ता चुनेंफूलों को लंबे समय तक खिला हुआ रखने के लिए हमेशा सही गुलदस्ता चुनना चाहिए। किसी भी अवशेष या बचे हुए डिटर्जेंट आदि से मुक्त एक साफ फूलदान लें और उसमें ही फूलों को रखें।हल्के और बेहद नाजुक फूलों को लंबे गुलदस्ते में रखना चाहिए, वहीं भारी फूलों के डंठल को छोटा काटकर उन्हें एक छोटे और चौड़े फूलदान में रखें। इससे उन्हें फैलने के लिए अतिरिक्त जगह मिलेगी।पानी में रखने से पहले फूलों के तनों को 2 इंच काट लें

अपने फूलों को गुलदस्ते में रखने से पहले इनके तनों को 2 इंच तक काट लें। बगीचे की कैंची आपको सबसे साफ कट देगी, लेकिन नियमित कैंची भी उपयोग की जा सकती है।अधिक जल प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए तनों को 45 डिग्री एंगल पर काटें। गुलाब जैसे फूलों के तनों में हवा के बुलबुले फंस जाते हैं, जिससे पानी का प्रवाह अवरुद्ध हो जाता है। इस समस्या को रोकने के लिए तनों को पानी में रखकर काटें।पानी का सही तापमान सुनिश्चित करेंज्यादातर फूल कमरे के तापमान वाले पानी में सबसे अच्छी तरह खिले हुए रहते हैं। ऐसे फूल, जिनमें भूमिगत संरचनाएं होती हैं, वे ठंडे पानी में रखने चाहिए।चाहे आप ठंडे या गुनगुने पानी का उपयोग कर रहे हों, अपने फूलदान को तीन-चौथाई स्तर तक ही भरें। इसमें समय-समय पर पानी डालते रहें क्योंकि फूल पानी को सोखते रहते हैं।बसंत के मौसम में ये सुंदर

फूल आसानी से उगाए जा सकते हैं।कठोर वातावरण से फूलों को रखें दूरअपने ताजे फूलों को सीधी धूप में, गर्म उपकरणों के पास, पंखे, एयर कंडीशनिंग या खुली खिड़कियों से आने वाली हवा के झोंकों के पास रखने से बचें।ट्यूलिप जैसे कुछ फूल विशेष रूप से गर्मी के प्रति संवेदनशील होते हैं।आपको कटे हुए फूलों को ताजे फलों से दूर रखना चाहिए, क्योंकि इनसे एथिलीन गैस के अंश निकलते हैं जो मुरझाने की प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं।अपने फूलों के लिए घर पर बनाएं खाना

फूलों को ताजा रखने के लिए उन्हें एक तरह का खाना दें। आप अपने घर पर ही यह फॉर्मूला बना सकते हैं।अपने फूलदान में 3 भाग पानी, 1 भाग स्प्राइट और बैक्टीरिया को मारने के लिए ब्लीच की कुछ बूंदें डालें। फूलों के भोजन के लिए एक और आम नुस्खा कारगर होता है। इसमें पानी के 1६4 भाग में 2 बड़े चम्मच ऐपल साइडर सिरका, 2 बड़े चम्मच चीनी और 1६2 चम्मच ब्लीच मिलकर उसमें फूल लगाएं।

घर के लिए ढूंढ रहे हैं रूम फ्रेशनर तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

आखिर कौन नहीं चाहता होगा कि वो घर आए, तो उसे एक आराम और सुकूनदायक माहौल मिले, जिससे उसका मूड बेहतर हो. इसके लिए हम कई तरह के रूम फ्रेशनर्स का इस्तेमाल करते हैं. यही नहीं मेहमानों के आने से पहले भी हम घर को चमकाने के साथ-साथ उसे खुशबूदार बनाने के लिए महंगे-महंगे रूम फ्रेशनर्स का भी इस्तेमाल करते हैं. लेकिन वे लोग यह नहीं जानते कि हर घर का अपना एक अलग माहौल होता है और उसके हिसाब से ही उन्हें रूम फ्रेशनर्स चुनने चाहिए, जो उनके घर से मेल खाता हो. अगर आपको भी नहीं पता कि अपने कमरे या घर के लिए एक सही रूम फ्रेशनर का चुनाव कैसे करें, तो आइये जानते हैं घर के लिए सही रूम फ्रेशनर कैसे चुनें. अपनी जरूरतों को पहचानें

सही रूम फ्रेशनर का चुनाव करने के लिए सबसे पहले आपको इस बात को समझना होगा कि आप किस तरह के फ्रेग्रेंस को पसंद करते हैं. आपको फ्लोरल खुशबू चाहिए या सीट्रिक, वुडी या फिर मसालेदार. इसके बाद अपने

पसंद के फ्रेशनर को चुनें. इसे समझने से आप अपने लिए सही खुशबू को ढूंढ सकते हैं2. जगह को समझेंहर कमरे की एक अलग आभा और वाइब होती है और उसके मुताबिक ही आपको अलग-अलग रूम फ्रेशनर का इस्तेमाल करते रहना चाहिए. उदाहरण के लिए, बाथरूम के लिए हल्की, ताजा सुगंध का इस्तेमाल कर सकते हैं, जबकि आरामदायक वॉर्म फ्रेग्रेंस लिविंग रूम के लिए आदर्श हो सकती है. रूम फ्रेशनर का चयन करने से पहले उस स्थान के आकार और कार्य पर विचार करें जो उसके साथ अच्छा काम करेगा।3. एलर्जी और सेंसिटिविटी का ध्यान रखेंरूम फ्रेशनर चुनते समय अपनी एलर्जी और सेंसिटिविटी को ध्यान में जरूर रखें ऐसी सुगंधों से बचें जो एलर्जी का कारण बन सकती हैं या सांस संबंधी समस्याएं बढ़ा सकती हैं. अगर आप या आपके घर में कोई सांस संबंधी परेशानी से जूझ रहा हो, तो हाइपोएलर्जेनिक और फ्रेग्रेंट फ्री प्रोडक्ट चुनें4. नेचुरल कम्पाउंड की तलाश करेंऐसे रूम फ्रेशनर चुनें जिनमें नेचुरल कम्पाउंड्स शामिल हों. ऐसे प्रोडक्ट न केवल पर्यावरण को लाभ पहुंचाते हैं बल्कि आर्टिफिशियल प्रोडक्ट की तुलना में इनमें अधिक अरोमा और सुखद खुशबू होती है. ऐसे प्रोडक्ट्स की तलाश करें जिनमें एसेंशियल ऑयल और प्लांट-बेस्ड एक्सट्रैक्ट्स मौजूद हों5. मौसम के मुताबिक चुनेंमौसम के मुताबिक अपने रूम फ्रेशनर को बदलते रहना चाहिए. गर्मी, बारिश और सर्दी के मौसम के हिसाब से फ्रेशनर चुनना काफी फायदेमंद हो सकता है.

रिलीज हुआ पटना शुक्ला का ट्रेलर, अब वकील बनकर इंसाफ दिलाएंगी रवीना टंडन

रवीना टंडन एक बार फिर ओटीटी पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं. उनकी नई फिल्म पटना शुक्ला का ट्रेलर जारी किया गया है, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म हॉटस्टार पर दस्तक देगी. फिल्म में रवीना एक वकील तन्वी शुक्ला की भूमिका निभा रही हैं. फिल्म का ट्रेलर शनादार है.ट्रेलर में एक ऐसे वकील की कहानी दिखाई गई है, जो अभी तक खुद को साबित नहीं कर पाई है. ट्रेलर में देखने को मिलता है कि तन्वी किचन में अपने पति और उनके दोस्तों के लिए पकौड़े तल रही है. तभी उनका पति अपने दोस्तों के साथ तन्वी का मजाक उड़ाते हुए कहता है कि छोटे मोटे केस इसे मिल जाते हैं, लेकिन मेरी पत्नी एफिडेबिट अच्छा बनाती है. तन्वी को अपने पति की ये बात चुभ जाती है. फिर तन्वी के पास एक लड़की अपना केस लेकर आती है, जो रोल नंबर स्कैम से जुड़ा होता है.तन्वी इस केस को लडने के लिए राजी हो जाती है. लेकिन ये केस तन्वी के लिए कई सारी मुसीबतें खड़ी कर देता है. मीडिया पर ये केस बहुत हाइलाइट हो जाता है. तन्वी को ध मकियां मिलनी शुरू हो जाती है. उसके पति की नौकरी भी चली जाती है. लेकिन तन्वी हार नहीं मानती है और डटी रहती है. इस केस को जीतने में अपनी पूरा जी–जान लगा देती है.रवीना के अलावा इस फिल्म में अनुष्का कौशिक, जतिन गोस्वामी, चंदन रॉय सान्याल और मानव विज भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे. वहीं दिवंगत एक्टर सतीश कौशिक भी इस मूवी में नजर आ रहे हैं बता दें कि ये फिल्म 29 मार्च को हॉटस्टार पर रिलीज होगी. सलमान खान ने भी इस फिल्म का ट्रेलर मजेदार अंदाज में शेयर किया है. उन्होंने कैप्शन में लिखा है कि कभी लिंकिंग रोड, कभी कैडल रोड, कभी पेडर रोड, कभी ऑर्थर रोड... ढूंढता तुम्हें हर जगह... हमें बीना बताए रवीना कुछ नया लेकर आई है. वहीं सलमान के इस पोस्ट पर रवीना ने कमेंट करते हुए

लिखा कि ना कार्टर रोड ना टनर रोड. . अब मिलूंगी सीधा पटना. बन गई हूं तन्वी शुक्ला. मेरा स्वागत नहीं करोगे.

विभाजन पर बनी बंगाल 1947 से बालीवुड में डेब्यू करेंगी देवोलीना भट्टाचार्जी, फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज

वोलीना भट्टाचार्जी का नाम छोटे पर्दे की उन अभिनेत्रियों में शामिल है, जिन्होंने अपनी उम्दा अकादारी के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई है।देवोलीना ने अपने करियर की शुरुआत टीवी शो सवारे सबके सपने... प्रीतो से की थी, लेकिन उन्हें पहचान साथ निभाना साथिया से मिली।लाल इश्क और छोटी सरदारनी के अलावा देवोलीना कुछेक वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं।अब देवोलीना बॉलीवुड में डेब्यू करने को तैयार हैं। उनकी पहली फिल्म बंगाल 1947 है।भारत के विभाजन की पीड़ा को बयां करती फिल्म बंगाल 1947 का फर्स्ट लुक सामने आ गया है. फिल्म 1947 में हुए विभाजन के दौरान खासकर बंगाल पर पड़े उसके प्रभाव को दर्शाती है. गदर फिल्म के सह–निर्देशक अकाश्यदीप लामा द्वारा निर्देशित बंगाल 1947 का निर्माण कॉन्फेड प्रोडक्शन्स के बैनर तले हुआ है. इस प्रोडक्शन कंपनी का नेतृत्व दो बार के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सतीश पांडे कर रहे हैं, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत धारावाहिक हम लोग के लिए छायाकार के रूप में की थी. उनके साथ ऋषभ पांडे और अकाश्यदीप लामा भी निर्माता के तौर पर जुड़े हैं. यह फिल्म पीरियड ड्रामा और रोमांस के मिश्रण का वादा करती है। साथ ही यह एक अनोखी प्रेम कहानी पर प्रकाश डालती है, जिसे लेखक–निर्देशक आकाशादित्य लामा ने स्क्रीन पर उतारा है।मोशन पोस्टर में लिखा है, फिल्म बंगाल 1947 का फर्स्ट लुक जारी, यह 29 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म 1947 में भारत के विभाजन की पड़ताल करती है। फिल्म में देवोलीना भट्टाचार्जी, सोहिला कपूर, ओमकार दास मानिकपुरी, आदित्य लखिया और अंकुर अर्मन मुख्य भूमिकाओं में हैं. प्लेटून डिस्ट्रीब्यूशन द्वारा फिल्म 29 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी.

अजय देवगन की शैतान की दैनिक कमाई में गिरावट जारी, अब योद्धा से होगा मुकाबला

अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म शैतान को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक हफ्ता का समय बीत चुका है।हॉरर और सस्पेंस से भरपूर यह फिल्म शुरुआत से दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रही है, लेकिन वीकेंड पर धुआंधार कमाई करने के बाद पिछले कुछ दिनों से फिल्म की दैनिक कमाई में गिरावट जारी है।अब शैतान की कमाई के छठे दिन के आंकड़े सामने आए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, 7वें दिन यानी गुरुवार को शैतान ने 5.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 79.75 करोड़ रुपये हो गया है।दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी–मानी अभिनेत्री ज्योतिका भी शैतान का अहम हिस्सा हैं। फिल्म में उनकी जोड़ी पहली बार अजय के साथ बनी है।इस फिल्म में जानकी बोदीवाला और अंगद राज भी अहम भूमिकाओं में हैं। शैतान साल 2023 में आई गुजराती फिल्म वश का रीमेक है। बॉक्स ऑफिस पर शैतान का सामना यामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 से हो रहा है। यह फिल्म पिछले तीन सप्ताह से दर्शकों का मनोरंजन कर रही है। इसने अब तक 69 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है।इन दिनों किरण राव की फिल्म लापता लेडीज भी सिनेमाघरों में लगी हुई है, लेकिन यह कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।सिद्धार्थ मल्होत्रा की योद्धा और अदा शर्मा की बस्तर भी सिनेमाघरों का रुख कर चुकी है।

शाहिद कपूर के साथ प्रेम की शादी बनाएंगे सूरज बडजात्या डब्बा बंद नहीं हुई फिल्म

मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन!, हम साथ साथ हैं और प्रेम रतन धन पायो जैसी फिल्मों के बाद सलमान खान और सूरज बडजात्या फिल्म प्रेम की शादी लेकर आने वाले थे।हालांकि, सलमान ने कई कारणों से फिल्म से किनारा कर लिया है। ऐसे में खबर आ रही थी कि बडजात्या की यह फिल्म डब्बा बंद हो गई है।ताजा खबर यह है कि बडजात्या फिल्म को एक अन्य अभिनेता के साथ बनाने का मन बना चुके हैं।सलमान के फिल्म से किनारा करने के बाद फिल्म बंद नहीं हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बडजात्या अब युवा कलाकारों के साथ प्रेम की शादी बनाने की योजना बना रहे हैं। फिल्म के लिए निर्देशक ने शाहिद कपूर से संपर्क किया है।सूत्र ने कहा, बडजात्या अब स्क्रिप्ट में बदलाव कर रहे हैं और उन्होंने मुख्य किरदार की उम्र कम कर दी है। सलमान के फिल्म छोडने के बाद उन्होंने तुरंत शाहिद से संपर्क किया।सूत्र ने यह भी खुलासा किया कि शाहिद और

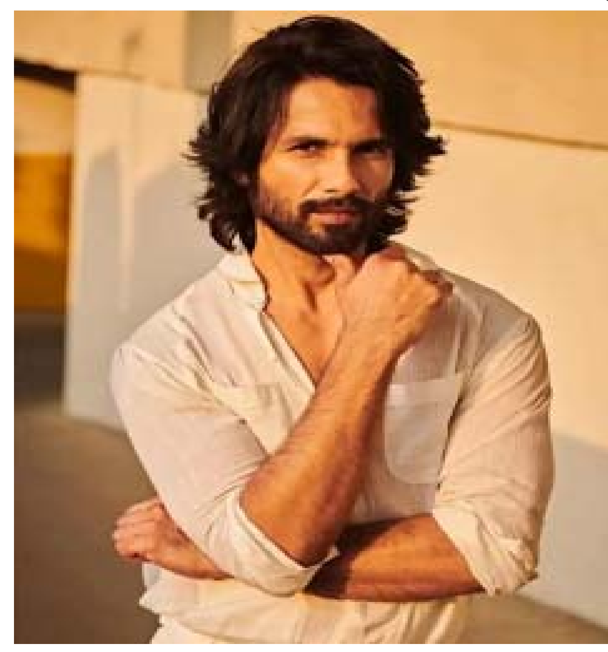

बडजात्या अभी तक कई बार मिल चुके हैं। दोनों के बीच मुलाकातों के ये सिलसिले बात बनने की ओर इशारा कर रहे हैं।सूत्र के अनुसार, बडजात्या को उम्मीद है कि वह शाहिद को प्रेम की शादी में शामिल कर लेंगे। इतना ही नहीं शाहिद ने भी अपनी रुचि दिखाई है, लेकिन उन्होंने अभी तक प्रोजेक्ट को अपनी अंतिम मंजूरी नहीं दी है।

बता दें, शाहिद और बडजात्या इससे पहले साथ में फिल्म विवाह बना चुके हैं। यह फिल्म साल 2006 में रिलीज हुई थी, जिसमें शाहिद और अमृता राव मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में शाहिद ने प्रेम का किरदार निभाया था।प्रेम की शादी में बडजात्या, सलमान को एक बार फिर उनके पुराने अंदाज में पेश करने वाले थे, लेकिन सलमान ने फिल्म से मुहर लगाने के बाद कन्नी काट ली।फिल्म की शूटिंग इस साल शुरू होने वाली थी, लेकिन अभिनेता और निर्देशक के बीच फिल्म के कई पहलुओं पर असहमति थी।सलमान पुराने कॉन्सेप्ट के बजाय एक नई और रोमांचक फिल्म से जुडना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने सूरज की फिल्म छोड़ दी है।प्रेम की शादी के अलावा, शाहिद दो ऐतिहासिक प्रोजेक्ट पर भी चर्चा कर रहे हैं। इसमें पूजा एंटरटेनमेंट की अश्वत्थामा और छत्रपति शिवाजी महाराज पर निर्देशक अमित राय की अगली फिल्म है।बताया जा रहा है कि सचिन रवि के निर्देशन में बनने वाली अश्वत्थामा पर शाहिद साइन कर चुके हैं लेकिन राय की फिल्म पर बातचीत चल रही है।इतना ही नहीं शाहिद अनीस बज्मी के साथ एक कॉमेडी एंटरटेनर की भी चर्चा कर रहे हैं।

तृप्ति डिमरी ने बढ़ाई अपनी फीस, भूल भुलैया 3 के लिए डबल किया है चार्ज!

संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल की सक्सेस के बाद से तृप्ति डिमरी नेशनल क्रश बन गई हैं. फिल्म में एक्ट्रेस का रोल कुछ ज्यादा बड़ा नहीं था फिर भी उन्होंने अपनी एक्टिंग से फैंस को दीवाना बना लिया है. एनिमल की सक्सेस के बाद से तृप्ति मेकर्स की पहली पसंद बन गई हैं. उन्हें कई प्रोजेक्ट्स ऑफर हो रहे हैं. तृप्ति की भूल भुलैया 3 में भी एंट्री हो चुकी है. रिपोर्ट्स की माने तो फिल्म के लिए एक्ट्रेस ने अपनी फीस बढ़ा दी है. तृप्ति ने अपनी फीस डबल कर दी है. फिर भी मेकर्स उन्हें खुशी–खुशी बढ़ी हुई फीस देने के लिए तैयार हैं.रिपोर्ट्स की माने तो एनिमल की सक्सेस के बाद इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स पहले की तुलना में तीगुने हो गए थे. फॉलोअर्स में इतना बदलाव आने के बाद ही उन्होंने अपनी फीस बढ़ाने का फैसला लिया है. भूल भुलैया 3 के मेकर्स से तृप्ति ने अपनी फीस बढ़ाने के लिए कहा है और वो मान भी गए हैं क्योंकि वो फीस प्रोडक्शन के बजट में फिट बैठती है.रिपोर्ट्स के मुताबिक तृप्ति ने एनिमल में अपने रोल

के लिए 40 लाख फीस चार्ज की थी. अब उनकी फैन फॉलोइंग बढ़ गई है तो उन्होंने ये फीस बढ़ाकर 80 लाख कर दी है. हालांकि फीस बढ़ाने के बाद भी तृप्ति की फीस कार्तिक आर्यन से बहुत कम है. वो कार्तिक की फीस का सिर्फ 20 प्रतिशत चार्ज कर रही हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक कार्तिक आर्यन फिल्म के लिए 45–50 करोड़ चार्ज कर रहे हैं. कुछ समय पहले खबरें आ रही थीं कि तृप्ति को कई साउथ इंडियन फिल्में ऑफर हो रही हैं और उन्होंने प्रभास के साथ फिल्म साइन की है. इन अफवाहों पर तृप्ति ने रिएक्ट किया था. उन्होंने कहा– मैंने अभी तक कोई फिल्म साइन नहीं की है. हालांकि अगर वहां से ऑफर आएंगे तो मैं बहुत खुश हो जाऊंगी. तृप्ति की फिल्म एनिमल की बात करें तो इसमें रणबीर कपूर, अनिल कपूर, बॉबी देओल और रश्मिका मंदाना लीड रोल में नजर आए थे. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की है.

आर्टिकल 370 ने दुनियाभर में पार किया 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा

यामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 में जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने के दौरान आईं चुनौतियों को दिखाया गया है।यह फिल्म पिछले तीन सप्ताह से बॉक्स ऑफिस और दर्शकों के दिलों पर राज कर रही हैं।20 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया है।अब आर्टिकल 370 ने नया कीर्तिमान हासिल किया है। दरअसल, फिल्म ने दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया है। जियो स्टूडियो ने इस खबर की जानकारी देते हुए अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक वीडियो साझा किया है। उन्होंने लिखा, ऐतिहासिक फैसले के पीछे की कहानी देखकर देश गर्व से चमक रहा है।निर्माताओं ने नया पोस्टर साझा करते हुए अपनी खुशी जाहिर की और लिखा, लोगों की शक्ति। एक वादे की ताकत। प्रेम की ताकत। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कमाई की बात करें बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, आर्टिकल 370 ने रिलीज के 21वें दिन 80 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 69 करोड़ रुपये हो गया है।बॉक्स ऑफिस पर आर्टिकल 370 का सामना किरण राव की फिल्म लापता लेडीज से हो रहा है। अजय देवगन की फिल्म शैतान भी दर्शकों का मनोरंजन कर रही है।इनके अलावा सिद्धार्थ मल्होत्रा की योद्धा और अदा शर्मा की बस्तर सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

दिग्गज गायिका अनुराधा पौंडवाल अब राजनीतिक पारी हुई शुरू, बीजेपी में हुई शामिल

लोकसभा चुनाव से पहले अनुभवी अनुराधा पौडवाल शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं। पार्टी मुख्यालय में भाजपा नेताओं के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पौडवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की और कहा कि वह उनके नेतृत्व वाली पार्टी में शामिल होकर खुश हैं। लोकसभा चुनाव से पहले अनुभवी अनुराधा पौडवाल शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं। पार्टी मुख्यालय में भाजपा नेताओं के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पौडवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की और कहा कि वह उनके नेतृत्व वाली पार्टी में शामिल होकर खुश हैं।

पंकज त्रिपाठी की फिल्म मैं अटल हूं ने ओटीटी प्लेटफार्म जी5 पर दी दस्तक

पंकज त्रिपाठी की फिल्म मैं अटल हूं को 19 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।बेशक इस फिल्म में उन्होंने एक बार फिर अपनी उम्दा अदाकारी का लोहा मनवाया है, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।अब मैं अटल हूं ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर दस्तक दे चुकी है। ऐसे में जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं। फिल्म मैं अटल हूं में पंकज त्रिपाठी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का किरदार निभाया है। इस फिल्म में अटल बिहारी वाजपेयी की कवि से राजनेता बनने तक की जर्नी को बखूबी से दिखाया

गया है। पंकज त्रिपाठी के अलावा इस मूवी में पीयूष मिश्रा, राजा सेवक, दया शंकर पांडे और एकता कौल समेत कई अन्य कलाकार भी नजर आए थे। मैं अटल हूं का निर्देशन रवि जाधव ने किया है, जिन्होंने 2016 में आई फिल्म बैंजो के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा था। यह पंकज और रवि के बीच पहला सहयोग है।इस फिल्म में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जिंदगी को दिखाया गया है।20 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने 8.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।मैं अटल हूं की कहानी किताब द अनटोल्ड वाजपेयीरू पॉलिटिशियन एंड पैराडॉक्स पर आधारित है।

जैकलीन फर्नांडीज ने आरेंज बाडीफिट ड्रेस में ढाया कहर, सोशल मीडिया का तापमान हुआ हाई

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने अपने इंस्टाग्राम पर हाल ही में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो अपने लुक से इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं. इन तस्वीरों में जैकलीन को ऑरेंज कलर के बॉडीफिट रिवीलिंग ड्रेस देखा जा सकता है. खुले बालों और लाइट मेकअप के साथ उनका ये अंदाज फैंस को बेहद पसंद आ रहा है. तस्वीरों में जैकलीन अलग–अलग पोज दे रही हैं और उनकी हर अदा दिलकश लग रही है. जैकलीन के इस पोस्ट को कुछ ही घंटों में लाखों लाइक्स मिल चुके हैं और फैंस कमेंट्स की भरमार कर रहे हैं. एक फैन ने लिखा, आप हमेशा इतनी खूबसूरत कैसे लगती हैं जैकलीन वहीं दूसरे ने कमेंट किया, ऑरेंज आपका रंग है. जैकलिन फर्नांडीस श्रीलंकाई मूल की, भारतीय अभिनेत्री व मॉडल है जो हिन्दी फिध्ल्मों में कार्यरत है। वे 2006 की मिस श्रीलंका यूनिवर्स रह चुकी है। उन्हें

2010 का सर्वश्रेष्ठ नई अभिनेत्री का आईफा और स्टारडस्ट पुरस्कार फिध्ल्म अलादीन के लिए प्रदान किया गया था। इन्होंने अपने कैरियर की अलादीन फिध्ल्म से 2009 से की थी जबकि इन्होंने कई सुपर हिट फिध्ल्मों में भी कार्य किया है जिसमें सलमान खघन के साथ किक (2014 फिध्ल्म) ,रॉय जैसी फिध्ल्मों में कार्य किया है।

मुनमुन दत्ता उर्फ बबीता जी ने शादी की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी, मीडिया पर जमकर भड़की

तारक मेहता का उल्टा चश्मा की बबीता जी यानी मुनमुन दत्ता की सगाई की अफवाहें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि एक्ट्रेस ने वडोदरा में राज अनादकट से सगाई कर ली है। तारक मेहता का उल्टा चश्मा की बबीता जी यानी मुनमुन दत्ता की सगाई की अफवाहें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि एक्ट्रेस ने वडोदरा में राज अनादकट से सगाई कर ली है। अब, अभिनेत्री ने सभी अफवाहों का खंडन करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है। मुनमुन दत्ता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, ध्अजीब बात है कि फर्जी खबरें जंगल की आग की तरह फैलती हैं और बूमरैंग की तरह वापस आती रहती हैं।

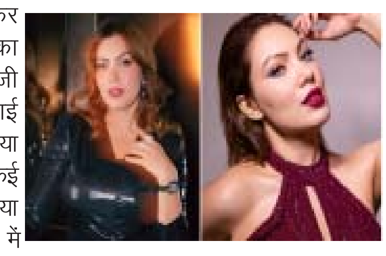

जनपद में आदर्श आचार संहिता प्रभावी

ब्यूरो अंकित वर्मा

देवरिया। जिला निर्वाचन अधिकारीधजिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आम चुनाव –2024 की घोषणा के साथ ही जनपद में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। उन्होंने समस्त अधिकारियों को आदर्श आचार संहिता का सख्ती से अनुपालन कराने का निर्देश दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार जनपद की सीमा से संबद्ध तीनों लोकसभा सीटों का मतदान सातवें चरण में होगा, जिसकी अधिसूचना 7 मई 2024 को जारी होगी। नामांकन की अंतिम तिथि 14 मई 2024 होगी। 15 मई 2024 को आवेदन पत्रों की स्क्रूटनी की जाएगी। 17 मई 2024 को नामवापसी की अंतिम तिथि रहेगी। 01 जून 2024 को मतदान होगा तथा 04 जून को मतगणना होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने आदर्श आचार संहिता के विषय में विस्तार से जानकारी दी, जो कि निम्नवत हैं– क. सम्पत्ति का विरूपण– (1). आदर्श आचार संहिता के लागू होते ही समस्त शासकीय सम्पत्तियों से 24 घण्टे के अंदर समस्त प्रचार सामग्री पोस्टर, बैनर, पैम्पलेट इत्यादि हटाये जाने हैं। समस्त सरकारी कार्यालयों, सभागारों, अधिकारियों के कक्षों इत्यादि में लगी सभी जीवित राजनीतिक महानुभावों की फोटो तत्काल हटायी जानी है। जीवित राजनीतिक महानुभावों में से केवल राष्ट्रपति तथा राज्यपाल की फोटो लगी रह सकती है। पूर्व में दिवंगत राजनीतिक महानुभावों की फोटो भी लगी रह सकती है। (2.) समस्त लोक सम्पत्तियों जैसे रू– बस स्टैंड, सड़क, सार्वजनिक चौराहों, बिजली के खम्बे, अंडरपास इत्यादि से 48 घण्टे के अंदर समस्त प्रचार सामग्री पोस्टर, बैनर, पैम्पलेट इत्यादि हटाये जाने हैं। (3.) निजी सम्पत्ति का विरूपण 72 घण्टे के अंदर हटाया जाना है। ख. निजी सम्पत्ति पर चुनाव प्रचार सम्बन्धी शर्तेंरू– (1). अपने निजी भवन पर बैनर, झण्डा, कटआउट इत्यादि प्रतिबन्धित नहीं है, यदि भवन स्वामी द्वारा यह कार्य स्वेच्छा से बिना किसी दबाव के किया गया हो। झण्डों की अधिकतम संख्या 03 हो सकती है। (2). ऐसा करने से किसी अन्य जनसामान्य अथवा उसके आसपास के नागरिकों को परेशानी न हो। (3). यदि उक्त बैनर, कटआउट, झण्डा किसी पार्टी प्रत्याशी का है तो इस सम्बन्ध में धारा–171एच आई०पी०सी० के प्रावधान लागू होंगे (धारा–171एच आई०पी०सी०) अपनी निजी सम्पत्ति पर किसी अन्य प्रत्याशी के चुनाव का प्रचार किसी भी रूप में करना तब तक प्रतिबन्धित है जब तक कि प्रत्याशी द्वारा भवन स्वामी को लिखित रूप में इस हेतु प्राधिकृत न कर दिया हो। अन्यथा की दशा में रू0 500ध– का जुर्माना है) ऐसा प्राधिकृत पत्र भवन स्वामी द्वारा रिटर्निंग आफिसर को प्रस्तुत करना होगा। (4). ऐसी कोई भी सामग्री जिससे सम्पत्ति का विरूपण होता हो, जैसे चिपकाये जाने वाले पोस्टर, ॅसस ॅतपजपदह इत्यादि किसी भी रूप में किसी भी सम्पत्ति पर अपनी स्वेच्छा से अपनी सम्पत्ति पर भी अनुमन्य नहीं है। ग. शासकीय कार्य– (1). ऐसे समस्त कार्य जिनमें निविदा स्वीकृत हो चुकी हो, कार्यादेश जारी हो चुके हैं, परन्तु कार्य मौके पर भौतिक रूप में प्रारम्भ न हुआ हो, तो ऐसे सभी कार्य निर्वाचन की पूरी अवधि में प्रारम्भ नहीं किये जा सकेंगे। (2). ऐसे समस्त कार्य जिनमें मौके पर भौतिक रूप से कार्य प्रारम्भ हो चुका हो, जारी रह सकेंगे। (3). ऐसी समस्त कार्यदायी संस्थाओं से उक्त दोनों बिन्दुओं पर कार्यों की सूची आदर्श आचार संहिता के प्रभावी होने के 72 घण्टे के अंदर संकलित कर ली जायेगी। घ. वाहनों के सम्बन्ध में– (1). वाहनों का काफिला (ब्वदअवल) पूरी निर्वाचन अवधि में प्रचार के सम्बन्ध में 10 से अधिक वाहनों (सुरक्षा वाहनों को छोड़ते हुए) का काफिला होना वर्जित है। प्रत्येक दसवें वाहन के बाद 100 मीटर का फासला रखा जाना अनिवार्य है। (2). निजी वाहनों पर झण्डा, स्टीकर इत्यादि तभी लगाये जा सकेंगे जबकि यह कार्य स्वेच्छा से बिना किसी दबाव के किया जाये, डवजवत टमीपबसम ।बज के प्रावधानों का उल्लंघन न होता हो और किसी अन्य वाहन चालकों एवं अन्य राहगीरों को कोई परेशान न होती हो। बैनर अनुमन्य नहीं है। केवल एक झण्डा (1 0.5 फीट) अनुमन्य है। 01 अथवा 02 छोटे स्टीकर लगाए जा सकते हैं। (3). लेकिन यदि उक्त झण्डा, बैनर, पोस्टर किसी प्रत्याशी का है तो इसमें धारा–171एच प्रावधान लागू होंगे जैसा कि सम्पत्ति के सम्बन्ध में ऊपर वर्णित है।

(4) वीडियो वैन (रथ)– इनकी अनुमति केवल मुख्य निर्वाचन अधिकारी के स्तर से जारी की जायेगी। इनमें चलने वाले इलैक्ट्रॉनिक प्रचार सामग्री का प्रमाणीकरण राज्य स्तरीय डब्डब से होना अनिवार्य है। इन वीडियो वैन पर यदि केवल राजनैतिक दल का प्रचार किया जा रहा है तो उसका खर्च राजनीतिक दल के खाते में जोड़ा जायेगा। यदि किसी उम्मीदवार का प्रचार किया जा रहा है तो खर्च उम्मीदवार के खाते में जोड़ा जायेगा।

(5) दोपहिया वाहन वाहनों के काफिले के प्रतिबन्ध के प्रावधान दोपहिया वाहनों पर भी लागू है। दोपहिया वाहन यदि चुनाव प्रचार में शामिल हैं तो वे त्व से अनुमति प्राप्त वैध प्रचार वाहन होने चाहिये। इन पर केवल एक झण्डा (1 0.5 फीट) अनुमन्य है। झण्डे के डंडे की लम्बाई 3 फीट से अधिक नहीं हो सकती। दोपहिया वाहन पर कोई बैनर अनुमन्य नहीं है। 01 अथवा 02 छोटे स्टीकर लगाए जा सकते हैं।

(6) ई–रिक्शा, तिपहिया वाहन एवं चौपहिया वाहन पर भी कोई बैनर अनुमन्य नहीं है। यदि ऐसा वाहन वैध प्रचार वाहन है तो उस पर केवल एक झण्डा (1 0.5 फीट) अनुमन्य है। 01 अथवा 02 छोटे स्टीकर लगाए जा सकते हैं।

(7) वाहनों के काफिलों के सम्बन्ध में उपरोक्त किसी भी निर्देश का उल्लंघन पाये जाने की दशा में ऐसे वाहन को तत्काल जब्त कर लिया जायेगा जो पूरे निर्वाचन अवधि की समाप्ति के उपरान्त ही छोड़ा जायेगा।

(8) रोड शो–बिना पूर्व अनुमति की नहीं किया जा सकेगा। इनकी अनुमतियां यथा सम्भव छुट्टी के दिनों को, च्मां भ्वनत ज्तंपिब के बाद ही ऐसे रूट पर दी जानी चाहिये जिन पर बड़े अस्पताल, ब्लड बैंक तथा भीड़ भरे बाजार इत्यादि न हों। काफिले का प्रतिबन्ध रोड शो पर भी लागू होता है। आयोजक को रोड शो में भाग लेने वाले व्यक्तियों एवं वाहनों की संख्या पूर्व में ही बतानी होगी। रोड शो के दौरान सड़क की आधी चौड़ाई को ही इस्तेमाल किया जा सकता है। रोड शो में पटाखे चलाना, हथियारों का प्रदर्शन, जानवरों का इस्तेमाल, बच्चों (विशेषकर स्कूल यूनिफार्म में बच्चों) का प्रतिभाग करना पूर्णतः प्रतिबन्धित है। रोड शो में हाथ से पकड़ कर प्रयुक्त किए जाने वाले बैनर का अधिकतम साइज (6 4 फीट) एवं प्रतिभाग करने वाले प्रचार वाहनों पर झण्डे का अधिकतम साइज (10.5 फीट) हो सकता है।

. वाणिज्यिक वाहन–

(1). इन वाहनों पर किसी भी प्रकार की प्रचार सामग्री अनुमन्य नहीं है यदि ऐसे वाहन सम्बन्धित उम्मीदवार का वैध प्रचार वाहन न हो अर्थात केवल वैध प्रचार वाहन, जिनकी अनुमति रिटर्निंग आफिसर द्वारा प्रदत्त की गयी है तथा वह अनुमति सामने की तरफ शीशे पर मूल रूप से प्रदर्शित है, उन्हीं का इस्तेमाल चुनाव प्रचार के लिये किया जा सकेगा। (2). प्रचार हेतु वाहनों की संख्या सीमित नहीं की गयी है बशर्ते सभी वाहनों की अनुमति ली गयी हो और वह अनुमति अनिवार्य रूप से सामने की तरफ शीशे पर प्रदर्शित हो।

(3). वाहनों पर लाऊडस्पीकर या वीडियोरथ आदि बनाया जाना तभी अनुमन्य है जब इस सम्बन्ध में रिटर्निंग आफिसर के अतिरिक्त डवजवत टमीपबसम ।बज के सक्षम अधिकारी की अनुमति प्राप्त कर ली गयी हो।

(4). पार्टियों के जिला अध्यक्ष के लिए सक्षम स्तर से अनुमति के बाद एक वाहन अनुमन्य है।

(5). नामांकन के समय रिटर्निंग आफिसर के कार्यालय के 100 मी0 तक के दायरे में एक प्रत्याशी केवल 03 वाहन ले जा सकता है।

6). वाहन के सम्बन्ध में सभी प्रतिबन्ध रिक्शा पर भी लागू होते हैं। केवल छूट इतनी है जब वह रिक्शा सामान्य सवारी छोड़ रहा हो उस पर किसी एक पार्टीध्उम्मीदावार का पोस्टर लगा हो तो उसे छूट प्रदत्त की जायेगी।

च. निर्वाचन के दिनांक को वाहनों के सम्बन्ध में प्रतिबन्धः–(1). निर्वाचन के दिनांक को प्रत्येक प्रत्याशी को स्वयं के लिए 01 वाहन, अपने निर्वाचन एजेंट के लिए 01 वाहन तथा अपने कार्यकर्ताओं के लिए संसदीय क्षेत्र के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र हेतु 01 वाहन अनुमन्य हैं।(2). किसी भी 01 वाहन में वाहन चालक समेत कुल 05 व्यक्तियों से ज्यादा नहीं हो सकते। वाहनों के सम्बन्ध में इस प्रतिबन्ध में दोपहिया वाहन भी सम्मिलित हैं।

(3). सामान्य वोटर्स अपने निजी वाहन से पोलिंग बूथ से 200 मी0 की दूरी तक जा सकते हैं।

छ. अस्थायी चुनाव कार्यालयरू–
(1). किसी भी बूथ से 200 मी0 की दूरी अवश्य होनी चाहिए।
(2). किसी शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करके न बनाया हो।
(3). धार्मिक, शैक्षणिक संस्थाओं अथवा अस्पताल परिसर अथवा उनसे लगे हुए चुनाव कार्यालय बनाना अनुमन्य नहीं है।
(4). चुनाव कार्यालय पर पार्टी का केवल 01 झण्डाध्बैनर (4 8 फीट का ही) लगाया जा सकता है।
(5). रिटर्निंग आफिसर की अनुमति से ही अस्थायी चुनाव कार्यालय बनाया जायेगा।

ज. पोलिंग के दिनांक को राजनैतिक दल द्वारा बनाया जाने वाला इलेक्शन बूथरू–
(1). प्रत्येक प्रत्याशी द्वारा रिटर्निंग आफीसर को पूर्व में ही सूचना दी जायेगी कि उनके द्वारा किन–किन बूथों पर अपने इलेक्शन बूथ लगाए जा रहे हैं।
(2). यथा आवश्यकता स्थानीय निकायों से पूर्वानुमति भी प्रत्याशियों को लेनी होगी।
(3). इलेक्शन बूथ निजी अथवा सार्वजनिक सम्पत्ति पर अतिक्रमण कर नहीं बनाए जा सकते।
(4). धार्मिक, शैक्षणिक संस्थाओं अथवा अस्पताल परिसर अथवा उनसे लगे हुए इलेक्शन बूथ बनाना अनुमन्य नहीं है।
(5). इलेक्शन बूथों पर केवल सादे कागज पर अशासकीय रूप से मतदाता पर्ची वितरित किया जा सकता है, जिस पर प्रत्याशीध्पार्टी का नाम एवं चुनाव चिन्ह होना पूर्णतः वर्जित है।
(6). इलेक्शन बूथ, पोलिंग बूथ से 200 मीटर की दूरी पर होगा।
(7). 01 मेज, 02 कुर्सी एवं छाया हेतु छाता अथवा छोटा कनात (10 10 फीट का ही) अनुमन्य है।
(8). 01 झण्डा एवं बैनर ही (4 8 फीट से अधिक न हो) का लगाया जा सकता है।

झ. विविध बिन्दु–
(1). पोलिंग बूथ के 100 मी0 की दूरी में निर्वाचन सम्बन्धित अधिकारीध्कर्मचारियों को छोड़कर अन्य सभी व्यक्तियों द्वारा मोबाइल फोन का इस्तेमाल निषिद्ध है।
(2). पोलिंग बूथ के 100 मी0 की दूरी में प्रचार निषिद्ध है।
(3). निर्वाचन के दिन बनाये जाने वाले पोलिंग एजेंट उसी बूथ केध्निकटवर्ती बूथ के अथवा उसी निर्वाचन क्षेत्र के निवासी होंगे तथा उनके पास मतदाता पहचान पत्र होना अनिवार्य है।
(4). किसी भी रैली या जनसभा में उम्मीदवार द्वारा टोपी, मुखौटा, स्कार्फ आदि बांटा जा सकता है, जिसको उम्मीदवार के खर्चे में जोड़ा जायेगा, परन्तु साड़ी, धोती, शर्ट आदि बांटे नहीं जा सकते। इसी प्रकार देवी, देवताओं के फोटो वाले स्टीकर, डायरी, कैलेण्डर आदि बांटा जाना प्रतिबन्धित है। ऐसा किया जाना धारा–171 बी आई०पी०सी० के तहत मतदाता को रिश्वत देने की श्रेणी में आता है।
(5). किसी भी पोस्टर, बैनर, पैम्पलेट, हैण्डबोर्ड आदि पर प्रिंटरध्प्रकाशक का नाम मुद्रित होना अनिवार्य है। साथ ही प्रिंटर के पास प्रकाशक द्वारा दिया हुआ अधिकृत प्रमाण पत्र (02 व्यक्तियों द्वारा सत्यापित) होना अनिवार्य है। उक्त अधिकृत प्रमाण पत्र प्रिंटर को रिटर्निंग आफिसर के पास जमा कराना होगा। अन्यथा की दशा में धारा–127ए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम–1951 के उल्लंघन की कार्रवाई संभव है।

नगर पंचायत के सभासदों ने बोर्ड की बैठक का बहिष्कार कर किया धरना प्रदर्शन नगर पंचायत अध्यक्ष ने आरोपों को बताया बेबुनियाद

भरुआ सुमेरपुर(आरएनएस)। नगर पंचायत के एक दर्जन सभासदों द्वारा अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाकर बैठक का बहिष्कार कर नगर पंचायत कार्यालय में धरना प्रदर्शन करने पर नगर पंचायत अध्यक्ष ने आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

शनिवार को आगामी वित्तीय वर्ष के बजट की चर्चा के लिए अध्यक्ष धीरेन्द्र शिवहरे धीरू ने बोर्ड की बैठक आहूत की थी। बैठक में पहुंचे सभासद रामकिशोर सैनी, गोपाल बजाज, कुलदीप सिंह, संगम सोनी, नीती शुक्ला, दीपक शर्मा, राजू गुप्ता, सुमित वर्मा, अनीश बाल्मीकि, सीमा रानी, राजेश वर्मा आदि ने नगर पंचायत अध्यक्ष पर घटिया कार्य कराने, एक वार्ड विशेष में सर्वाधिक कार्य कराए जाने, स्ट्रीट लाइट खरीद में घोटाला करने के साथ नगर पंचायत के कार्यों में अन्य के दखल देने जैसे गंभीर आरोप लगाकर बैठक का बहिष्कार कर दिया। सभासदों का आरोप था की बैठक का एजेंडा एक सप्ताह पूर्व न जारी करके नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। नगर पंचायत अधिशाषी अधिकारी कुल कमल सिंह ने बताया कि सभासदों के विरोध की बात उनके समक्ष नहीं आई है। वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष धीरेन्द्र शिवहरे धीरू ने सभासदों के आरोपों को निराधार बताया है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील हमीरपुर सदर मे सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त 30 शिकायतों में से 01 का तत्काल मौके पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया गया, शेष शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

हमीरपुर(आरएनएस) आज जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील हमीरपुर (सदर) में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कुल 30 शिकायतें प्राप्त हुई , जिसमें से 01 शिकायत का मौके पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने जन समस्याओं को सुनने के पश्चात उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया तथा कहा कि किसी भी शिकायत के निस्तारण में मौके पर जाकर दोनों पक्षों से मिलकर उनकी बातों को अवश्य सुना जाए । संपूर्ण समाधान दिवस के दिन संपूर्ण समाधान दिवस के पूर्व व पश्चात विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा अपनी साइटध् क्षेत्रध् कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया जाय एवं उस क्षेत्र के विभागीय कार्यों की समीक्षा की जाय तथा उसकी आख्या उपलब्ध करायी जाय। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस शासन का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस ,आईजीआरएस पोर्टल, मुख्यमंत्री संदर्भ ध1076 के संदर्भ ध् शिकायतों का निष्पक्षता पूर्वक एवं समयबद्ध ढंग से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। कहा कि शिकायतों का निस्तारण 07 दिनों में अनिवार्य रूप से कर दिया जाए । शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए ताकि शिकायतकर्ता को बार.बार परेशान ना होना पड़े । कहा कि शिकायतों का ग्राउंड लेवल पर निस्तारण कर शिकायतकर्ता को संतुष्ट किया जाय । उन्होंने कहा कि जिस स्तर की शिकायत है उसका उसी स्तर पर निस्तारण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। किसी भी दशा में वही शिकायत अगले समाधान दिवस मेंप्राप्त नहीं होनी चाहिए। इस दौरान पीडी साधना दीक्षित,जिला वनाधिकारी, उपजिलाधिकारी सदर,डिप्टी कलेक्टर,तथा अन्य संबंधित विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे ।

बिजली के तार में हुए शार्ट सर्किट से दुकान में लगी आग, लाखों का किराना सामान जलकर हुआ राख

ड्रमंडगंज, मीरजापु(आरएनएस)। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के ऊंटी ग्राम पंचायत के गड़बड़ा पुल स्थित एक किराना की दुकान में शुक्रवार की रात बिजली के तार में हुए शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग की चपेट में आने से दुकान के भीतर रखा सामान जलकर नष्ट हो गया। ऊंटी गांव निवासी आलोक कुमार हलिया ड्रमंडगंज मार्ग स्थित गड़बड़ा पुल पर किराना की दुकान चलाते हैं। शुक्रवार रात आठ बजे दुकान बंद कर अपने घर चले गए।रात में नौ बजे के करीब दुकान के भीतर से धुआं उठता देख किराएदार विनोद कुमार ने फोन से दुकानदार को सूचना दी। सूचना पाकर दुकान पर पहुंचे दुकानदार ने अगल बगल के लोगों की मदद से दुकान में लगी आग पर किसी तरह काबू पाया। लेकिन तब तक लाखों रुपए का किराना का सामान जलकर राख हो गया। शनिवार सुबह दुकानदार आलोक कुमार ने थाने में तहरीर दी।दी गई तहरीर में दुकानदार ने बताया कि बिजली के शार्ट सर्किट होने की वजह से रात में दुकान के भीतर आग लग गई। दुकान में रखा,तेल, रिफाइंड, साबुन, सूखे मेवे आदि कीमती किराना का सामान जलकर नष्ट हो गया। दुकानदार ने बताया कि आग से करीब तीन लाख रुपए का किराना का सामान जलकर नष्ट हो गया है।

सजेती पुलिस जयराम को दिव्यांग धर्मेन्द्र का पिता सिद्धकरे दिव्यांग पार्टी देंगी पांच हजार का ईनाम

कानपुर(आरएनएस)। राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी की बैठक शास्त्री नगर सेन्ट्रल पार्क में सम्पन्न हुयी। बैठक में जिला अध्यक्ष राहुल कुमार ने दिव्यांग उत्पीड़न के मामले रखे। दिव्यांग उत्पीडन के मामलों में हो रहे अन्याय को देखते ही राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार गुस्से में आ गये। उनका गुस्सा तब और बढ़ गया जब पुलिस ने आई0 जी0 आर0 एस0 में बरीपाल सजेती निवासी दिव्यांग धर्मेन्द्र कुमार का पिता जयराम को बता दिया। वीरेन्द्र कुमार ने सजेती पुलिस को चौलेन्ज किया है कि पुलिस जयराम को दिव्यांग धर्मेन्द्र कुमार का पिता सिद्ध करें। राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी पुलिस को पांच हजार रूपया का ईनाम देगी द्य सम्बन्ध विच्छेद के बाद धर्मेन्द्र का जन्म बरीपाल कस्बा में उसकी ननिहाल में हुआ था। धर्मेन्द्र के नाना ने राजवती का विवाह ग्राम धरछुआ घाटमपुर मे जयराम के साथ कर दिया था। धर्मेन्द्र के नाना रामचेला ने धर्मेन्द्र को दत्तक पुत्र बनाकर उसका पालन पोषण किया, शादी विवाह कर दिया और उसके रहने के लिए पुस्तैनी मकान दे दिया। धर्मेन्द्र के नाना के निधन के बाद उसके मामा की नियत खराब हो गयी और मकान हड़पने के लिये पुलिस से मिलकर षड़यंत्र करने लगे। धर्मेन्द्र का मामा अपराधी प्रवृत्ति का है। कई जिलों मे चोरी लूट का मामला उसके विरूद्ध दर्ज है। उसके बावजूद सजेती पुलिस उसको संरक्षण दिये हुए है। इसी तरह दिव्यांग अजीत कुमार निवासी रामनगर बिठूर के मकान पर भाई कब्जा किये हुए है और उत्पीड़न कर रहे हैं, आवास विकास कल्याणपुर निवासी कृष्ण कुमार त्रिपाठी के मकान पर भू माफिया कब्जा किये हुए हैं। किसी भी मामले में पुलिस कार्यवाही नहीं कर रही है। बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि दिव्यांग उत्पीड़न के मामलों में पुलिस द्वारा फर्जी रिपोर्ट लगाने व दिव्यांगजन को थाने स्तर पर न्याय न मिलने के विरोध में 21 मार्च को पुलिस आयुक्त कार्यालय पर खाट बिछाओ–भ्रष्टाचार मिटाओ मिटाओ आन्दोलन किया जायेगा।

दुकान खाली होने के 24 घंटे बाद पोस्टमार्टम को भेजा गया शव

भरुआ सुमेरपुर(आरएनएस)। दुकान न खाली होने से आहत होकर घर में फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाले युवक के परिजनों ने दुकान खाली न होने तक युवक का शव मौके से नहीं उठने दिया। शनिवार को सुबह दुकान खाली होने के बाद दोपहर में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। कस्बे के वार्ड संख्या 10 के निवासी मोहनदास कोटेदार के छोटे पुत्र नवनीत 27 वर्ष ने बुधवार की रात घर की ऊपरी मंजिल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। गुरुवार को जब वह दिनभर बाहर नहीं आया तब पिता को शंका हुई और उन्होंने शुक्रवार को सुबह पड़ोसियों को एकत्र करके कमरे का दरवाजा तोड़कर देखा तो वह फांसी पर झूल रहा था। पिता ने इसकी सूचना पुलिस के साथ दिल्ली में रह रहे बड़े पुत्र को दी। पुलिस ने युवक के कमरे से सुसाइड नोट बरामद किया था। इसमें युवक ने स्टेशन मार्ग में बने मकान की दुकान न खाली होने का प्रमुखता के साथ उल्लेख किया था। इस बात की चर्चा होते ही मृतक का बड़ा भाई भड़क गया और उसने कहा कि जब तक दुकान नहीं खाली होगी तब तक शव को उठने नहीं दूंगा। नाते रिश्तेदारों के दबाव के बाद दशकों से कब्जा जमाए बहनोई ने सुबह दुकान खाली कर दी। इसके बाद परिजनों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस को ले जाने दिया।

भाजपा नेत्री ने तपोभूमि में मत्था टेक रोपित किया पौधा

भरुआ सुमेरपुर(आरएनएस)। सपा छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद प्रथम बार कस्बे में आई भाजपा नेत्री का महिला मोर्चा ने भव्य स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने तपोभूमि पहुंचकर रोटीराम महाराज की समाधि पर मत्था टेका और पर्यावरण संरक्षण समिति के नेतृत्व में सीता अशोक का वृक्षरोपित किया। मौदहा के मराठीपूरा की निवासी उमा दीक्षित ने सपा छोड़कर शुक्रवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के समक्ष भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। शनिवार को कस्बे में आने पर भाजपा महिला मोर्चा की नेताओं ने उनका फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने तपोभूमि पहुंचकर ब्रह्मलीन संत स्वामी रोटीराम महाराज की समाधि में मत्था टेककर साधु संतों से आशीर्वाद लेने के उपरांत तपोभूमि प्रांगण में पर्यावरण संरक्षण समिति के नेतृत्व में सीता अशोक का पौधा रोपित किया। इस मौके पर पर्यावरण संरक्षण समिति की संरक्षक मुनीर खान, अध्यक्ष संतोष कुशवाहा, गणेश गुप्ता, भाजपा महिला मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष साधना सिंह, राखी शिवहरे, उषा गुप्ता, रमाओमर, रितू सिंह, मीना सिंह, हिना परवीन, मालती, अशोक श्रीवास्तव, अमित शिवहरे, प्रवीण दीक्षित आदि मौजूद रहे।

अनशनकारियों का अनशन आमरण अनशन तक पहुंचा,लेकिन नही हुआ समाधान,

चौथे दिन ग्रामीणों के समर्थन में सपा नेता कुंवर विवेक पाल भी पहुंचे योगी सरकार की गड्ढा मुक्त सड़को को हवा हवाई बताया आजादी से लेकर आज तक ग्रामीण सड़क से वचित है शासन प्रशासन कुंभकरण की नीद सोया हुआ

चौथे दिन एसडीएम मौदहा अनशनकारियों के पास पहुंचे,एसडीएम राजेश चंद्र के आश्वासन पर नही राजी हुए अनशनकारी, मांगे पूरी न होने तक जारी रहेगा अनशन,मौदहा विकास खंड क्षेत्र के गऊघाट छानी के मजरा परसदवा डेरा में चल रहा है अनशन।

अनशन कारी गांव के ही भपेंद्र कहते है की आजादी के बाद से सड़क नही बनी जबकि हमारे बच्चों को स्कूल जाना हो या महिलाओं को अस्पताल ना ही कोई एंबुलेंस आती है न ही डायल 112 हम लोग आज तक इस उम्मीद में जी रहे है की शायद अब सड़क बन जाय लेकिन जिला प्रशासन की प्रतिक्रिया अभी तक सकारात्मक नही है मौजूदा ग्रामीण लल्ली पाल , रामौतार , राजाराम , साहब दीन , रामस्नही , सन्तोष तिवारी, राकेश राजू शिवहरे, आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं ने जताया विरोध

मीरजापुर(आरएनएस)। मड़िहान अधिवक्ता समिति ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए न्यायालय में बाहरी व्यक्ति के कार्य करने को लेकर विरोध जताया है। अधिवक्ताओं में इस बात को लेकर आक्रोश है। अधिवक्ताओं ने न्यायालय संबंधी कार्यों में वादकारियों से पैसे लेने का आरोप लगाया है। आरोप लगाया कि वादकारियों से काम कराने के नाम पर पैसा लिया जाता है। बताते चलें कि तहसील मड़िहान में बाहरी व्यक्ति न्यायालय का कार्य करते हैं। अधिवक्ताओं का आरोप रहा है कि तहसील में कार्यरत बाहरी व्यक्ति अधिवक्ताओं और मुहर्रिल से अभद्रता करते हैं। यह पूरा मामला तहसील मड़िहान का बताया जा रहा है जिससे अधिवक्ता आक्रोशित हैं।

71 वें दिन भी जारी रहा किसानों का धरना

मीरजापुर(आरएनएस)। भारतीय किसान यूनियन द्वारा बनस्थली महाविद्यालय अहरौरा के पास वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर स्थित अस्थाई अवैध टोल प्लाज को हटाने व पूर्व के अन्य मांगों को लेकर किसान अनिश्चित कालीन धरने पर शनिवार को 71वें दिन भी जमे रहे हैं। धरने की अध्यक्षता भगवान दास ने करते हुए कहा कि जब तक टोल प्लाजा हटाने की बात नहीं होगी तब तक वह हटने वाले नहीं हैं।आज के धरने में प्रदेश महासचिव प्रहलाद सिंह, मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह, जिला अध्यक्ष कंचन सिंह फौजी जिला महासचिव वीरेंद्र सिंह मंडल प्रवक्ता राजेश कुमार सिंह उर्फ गुड्डू, घूरे प्रसाद बिंद, रामचंद्र सिंह,मदन सिंह,शैलेंद्र सिंह ,राम श्रृंगार सिंह,अमरनाथ यादव, रंजीत कुमार मौर्य, रामचंद्र, किस्मत कुशवाहा, पारस ,दीप नारायण, पनीउल्लाह, जफर अली, संतोष कुमार सिंह , दासू यादव, अभिषेक सिंह , नन्दलाल भारती, गायक जगत व अन्य लोग उपस्थित रहें।

अधिसूचना जारी होते ही एक्शन मूड में दिखा प्रशासन

मीरजापुर(आरएनएस)। अधिसूचना लगते ही जिला प्रशासन एक्शन मूड में दिखा है। प्रचार प्रसार के लिए कलेक्ट्रेट में लगवाई गई प्रचार सामग्री को नगर पालिका टीम ने हटाना शुरू कर दिया है नगर के विभिन्न स्थानों खासकर सरकारी भवनों आफिस से सरकार की योजनाओं से लेकर अन्य प्रचार प्रसार सामाग्रियों को उतारने का क्रम जारी रहा है। इस दौरान अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व शिव प्रताप शुक्ला एवं प्रशासनिक टीम मुस्तैद रही।

एसपी ने चलाया तबादला एक्सप्रेस

मीरजापुर(आरएनएस)। देर शाम एसपी ने जिले के चार थाना प्रभारियों का स्थानांतरण किया है। इसी क्रम में थाना प्रभारी संतनगर रामसरीख गौतम हटाये गये हैं। धर्मेन्द्र कुमार को थाने की कमान दी गई है।

जबकि जिगना थाने को नये इंस्पेक्टर मिले हैं। राजगढ़ इंस्पेक्टर विजय शंकर पटेल को पड़री थाने की कमान तो वीरेन्द्र सिंह पड़री से थाना प्रभारी राजगढ़ के लिए भेजे गए हैं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।